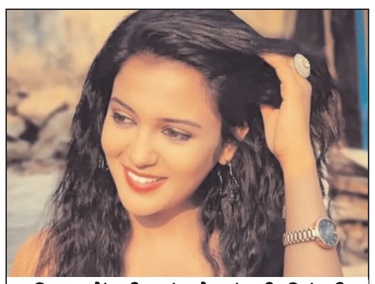

शिक्षकों की डांट ने संवारी जिंदगी, गुल्की जोशी ने कहा- 'जीवन में हर वो शख्स गुरु जो सही राह दिखाए'

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 30
न्यूनतम - 26

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 246 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शनिवार 05 सितम्बर 2026 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 24 विक्रमी सम्वत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

हाथी-घोड़ा पालकी...जय कन्हैयालाल की

● ब्रज में छाया उल्लास...मथुरा में नंदोत्सव की धूम ● नंदभवन में गूंजी बधाइयां, अवतरित हुए नंद नंदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम रही। 4 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण का 5253वां जन्मोत्सव देश भर में धूमधाम से मनाया गया। मथुरा-वृंदावन से लेकर जगन्नाथ पुरी और द्वारका तक जन्माष्टमी की धूम रही। उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि, द्वारका में द्वारकाधीश मंदिर, दिल्ली के इस्कॉन मंदिर और जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर में मंगला आरती हुई। काशी के इस्कॉन मंदिर में श्रद्धालुओं की 1 किलोमीटर लंबी लाइन लगी रही। अहमदाबाद के इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर खास तैयारियां की गई थीं। इस बार 300 ड्रोन के जरिए भगवान कृष्ण की दो-तीन लीलाएं दिखाई गईं। इसके अलावा मंदिर में 5 मिनट का 7डी शो हर आधे घंटे में दिखाया गया। इसमें लाइट और साउंड इफेक्ट के साथ बारिश का अनुभव भी कराया गया। वहीं, बिहार के पटना स्थित इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी के मौके पर 108 चांदी के कलश से भगवान कृष्ण का अभिषेक किया गया। मंदिर की सजावट के लिए बेंगलुरु, पुणे और कोलकाता समेत विदेशों से अलग-अलग तरह के करीब 8 टन

फूल मंगाए गए थे। सुरक्षा के लिए मंदिर परिसर में 150 से ज्यादा कैमरों से निगरानी की जा रही है।

मथुरा के नंदगांव में जायौ जसोदा जलेबी सी रानी ने, आज रबड़ी सी रात में लडुआ सौ लाला, ऐसे मधुर पदों की गूंज और समाज गायन की स्वर लहरियों के बीच रविवार को नंदगांव के नंदभवन में नंदलाल का जन्मोत्सव उल्लास और आस्था के साथ मनाया गया। नंदबाबा के नाम से बसे नंदगांव में विशेष परंपरा (खुर गिनती) के अनुसार, रक्षा बंधन के ठीक आठ दिन बाद जन्माष्टमी मनाई जाती है। दोपहर से ही नंदभवन में गोस्वामीवृंदों ने अष्टछाप के कवियों की वाणियों का गायन किया, जो तीन घंटे से अधिक समय तक चला। संध्या को बरसाना से पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे समाजियों ने नंदगांव के गोस्वामी समाज के साथ मिलकर संयुक्त समाज गायन किया। मथुरा के बलदेव में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर नंदोत्सव की खुशी में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्री दाऊजी मंदिर में श्री दाऊजी महाराज ने आभूषण में दर्शन दिए। नंदोत्सव की खुशी में समाज गायन का आयोजन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

मिथुन चक्रवर्ती बने बंगाल सरकार के सांस्कृतिक सलाहकार

सीएम शुभेंदु अधिकारी ने मान ली पहली बड़ी सलाह

कोलकाता (एजेंसी)। बॉलीवुड और बांग्ला फिल्मों के स्टार मिथुन चक्रवर्ती पश्चिम बंगाल सरकार के नए सांस्कृतिक सलाहकार नियुक्त किए गए हैं। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को न्यू टाउन में उत्तम कुमार फिल्म सेंटर की आधारशिला रखने के कार्यक्रम में यह घोषणा की। यह कार्यक्रम मशहूर एक्टर उत्तम कुमार की जन्म शताब्दी मनाने के लिए आयोजित किया गया था।

बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती को बंगाल सरकार पहले ही उत्तम कुमार की जन्म शताब्दी समारोह के लिए बनाई गई एक विशेष उच्च-स्तरीय सलाहकार समिति का सह-संरक्षक बनाया गया है। उनके साथ संस्कृति राज्य मंत्री पूर्णिमा चक्रवर्ती सह-संरक्षक के तौर पर शामिल हैं। **बंगाल में बनने वाली फिल्मों को मिलेगी 30 प्रतिशत सब्सिडी-** राज्य के सांस्कृतिक सलाहकार नियुक्त होने पर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने पश्चिम बंगाल में शूटिंग करने वाली फिल्मों के लिए टैक्स में 30 प्रतिशत सब्सिडी का अनुरोध किया। जिसे सीएम सुवेंदु अधिकारी ने तुरंत मंजूर कर लिया। सीएम ने कहा कि एक समय में पश्चिम बंगाल भारतीय सिनेमा को प्रतिनिधित्व करता था। मगर राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण हालात बदल गए। उन्होंने बांग्ला सिनेमा से जुड़े कलाकारों, निर्माता- निर्देशकों से मिलकर काम करने की अपील की।

नेपाल बाढ़ संकट

लापता लोगों के शव गंडक के रास्ते पहुंच रहे सोनपुर

सारण (एजेंसी)। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और तबाही के बाद लापता लोगों की तलाश में उनके स्वजन जहां-तहां भटक रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गंडक नदी की तेज धारा कई परिवारों के अपनों के शवों को बहाकर सोनपुर तक ला रही है। सोनपुर के कालीघाट के समीप माही नदी की धारा में फंसे कुछ शवों को कुत्ते और जंगली जानवर नोच-नोचकर खा रहे हैं। घटनास्थल का यह भयावह दृश्य मानवता को झकझोर देने वाला है और इसे देखकर लोगों के रोंगटे खड़े हो जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के

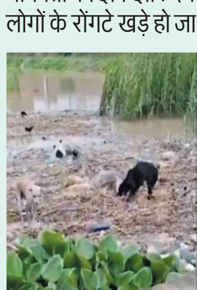

अनुसार, नेपाल में आई बाढ़ के बाद गंडक नदी में पानी के साथ बड़ी संख्या में मलबा और अन्य सामान बहकर आ रहा है। आशंका है कि इसी तेज धारा में नेपाल में लापता हुए लोगों के शव भी बहते हुए बिहार के विभिन्न इलाकों की ओर आ रहे हैं। माही नदी के रास्ते में फंस गए हैं। कुछ शव सोनपुर के कालीघाट के समीप माही नदी के रास्ते में कुछ शव फंस गए हैं। शवों के कई दिनों से पड़े रहने के कारण उन्हें जानवर नोच रहे हैं, जिससे आसपास का माहौल बेहद भयावह बना हुआ है।

मध्यप्रदेश से बिहार व बंगाल तक 'सैलाब' का डर

● उफान पर प्रमुख नदियां, हर ओर 'जल' जला ● यूपी में 23 जिलों में बाढ़, 16 हजार का रेस्क्यू ● एमपी में मंदाकिनी-नर्मदा उफान पर, संकट बढ़ा ● बिहार में 5 लाख प्रभावित, हिमाचल में हाहाकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। वाराणसी और चित्रकूट सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से रेस्क्यू किया जा चुका है। बिहार के 16 जिलों में बाढ़ से करीब 5 लाख लोग

प्रभावित हैं। गंगा समेत 8 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसे देखते हुए पटना सुरक्षा दीवार के सभी 108 रास्तों को बंद कर दिया गया है, ताकि नालों के जरिए शहर में पानी न घुसे। मध्य प्रदेश में मंदाकिनी और नर्मदा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

बंगाल के न्यू फराबक्का में जमीन धंसने से 14 ट्रेनें रद्द

पश्चिम बंगाल के न्यू फराबक्का में जमीन धंसने से 4 सितंबर को रवाना होने वाली 14 ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। इनमें हावड़ा-गुवाहाटी साराईघाट एक्सप्रेस, सियालदह-बामनहाट उत्तरबंगा एक्सप्रेस, सियालदह-अलीपुरद्वार कंचनकन्या एक्सप्रेस, सियालदह-सहरसा हाटे बाजार एक्सप्रेस, दार्जिलिंग मेल, हावड़ा-कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस और हावड़ा-कटिहार एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनें शामिल हैं। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा से पहले अपनी ट्रेन का स्टेटस जांचने की अपील की है।

बिहार के कटिहार में नाव से स्कूल पहुंच रहे छात्र

बिहार के कटिहार में गंगा, कोसी और बरंडी नदियों के जलस्तर में उतार-चढ़ाव के कारण निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। इससे प्रतापगंज स्थित मध्य विद्यालय चारों तरफ से पानी से घिर गया है। बाढ़ के पानी के बीच बच्चे रोजाना नाव से स्कूल पहुंच रहे हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर के मेहरबान सिंह का पुरवा, गोपालपुर और मर्दनपुर गांवों में पांडव नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से दर्जनों घरों में बाढ़ का पानी घुस गया है। पानी बढ़ने के चलते स्थानीय लोग अपना सामान सुरक्षित जगहों पर ले जा रहे हैं।

आपदा से पहले अलर्ट में मदद करेगा नया सैटेलाइट

36 हजार किमी से तस्वीरें लेने वाला सैटेलाइट लॉन्च

बड़ी उपलब्धि, पाकिस्तान-चीन पर लगातार रखेगा नजर

श्रीहरिकोटा (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार देर रात 2.55 बजे ईओएस-05 इमेजिंग सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसे श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ 17 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया। ईओएस-05 करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई पर जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में रहकर तस्वीरें लेगा। ऐसा करने वाला भारत का यह पहला सैटेलाइट है। इससे पहले भारत के सभी इमेजिंग सैटेलाइट निचली कक्षा में थे। ईओएस-05 भारत और आसपास के बड़े इलाकों की लगातार तस्वीरें भेज सकेगा। इससे पाकिस्तान-चीन सीमा पर नजर रखी जा सकेगी।

दो खास कैमरों से बड़े इलाके की निगरानी

ईओएस-05 में दो मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजर यानी ऐसे कैमरे लगे हैं, जो धरती की तस्वीरें अलग-अलग तरह की प्रकाश तरंगों में लेते हैं। इससे सामान्य तस्वीर के अलावा जमीन, पेड़-पौधों, पानी और पर्यावरण में हो रहे बदलावों की जानकारी मिल सकती है। इनमें से एक इमेजर की रिजॉल्यूशन 42 मीटर प्रति पिक्सल है।

मुस्लिमों के लिए नया निकाहनामा

उत्तराखंड में मस्जिदों में निकाह पढ़ाने वाले मौलाना को वक्फ बोर्ड का फैसला मानना जरूरी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मुस्लिमों के लिए नया निकाहनामा जारी किया जाएगा। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने समान नागरिक संहिता लागू होने के बाद ये फैसला लिया है। बोर्ड अब नया निकाहनामा जारी करेगा, जिसमें सिर्फ एक निकाह का उल्लेख होगा। नए नियम का पालन नहीं करने पर सजा का भी प्रावधान है। वक्फ बोर्ड के नए निकाहनामे को मस्जिदों में निकाह पढ़ाने वाले मौलाना को मानना जरूरी होगा। उत्तराखंड में धामी सरकार ने यूसीसी लागू किया है। यूसीसी नियमों के तहत अब एक समय में सिर्फ एक ही विवाह मान्य होगा। इसको लेकर वक्फ बोर्ड ने भी नया निकाहनामा जारी करने की बात की है। जिससे मुस्लिमों में बहुविवाह पर अंकुश लगाई जा सके।

यूके में संघ चीफ मोहन भागवत का बिग वेलकम

ब्रिटिश सांसद बोले- उन्हें सुनकर बहुत खुशी हुई

हिंदू संगठनों ने भी किया स्वागत, यात्रा का समर्थन

लंदन (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत तीन देशों के दौरे के आखिरी चरण में गुरुवार को लंदन पहुंचे। संघ के शताब्दी समारोह के तहत अमेरिका और कनाडा के बाद उनका ब्रिटेन में कार्यक्रम है। आरएसएस प्रमुख के इस सप्ताह के आखिर में ब्रिटेन में प्रवासी भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करने की उम्मीद है। इस बीच ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी के अहम नेता ने मोहन भागवत की यात्रा का समर्थन दिया है।

ब्रिटिश सांसद ने की सोशल मीडिया पोस्ट- कंजर्वेटिव पार्टी से 5 बार के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा है कि उन्हें संगठन के भविष्य पर आरएसएस चीफ के विचार सुनकर खुशी हुई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में ब्लैकमैन ने कहा, आज शाम संघ चीफ डॉ. मोहन भागवत द्वारा आरएसएस के भविष्य के लिए रखे गए विचारों और सोच को सुनकर खुशी हुई।

हिंदू संगठनों ने किया भागवत का स्वागत

इस बीच ब्रिटेन में 100 से ज्यादा हिंदू और सामुदायिक संगठनों ने मोहन भागवत के दौरे का स्वागत किया और उनकी यात्रा के समर्थन में संयुक्त बयान जारी किया। इस बयान पर हस्ताक्षर करने वाले संगठनों में हिंदू काउंसिल यूके, हिंदू फोरम ऑफ ब्रिटेन, हिंदू स्वयंसेवक संघ व और इनसाइट यूके समेत कई नाम थे। संगठनों के संयुक्त बयान में आरएसएस को दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन बताया गया जो चरित्र निर्माण, स्वयंसेवा, नेतृत्व, सामाजिक एकजुटता और वैश्विक भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इसमें कहा गया कि संघ अपने बड़े पैमाने पर सामाजिक कार्यों, समानता को बढ़ावा देने, दूर-दराज और दुर्गम इलाकों में शिक्षा में सबसे पहले मदद करता है।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर पोल से टकराया इंडिगो प्लेन

पार्किंग में ले जाते वक्त हादसा अगला हिस्सा भी टूटा

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर एयरपोर्ट पर इंडिगो का विमान 6ई 225 पार्किंग के दौरान खंभे से टकरा गया। फ्लाइट शुक्रवार सुबह नवी मुंबई से श्रीनगर पहुंची थी। घटना करीब सुबह 9 बजे बे नंबर-6 पर विमान को पार्क करते समय हुई। विमान में सवार सभी 200 यात्री और क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। किसी के

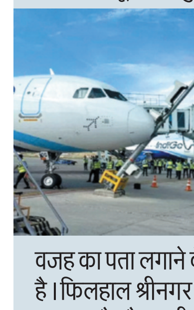

घायल होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद यात्रियों और क्रू को मैनुअल एयरक्राफ्ट सीढ़ियों की मदद से विमान से सुरक्षित उतारा गया। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। फिलहाल श्रीनगर एयरपोर्ट का संचालन सामान्य है और सभी फ्लाइट्स निर्धारित समय के अनुसार चल रही हैं। विमान जिस खंभे से टकराया, वह विजुअल डॉकिंग गाइडेंस सिस्टम का हिस्सा है। यह सिस्टम विमान को पार्किंग बे में सही जगह लाने और सुरक्षित तरीके से पार्क कराता है।

नेपाल में 9 दिन बाद सुरंग से जिंदा निकले 2 मजदूर

आवाज सुनकर रेस्क्यू टीम ने बचाया

काठमांडु (एजेंसी)। नेपाल बाढ़ के 9 दिन बाद त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग से 2 मजदूर जिंदा निकाले गए हैं। शुक्रवार सुबह रेस्क्यू टीम ने दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। उनकी पहचान संजय साह और कबीर महर्जन के रूप में हुई है। बाढ़ के बाद सुरंग में 42 कर्मचारी और मजदूरों के फंसे होने की जानकारी सामने आई थी। दो लोगों के जिंदा मिलने के बाद बचाव अभियान में उम्मीद बढ़ी है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान सुरंग के भीतर से इंसानी आवाज सुनाई देने की सूचना मिली थी। इसके बाद नेपाल सेना और सशस्त्र पुलिस बल की टीमें सुरंग में दाखिल हुई और तलाशी अभियान तेज किया। बाढ़ से अब तक 5,300 से ज्यादा लोग लापता हैं। अब तक 1,282 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि राहत और बचाव दलों ने 12,038 लोगों को सुरक्षित निकाला है।

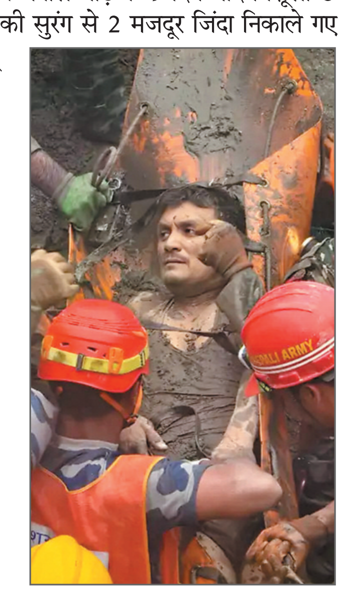

चितवन जिले में सबसे ज्यादा शव बरामद

नेपाल के बाढ़ प्रभावित इलाकों में शवों की बरामदगी का अभियान जारी है। चितवन जिले में सबसे ज्यादा शव मिले हैं, जबकि अब तक बरामद शवों में से 95 की पहचान की जा चुकी है। प्रशासन और बचाव दल लापता लोगों की तलाश के साथ शवों की पहचान और उनके परिजनों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में जुटे हैं। कबीर महर्जन 25 अगस्त की सुबह त्रिशूली-3ए में मेंटेनेंस के काम के लिए गए थे। रेस्क्यू के बाद उनकी पत्नी ने कहा कि ऐसा लगा जैसे उनके पति को दूसरी जिंदगी मिल गई हो। 26 अगस्त को आई बाढ़ की घटना के बाद उनका फोन बंद हो गया।

अनमोल वचन

आज शिक्षक दिवस है। शिक्षक अर्थात 'गुरु', क्योंकि पुरातन काल से आचार्य को 'गुरु' की संज्ञा से विभूषित किया जाता रहा है। देखना यह है कि बच्चे का प्रथम गुरु कौन है। हमारी संस्कृति में प्रथम गुरु का स्थान माता को प्राप्त है, क्योंकि शिशु अवस्था में शिक्षण संस्थाओं जाने तक माता ही गुरु होती है। मनुस्मृति का श्लोक 105 के अनुसार "उपाध्याया दशाचार्यः, आचायार्णां शतम्‌ पिता। सहस्त्रं तु पितृन्‌ माता गौरवेणातिरिच्यते।" अर्थात उपाध्याय से आचार्य का गौरव दश गुना, आचार्य के गौरव से माता-पिता का गौरव सौ गुना और उससे हजार गुना स्थान मिला है। तात्पर्य यह है कि माता अपने बच्चे को भौतिक अथवा बौद्धिक रूप में तो ढाल सकती है, क्योंकि यह उसे जन्म देने से पूर्व ही उसका निर्माण आरम्भ कर देती है। माता के पश्चात दूसरा गुरु शिक्षक होता है। शिक्षक का दायित्व होता है कि वह अपने विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास के साथ-साथ नैतिक तथा सद्गुणों का विकास करे। शिक्षक सुधारने वाला होता है और विद्यार्थी सुधरने वाला। अनुपात के हिसाब से हम तुलना धरातल में ऊँच नीच की करेंगे। क्या निर्दोष शिशुओं को बच्चा जब शिक्षण संस्थान में प्रवेश करता है, अति से उत्तरी धरातल की ओर प्रकृति बदलती दिखेगी। शिक्षण संस्थान जाने के पश्चात यह सम्भावना नहीं रहेगी कि बच्चा परीक्षा में शिक्षक से नंबर माँग ले। यह तो कहना पड़ा रहा है कि आज शिक्षक की साख पर प्रश्नचिन्ह लग रहा है। विचार करें तो ऐसा नहीं होना चाहिए। यह ही एक ऐसा मुख्य 'साधन' है जो कि अंधकार को दूर करता है। शिक्षक दिवस को इसके उपयुक्त धरातल स्तर पर गम्भीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

आफत की बारिश से खेत बने तालाब, जलमग्न फसलों को देख पसीजा कैबिनेट मंत्री का दिल

लखनौती और हरैटी के जंगलों में पैदल पहुंचे मंत्री अनिल कुमार, 20 साल बाद किसानों ने देखी ऐसी तबाही; अवरुद्ध नाले और बंद पुलिया ने बढ़ाई मुसीबत

मुजफ्फरनगर। भारी वर्षा ने पुरकाजी क्षेत्र के किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लगातार बारिश के कारण खेतों में पानी भर जाने से फसलें जलमग्न हो गई हैं। कई स्थानों पर पानी निकासी का रास्ता बंद होने के कारण खेत तालाब में तब्दील हो गए हैं। फसलों को पानी में डूबा देखकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। उनका कहना है कि करीब 20 साल बाद क्षेत्र में इतनी अधिक बारिश और जलभराव की स्थिति बनी है। समय रहते पानी की निकासी नहीं हुई तो हजारों बीघा फसल बर्बाद होने का खतरा है। किसानों की इस परेशानी की जानकारी मिलने पर कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार शुक्रवार को अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के इंतजार में बैठने के बजाय खुद धरातल पर पहुंचे। उन्होंने लखनौती, हरैटी, सलेमपुर और भैसानी के जंगलों में पहुंचकर जलमग्न फसलों का जायजा लिया। मंत्री ने किसानों के साथ खेतों में पैदल घूमकर स्थिति देखी और पानी की निकासी में आ रही बाधाओं की जानकारी ली।

किसानों ने फोन कर बताई थी खेतों में पानी भरने की समस्या

ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के चलते पहले ही खेतों में पानी भरना शुरू हो गया था। इसके बाद मुख्य नाले में पानी की निकासी बाधित होने से स्थिति और गंभीर हो गई। किसानों ने कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार को फोन कर समस्या की जानकारी दी और बताया कि लंबे समय से नाले की सफाई नहीं होने के कारण पानी आगे नहीं जा पा रहा है। किसानों का कहना था कि यदि जल्द पानी नहीं निकला तो फसलों में बीमारी फैल सकती है और खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह

नष्ट हो सकती है। इसके अलावा खेतों तक पहुंचने वाले रास्ते भी जलभराव के कारण बाधित हो गए हैं।

सूचना मिलते ही लखनौती पहुंचे कैबिनेट मंत्री

किसानों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार शुक्रवार को लखनौती पहुंचे। उनके साथ ग्राम प्रधान चौधरी रविंदर कुमार और हरैटी के प्रधान विवेक राठी भी रहे। इसके बाद मंत्री किसानों के साथ पैदल जंगल की ओर निकल पड़े और जलभराव की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया। मंत्री ने लखनौती, हरैटी, सलेमपुर और भैसानी के जंगलों में पहुंचकर खेतों में खड़ी फसलों को पानी में डूबा देखा। कई स्थानों पर खेतों में इतना पानी भरा था कि फसल का बड़ा हिस्सा दिखाई तक नहीं दे रहा था। किसानों ने मंत्री को मौके पर ही पानी निकासी की पूरी समस्या और नाले की स्थिति के बारे में जानकारी दी।

20 साल बाद खेतों में दिखा इतना पानी

ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री को बताया कि करीब दो दशक बाद क्षेत्र में इतनी ज्यादा बारिश हुई है। पहले भी बारिश होती रही है, लेकिन नालों की सफाई और पानी की उचित निकासी होने के कारण खेतों में इस तरह लंबे समय तक जलभराव नहीं होता था। किसानों का कहना था कि इस बार बारिश के साथ नाले के अवरुद्ध होने से समस्या विकराल हो गई है। पानी खेतों से निकल नहीं पा रहा है। यदि जल्द नाले की सफाई नहीं हुई तो धान, गन्ना और अन्य फसलों को भारी नुकसान हो सकता है।

निरीक्षण के दौरान जलभराव की असली वजह भी सामने आई। किसानों ने बताया कि क्षेत्र का मुख्य नाला सहारनपुर जनपद के गांव गोपाली से होकर थितकी की काली नदी में जाकर मिलता है। यह नाला भैसानी के जंगल में एक राजवाहे के नीचे से होकर गुजरता है। राजवाहे के नीचे बनी पुलिया की लंबे समय से सफाई नहीं हुई है। मिट्टी, गाद और अन्य अवरोध जमा होने के कारण पुलिया पूरी तरह बंद हो चुकी है। नाले का पानी इस पुलिया से आगे नहीं निकल पा रहा है। इसके चलते पानी पीछे की ओर फैलकर लखनौती, हरैटी और आसपास के क्षेत्रों के खेतों में जमा हो रहा है। किसानों ने मंत्री को मौके पर ले जाकर बंद पड़ी पुलिया और अवरुद्ध नाले की स्थिति दिखाई। मंत्री ने भी मौके पर स्थिति का निरीक्षण किया और माना कि पानी की निकासी के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

शुकतीर्थ में नाले के तेज बहाव से ढहा मकान: रसोई-शौचालय मलबे में तब्दील, बाल-बाल बचे दो परिवार

परमधाम कॉलोनी में बारिश का कहर से जनजीवन अस्त व्यस्त

मोरना (मुजफ्फरनगर)। तीर्थनगरी शुकतीर्थ की परमधाम कॉलोनी में शुक्रवार सुबह हुई मूसलाधार बारिश एक परिवार के लिए आफत बनकर आई। बारिश के कारण नाले (खोले) में आए पानी के तेज बहाव ने किनारे पर बने एक मकान को अपनी चपेट में ले लिया। पानी के कटान से मकान की दीवार भरभराकर गिर गई और देखते ही देखते रसोई व शौचालय पूरी तरह ढह गए। हादसे के वक्त मकान में दो परिवारों के छोटे बच्चों समेत कई सदस्य मौजूद थे, जो खुशकिस्मती से सुरक्षित बच गए।

कमरे में मौजूद थे दो परिवार, तेज आवाज से मची अफरा-तफरी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, परमधाम कॉलोनी निवासी दिनेश शर्मा के मकान में बिजनौर जिले के निवासी दो सगे भाई अमित और उपेंद्र अपने-अपने परिवारों के साथ किराए पर रहते हैं। अमित अपनी पत्नी अर्चना और डेढ़ वर्षीय मासूम बेटे दक्ष के साथ रहते हैं, जबकि उपेंद्र अपनी पत्नी पूजा और बेटे कृष्णा के साथ निवास करते हैं। शुक्रवार सुबह तेज बारिश के बाद पास के खोले (प्राकृतिक नाले) में पानी का बहाव अचानक बेहद तेज हो गया। पानी की सीधी मार पड़ने से मकान की नींव और दीवारें कमजोर हो गईं।

अचानक तेज कड़ाके की आवाज के साथ बाहरी दीवार ढह गई और उसके साथ ही रसोई व शौचालय मलबे के ढेर में बदल गए। जोरदार आवाज सुनते ही कमरों के अंदर मौजूद परिवारजन सहम गए और चीख-पुकार मच गई।

कमरों तक नहीं पहुंचा मलबा, टला बड़ा हादसा

गनीमत यह रही कि दीवार गिरने के बाद भी मलबा आवासीय कमरों तक नहीं पहुँचा, जिससे दोनों परिवारों के बच्चे और महिलाएँ सुरक्षित बाहर निकल आए। वहीं, पानी के इसी तेज बहाव की चपेट में आने से पड़ोसी संदीप के मकान की दीवार में भी गहरी दरारें आ गईं, जिससे आसपास के घरों पर भी खतरे के बादल मंडराने लगे हैं।

पी आर पब्लिक विद्यालय प्रांगण में धूमधाम से मनाया गया श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व, रंगारंग कार्यक्रमों ने मोहा मन

मुजफ्फरनगर। पी.आर.पब्लिक पब्लिक स्कूल परिसर में शुक्रवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व अत्यंत भक्तिभाव, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को गेंदे के फूलों, रंग-बिरंगी झालरों और गुब्बारों से भव्य रूप से सजाया गया था।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य अनघ सिंघल एवं प्रबंधक अशोक सिंघल जी द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया गया। इसके पश्चात स्टोरी टेलिंग इंटर हाउस प्रतियोगिता में नोवा, सेज, अपेक्स और जील हाउस के कक्षा 1 से 4 तक के छोटे-छोटे बच्चों ने स्टोरी टेलिंग प्रतियोगिता में भाग लेते हुए श्री कृष्ण भगवान के जीवन से जुड़ी घटनाओं पर कहानी सुनाई। जिसने दर्शकों का दिल जीत लिया। कक्षा 5 से 12 तक इंटर हाउस भजन गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें चारों हाउस के बच्चों ने सामूहिक प्रस्तुति के साथ-साथ सोलो भजन प्रस्तुति दी। इस दौरान पूरा विद्यालय प्रांगण कृष्ण भक्ति के गीतों से गुंजायमान हो उठा। स्टोरी टेलिंग प्रतियोगिता में नोवा हाउस प्रथम स्थान ,जील हाउस द्वितीय स्थान, अपेक्स हाउस तृतीय स्थान पर रहा । भजन प्रतियोगिता में सेज हाउस प्रथम स्थान, जील हाउस द्वितीय स्थान और अपेक्स हाउस तृतीय स्थान पर रहा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण परिसर में आयोजित पारंपरिक 'मटकी फोड़ प्रतियोगिता' रही। वरिष्ठ छात्रों की टोलियों ने मानव पिरामिड बनाकर हवा में लटकती मटकी को फोड़ा, जिससे पूरा प्रांगण 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से गूंज उठा।

प्रधानाचार्य जी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को श्री कृष्ण के उपदेशों और भगवद्गीता के निष्काम कर्म योग को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रबंधक जी ने सभी को कृष्ण जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दी। आज के कार्यक्रम का संचालन चेतना मल्हन और प्रियांशी ठाकुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफलता पूर्वक संचालन में दिव्या शर्मा, प्रवीण कुमार, शंकर शर्मा आदि का विशेष योगदान रहा।

शिकारपुर के ऐतिहासिक जागरण में उमड़ा जनसैलाब, भक्ति के रंग में रंगा पूरा गांव

सपा नेता डा. सत्येन्द्र पाल ने ज्योति प्रज्वलित कर किया शुभारंभ, भक्तिमय गीतों पर झूमे श्रद्धालु; भाईचारे, सौहार्द और एकता का दिया संदेश

मुजफ्फरनगर। बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम शिकारपुर में आयोजित भव्य एवं ऐतिहासिक जागरण में शुक्रवार को श्रद्धा और भक्ति का ऐसा संगम देखने को मिला कि पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। जागरण में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े और देर रात तक भक्ति गीतों एवं धार्मिक प्रस्तुतियों का आनंद लेते रहे। कार्यक्रम में वरिष्ठ सपा नेता डा. सत्येन्द्र पाल ने मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचकर ज्योति प्रज्वलित कर जागरण का विधिवत शुभारंभ किया। जागरण स्थल पर डा. सत्येन्द्र पाल के पहुंचने पर आयोजकों और ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों को जागरण की शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ से आयोजन की भव्यता का अंदाजा लगाया जा सकता था।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि डा. सत्येन्द्र पाल ने विधि-विधान से ज्योति प्रज्वलित कर की। इसके बाद धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू हुआ। जागरण स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

रंग-बिरंगी रोशनी और धार्मिक वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने माता के भजनों और भक्तिमय गीतों का आनंद लिया। जैसे-जैसे कार्यक्रम आगे बढ़ा, जागरण स्थल पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गई। भक्ति गीतों की मधुर धुनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। कलाकारों ने एक के बाद एक मनमोहक धार्मिक प्रस्तुतियां देकर माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डा. सत्येन्द्र पाल ने कहा कि धार्मिक और सामाजिक आयोजन हमारी संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने का काम करते हैं। ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के साथ लोगों के बीच आपसी मेलजोल को भी बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि समाज की मजबूती के लिए भाईचारे, सौहार्द और एकता की भावना को मजबूत करना बेहद जरूरी है। क्षेत्र के सभी लोगों को मिल-जुलकर एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनना चाहिए। उन्होंने जागरण के आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन सामाजिक एकता को मजबूती प्रदान करते हैं।

डा. सत्येन्द्र पाल ने जागरण में मां की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का माध्यम बनती है। ऐसे कार्यक्रमों में सभी वर्गों के लोगों की सहभागिता सामाजिक सौहार्द की मिसाल पेश करती है। उन्होंने क्षेत्रवासियों को जागरण की बधाई देते हुए आयोजन की सफलता की शुभकामनाएं भी दीं।

बड़ी संख्या में ग्रामीण और समर्थक रहे मौजूद

जागरण कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ डा. सत्येन्द्र पाल के समर्थक भी मौजूद रहे। उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकताओं की मौजूदगी से कार्यक्रम में राजनीतिक रंग भी दिखाई दिया। समर्थकों ने डा. सत्येन्द्र पाल का स्वागत किया और उनके साथ काफी समय तक कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के जिला सचिव अनेश निर्वाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष छात्र सभा साहिब अंसारी, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश बालियान, रविन्द्र प्रधान, रविंद्र पाल जोगी सहित बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र की टीम और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जागरण में पहुंचे कलाकारों ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों की धुन पर श्रद्धालु देर रात तक भक्ति में डूबे रहे। जागरण स्थल पर जयकारों और धार्मिक गीतों की गूंज से पूरा वातावरण आध्यात्मिक नजर आया। आयोजकों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की

जी.डी. गोयनका पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में विशेष आयोजन

मुजफ्फरनगर। जी. डी. गोयनका पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में आज विशेष सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने राधा-कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा में नृत्य एवं भजनों की सुंदर प्रस्तुतियाँ देकर विद्यालय परिसर को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम में श्रीकृष्ण जन्म की कथा का नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत किया गया, जिसमें कारागार का दृश्य तथा देवकी-वसुदेव और श्रीकृष्ण के जन्म से जुड़े प्रसंगों को प्रभावशाली ढंग से जीवंत किया गया। विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण से संबंधित प्रेरक कथाओं का श्रवण किया और उनके जीवन से जुड़े रोचक प्रश्नोत्तरी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न कक्षाओं में जन्माष्टमी से संबंधित रचनात्मक गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. स्वाति शर्मा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें विपरीत परिस्थितियों में भी विवेक और धैर्य के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके जीवन-दर्शन से प्रेरणा लेकर अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

उप-प्रधानाचार्या श्रीमती अंजली आनंद ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ हुआ। विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने जन्माष्टमी आयोजन को प्रभावशाली रूप प्रदान किया।

शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह: 170 से अधिक शिक्षक होंगे सम्मानित

डीएवी व एसडी इंटर कॉलेज में समारोह की तैयारियां पूरी

मुजफ्फरनगर। जनपद में शनिवार को शिक्षक दिवस का पावन पर्व अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले में शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने, नवाचार अपनाने और नामांकन वृद्धि में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 170 से अधिक शिक्षकों को भव्य समारोह में सम्मानित किया जाएगा। बेसिक शिक्षा विभाग और माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से इसके लिए अलग-अलग परिसरों में जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किए जा रहे हैं।

बेसिक शिक्षा विभागः डीएवी कॉलेज में 100 शिक्षक होंगे सम्मानित

बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से मुख्य सम्मान समारोह शहर के डीएवी पीजी कॉलेज परिसर में आयोजित होगा। बीएसए संदीप कुमार ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम को ऐतिहासिक और व्यवस्थित बनाने के लिए विभाग की ओर से सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं।

सम्मानित होने वाले शिक्षकः परिषदीय विद्यालयों में बेहतर पठन-पाठन, नवाचार और छात्र नामांकन बढ़ाने में सराहनीय भूमिका निभाने वाले 100 उत्कृष्ट शिक्षक-शिक्षिकाओं को विशेष रूप से

सम्मानित किया जाएगा।

विशेष सम्मानः बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार ने बताया कि विभाग की ओर से तीन राज्य संसाधन समूह सदस्य–विनित कुमार, ऊषा चौहान और रश्मि मिश्रा–के साथ-साथ 10 अकादमिक रिसोर्स पर्सन को भी उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मंच से सम्मानित किया जाएगा।

माध्यमिक शिक्षा विभागः एसडी इंटर कॉलेज सभागार में सजेगा मंच

दूसरी ओर, माध्यमिक शिक्षा विभाग का जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह एसडी इंटर कॉलेज के सभागार में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में जिले के विभिन्न माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से चयनित 70 श्रेष्ठ शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ शिक्षा जगत से जुड़ी कई गणमान्य हस्तियाँ अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगी। दोनों ही विभागों के कार्यक्रमों को लेकर शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी रहेंगे मौजूद

इन जिला स्तरीय समारोहों में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल और भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी सहित क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन के उच्च अधिकारी भी दोनों कार्यक्रमों में मौजूद रहकर सम्मानित होने वाले शिक्षकों का उत्साहवर्धन करेंगे।

नन्द के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की से गूंजा मुजफ्फरनगर, आस्था के रंग में डूबा शहर

जन्माष्टमी पर मंदिरों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से सजे देवालयों ने मोहा मन; घर-घर सजी कान्हा की झांकियां

मुजफ्फरनगर। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पावन पर्व श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सोमवार को पूरे जनपद में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। ह्यनन्द के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीह्न और ह्यहाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल कीह्न के जयघोष से शहर के प्रमुख मंदिर देर रात तक गूंजते रहे। सुबह से व्रत और पूजा-अर्चना में लीन श्रद्धालुओं का उत्साह शाम होते-होते चरम पर पहुंच गया। शहर के मंदिरों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का ऐसा सैलाब उमड़ा कि देवालयों के आसपास देर रात तक भक्तिमय वातावरण बना रहा। भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण की प्रतीक्षा में श्रद्धालुओं ने दिनभर व्रत रखा और घरों में पूजा-अर्चना की। शाम ढलते ही परिवारों ने मंदिरों का रुख किया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर कोई कान्हा के दर्शन के लिए उत्साहित नजर आया। मंदिरों में विशेष पूजा, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से जगमगाए मंदिर

जन्माष्टमी को लेकर शहर के प्रमुख मंदिरों को कई दिन पहले से ही सजाने का कार्य शुरू कर दिया गया था। सोमवार को मंदिरों की भव्य सजावट श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी रही। रंग-बिरंगी झालरों, फूलों और आकर्षक विद्युत रोशनी से सजे देवालय रात के समय देखते ही बन रहे थे। बालाजी धाम, गणपति धाम, लक्ष्मी नारायण मंदिर, वैष्णो देवी मंदिर, संकीर्तन भवन नई मंडी और नदी घाट स्थित प्राचीन देवी मंदिर में विशेष सजावट की गई। मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण के जन्म से जुड़ी मनमोहक झांकियां भी सजाई गईं, जिन्हें देखने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

कान्हा को पहनाई गई मनमोहक पोशाक, पालने में झुलाया

बिन्दल बाजार स्थित माता वाला मंदिर, अंसारी रोड के बोहरो वाला मंदिर, लोहिया बाजार और सराफा बाजार के संतोषी माता मंदिर, इसके अलावा अबुपुरा के दुर्गा मंदिर और गांधी नगर स्थित श्यामा-श्याम मंदिर में भी जन्माष्टमी को लेकर विशेष तैयारियां की गई थीं। मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण और लड्डू गोपाल को आकर्षक एवं मनमोहक पोशाकों से सजाया गया। मुकुट, मोरपंख, आभूषण और फूलों से सजे बाल स्वरूप कान्हा की छवि श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करती रही। भक्तों ने भगवान को पालने में विराजमान कर श्रद्धापूर्वक झुलाया और सुख-समृद्धि की कामना की।

घर-घर सजीं कान्हा की झांकियां

जन्माष्टमी का उत्साह केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रहा। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में लोगों ने अपने घरों में भी भगवान श्रीकृष्ण की सुंदर झांकियां सजाईं। कहीं नंद भवन का दृश्य तैयार किया गया तो कहीं भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को माखन की मटकी के साथ सजाया गया।

बच्चों में भी जन्माष्टमी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। कई परिवारों ने अपने बच्चों को कृष्ण और राधा के रूप में सजाया। छोटे-छोटे कान्हा और राधा

के रूप में सजे बच्चे आकर्षण का केंद्र बने रहे।

आधी रात को हुआ कान्हा का जन्म

रात बढ़ने के साथ ही श्रद्धालुओं की निगाहें घड़ी की सुइयों पर टिक गईं। जैसे ही मध्यरात्रि का समय हुआ, मंदिरों में घंटों और शंखों की ध्वनि गूंज उठी। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का जयघोष करते हुए एक-दूसरे को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। ह्यनन्द के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल कीह्न के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। भगवान के जन्म के बाद आरती की गई और प्रसाद का वितरण किया गया। श्रद्धालुओं ने लड्डू गोपाल का पूजन कर उन्हें पालने में झुलाया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

व्रत रखकर दिनभर जन्म का इंतजार करते रहे श्रद्धालु

जन्माष्टमी को लेकर श्रद्धालुओं में सुबह से ही उत्साह दिखाई दिया। बड़ी संख्या में लोगों ने व्रत रखा। घरों में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा के लिए विशेष तैयारियां की गईं। फलाहार और व्रत से संबंधित सामग्री की भी लोगों ने खरीदारी की। महिलाओं ने घरों में विशेष पूजा की तैयारी की, जबकि बच्चों ने झांकियों और सजावट में उत्साहपूर्वक भाग लिया। शाम के समय मंदिरों में भजन-कीर्तन और धार्मिक गीतों से वातावरण आध्यात्मिक हो गया।

पर्व को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन की ओर से भी विशेष व्यवस्थाएं की गईं। प्रमुख मंदिरों और उनके आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया गया। मंदिरों तक पहुंचने वाले रास्तों की सफाई कराई गई और श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखा गया। प्रमुख मंदिरों के आसपास भीड़ को देखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं, ताकि दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

सुरक्षा को लेकर पुलिस-प्रशासन रहा अलर्ट

जन्माष्टमी के अवसर पर उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए पुलिस-प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर प्रमुख मंदिरों, मुख्य चौराहों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिसकर्मियों ने मंदिरों के बाहर लगातार निगरानी रखी और भीड़ को व्यवस्थित करने के साथ यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने का प्रयास किया। संवेदनशील स्थानों पर भी पुलिस की विशेष निगरानी रही।

चप्पे-चप्पे पर रही पुलिस की नजर

शाम से ही शहर के प्रमुख मार्गों और मंदिरों के आसपास पुलिस की सक्रियता बढ़ गई थी। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिसकर्मी लगातार गश्त करते रहे और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई। पुलिस की सक्रियता के चलते श्रद्धालु देर रात तक बेखौफ होकर मंदिरों में दर्शन और पूजा-अर्चना करते रहे। किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली और पूरे जनपद में जन्माष्टमी का पर्व शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ।

देर रात तक मंदिरों में बनी रही रौनक

भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद भी मंदिरों में श्रद्धालुओं का आना-जाना जारी रहा। आरती और प्रसाद वितरण के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन किए। देर रात तक मंदिरों के बाहर रौनक बनी रही। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी ने एक बार फिर शहर के धार्मिक और सांस्कृतिक वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंदिरों की भव्य सजावट, झांकियां, भजन-कीर्तन, जयकारे और कान्हा के जन्म की खुशियों ने पूरे मुजफ्फरनगर को जैसे ब्रज की भक्ति और कृष्णमय रंग में रंग दिया।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक: ◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222

e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन

मुजफ्फरनगर समाचार

शनिवार 05 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

16 वर्षीय किशोरी लापता: सहेली और दिल्ली के युवक पर ले जाने का आरोप

एसएसपी के आदेश के बाद पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, मां ने बेटी की बरामदगी के लिए लगाई गुहार

मुजफ्फरनगर। थाना खालापार क्षेत्र के खादरवाला इलाके से एक 16 वर्षीय नाबालिग किशोरी के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। आरोप है कि किशोरी को उसकी सहेली घर से बुलाकर ले गई, जिसके बाद दिल्ली निवासी एक युवक उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। पीड़िता की मां ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से न्याय और बेटी की सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई थी, जिसके बाद खालापार पुलिस ने केस दर्ज कर किशोरी की तलाश तेज कर दी है।

सहेली घर से बुलाकर साथ ले गई

पुलिस को दी गई शिकायत में खादरवाला निवासी पीड़िता की मां ने बताया कि बीते एक सितंबर 2026 को दोपहर करीब 2 बजे सुजडू (थाना खालापार) निवासी उसकी बेटी की सहेली घर आई और किशोरी को अपने साथ बुलाकर ले गई। आरोप है कि इसके बाद दिल्ली निवासी अमित नामक युवक नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर अज्ञात स्थान पर ले गया। नाबालिग बेटी के अचानक गायब होने और मोबाइल स्विच ऑफ आने से परिजनों में किसी अनहोनी की आशंका बनी हुई है। पीड़िता की मां ने पुलिस को दो मोबाइल नंबर भी उपलब्ध कराए हैं।

एसएसपी के निर्देश पर दर्ज हुई एफआईआर

मामले की गंभीरता और पीड़िता की गुहार को देखते हुए एसएसपी के आदेश पर थाना खालापार पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दिए गए मोबाइल नंबरों को सर्विलांस पर ले लिया गया है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। किशोरी की जल्द से जल्द व सकुशल बरामदगी पुलिस की पहली प्राथमिकता है।

मोरना क्षेत्र में विद्युत पोल से टकराई बाइक: युवक की दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम

रहकड़ा पुलिया के पास हुआ मखियाली निवासी युवक के साथ हादसा

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा-मुजफ्फरनगर मार्ग पर रहकड़ा पुलिया के समीप एक दिल दहला देने वाले सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की जान चली गई। किसी अज्ञात वाहन से बचने के चक्कर में अनियंत्रित हुई बाइक सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सुबह गश्त के दौरान पुलिस ने शव को देखकर परिजनों को सूचना दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

वाहन से बचने के प्रयास में बेकाबू हुई बाइक

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नई मंडी थाना क्षेत्र के ग्राम मखियाली का निवासी 24 वर्षीय दिनेश कुमार पुत्र शेर सिंह पेशे से नाई का काम करता था। वह गुरुवार को अपनी बाइक पर सवार होकर भोपा थाना क्षेत्र के गांव रहकड़ा की ओर आ रहा था। जैसे ही वह रहकड़ा पुलिया के पास स्थित 'देव फॉर्म्स' के सामने पहुँचा, तभी सामने से आ रहे एक वाहन से बचने के प्रयास में उसकी बाइक पर से नियंत्रण छूट गया।

बेकाबू हुई बाइक सीधे सड़क किनारे खड़े 33 केवी विद्युत पोल से जा टकराई।

सिर में गंभीर चोट आने से मौके पर तोड़ा दम

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और दिनेश के सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। रात के अंधेरे में हादसा होने के कारण किसी को तुरंत इसकी जानकारी नहीं मिल सकी। शुक्रवार की अलसुबह भोपा-मुजफ्फरनगर मार्ग पर नियमित गश्त कर रही भोपा पुलिस की नजर सड़क किनारे विद्युत पोल के पास पड़े युवक और उसकी क्षतिग्रस्त बाइक पर पड़ी। पुलिस ने तुरंत एम्बुलेंस बुलाकर युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) भोपा पहुँचाया।

अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक जाँच के बाद ही दिनेश को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक के कागजात और हुलिए के आधार पर मृतक की शिनाख्त कर उसके परिजनों को घटना की सूचना दी।

अस्पताल पहुँचे परिजनों में मचा कोहराम

हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजन बदहवास हालत में सीएचसी भोपा पहुँचे और शव की पहचान दिनेश के रूप में की। युवक की असमय मृत्यु की खबर से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मृतक के पिता शेर सिंह, माता सुनीता तथा भाई अरुण, सागर और गौरव का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव मखियाली में भी इस दर्दनाक हादसे से शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे अंत्यपरीक्षण (पोस्टमार्टम) के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है और मामले की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

बुढ़ाना के अलीपुर अटेरना में पेड़ से लटका मिला शव: परिजनों में मचा कोहराम, पिता ने जताई हत्या की आशंका

बुढ़ाना में श्मशान घाट के पास पेड़ से लटका मिला युवक का शव: नशे का आदी था युवक

बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के गांव अलीपुर अटेरना के जंगल में शुक्रवार को एक 22 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को नीचे उतारकर पंचनामा भरा और अंत्यपरीक्षण (पोस्टमार्टम) के लिए भेज दिया है। जहाँ एक ओर मामले को घरेलू क्लेश और नशे की लत से जोड़कर देखा जा रहा है, वहीं मृतक के पिता ने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को तहरीर दी है।

गमछे से लगा था गले में फंदा

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव अलीपुर अटेरना निवासी नितिन कश्यप (22 वर्ष) पुत्र ईश्वर का शव शुक्रवार को गांव के पास स्थित श्मशान घाट के जंगल में पेड़ से लटका हुआ मिला। राहगीरों ने जब शव देखा तो गांव में खबर आग की तरह फैल गई। युवक अपने ही गमछे से पेड़ की टहनी पर लटका हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही परिजन रोते-बिलखते मौके पर पहुँचे और मृतक की शिनाख्त

नितिन के रूप में की।

नशे का आदी था युवक, घरेलू क्लेश की भी आशंका

घटना की जानकारी मिलते ही चौकी इंचार्ज छविकान्त पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे और स्थिति को संभाला। चौकी इंचार्ज छविकान्त ने बताया कि प्राथमिक जाँच में सामने आया है कि मृतक युवक नशे का आदी था। ग्रामीणों में चर्चा है कि उसने घरेलू कलह या मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या जैसा आत्मघाती कदम उठाया हो सकता है। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है।

पिता ने जताई हत्या की आशंका

दूसरी ओर, मृतक के पिता ईश्वर ने बेटे द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात को नकारते हुए हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त की है। पिता ने मामले में निष्पक्ष जाँच की मांग करते हुए पुलिस को लिखित तहरीर सौंपी है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी पुलिस

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पिता की तहरीर के आधार पर सभी पहलुओं की गहराई से जाँच की जा रही है। मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा, जिसके आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सीएमओ कार्यालय में मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी: भक्ति के रंग में रंगे स्वास्थ्य कर्मी

सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया ने पत्नी संग की विधिवत पूजा-अर्चना;

मुजफ्फरनगर। योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के पावन अवतरण पर्व जन्माष्टमी के अवसर पर मुजफ्फरनगर स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय में भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सीएमओ परिसर में विशेष पूजा-अर्चना कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समस्त मानव जाति के कल्याण, सुख-समृद्धि और शांति की कामना की गई। पूजा के दौरान पूरा कार्यालय परिसर जय श्री कृष्णा के जयकारों और भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा।

डॉ. सुनील तेवतिया ने सर्वकल्याण की प्रार्थना की

इस पावन अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना कर समाज के हर वर्ग की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें सत्य, निष्काम कर्म, प्रेम और कर्तव्यपथ पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। श्रीमद्भगवद्गीता में उनके द्वारा दिया गया संदेश आज के दौर में भी मानव समाज के लिए उतना ही प्रासंगिक और मार्गदर्शक है।

धर्मपत्नी संग पूजा-अर्चना में हुए शामिल

जन्माष्टमी के इस विशेष कार्यक्रम में सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया की धर्मपत्नी ने भी शामिल होकर भगवान श्रीकृष्ण की आरती उतारी और पूजा में सहभागिता की। उन्होंने परिवार, समाज और जिलेवासियों के लिए आरोग्य, सुख-शांति और समृद्धि की मंगलकामना की।

समाज में प्रेम और सद्भाव का दिया संदेश

कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों ने भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन और कार्यशैली में अपनाने का संकल्प लिया। सीएमओ ने कहा कि जन्माष्टमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि समाज में आपसी सौहार्द, करुणा और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। पूरे पूजा कार्यक्रम के दौरान सीएमओ कार्यालय का माहौल पूरी तरह से आध्यात्मिक और उल्लासपूर्ण बना रहा।

विष्णु लोक में सीएमओ का भव्य अभिनंदन

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सिविल लाइन थाने के सामने स्थित भारत प्रसिद्ध धार्मिक संस्थान विष्णु लोक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर विष्णु लोक के संचालक पंडित विनय शर्मा ने सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया को पटका पहनाकर एवं रुद्राक्ष माला पहनाकर सम्मानित किया और उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ ब्राह्मण नेता पंडित उमादत शर्मा, पंडित ब्रह्मप्रकाश शर्मा एवं सतीश कौशिक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत: पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

विश्वकर्मा चौक के पास बैक करते समय हुआ हादसा, ड्यूटी से घर लौट रहा था युवक

मुजफ्फरनगर। यहां भोपा रोड पर ड्यूटी से लौट रहे एक बाइक सवार युवक की आईसर डंपर की टक्कर से दर्दनाक मौत हो गई। आरोप है कि विश्वकर्मा चौक से पहले नाले के पास आईसर डंपर के चालक ने लापरवाही से वाहन को पीछे (बैक) किया, तो युवक उसकी चपेट में आ गया, जिसे असप्ताल में मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ड्यूटी कर शांतिनगर स्थित घर लौट रहा था सौरभ

पुलिस को दी गई तहरीर में शांतिनगर निवासी सुभाष चन्द्र शर्मा ने बताया कि उनका बेटा सौरभ शर्मा अपनी बाइक (UP12 BL0238) से ड्यूटी खत्म करके घर लौट रहा था। वह टिकैत चौक की दिशा से अपने घर शांतिनगर की ओर आ रहा था, तभी विश्वकर्मा चौक से पहले नाले के पास यह दर्दनाक हादसा हो गया।

डंपर को तेजी से बैक करते समय हुई टक्कर

तहरीर के अनुसार, सामने से आए आईसर डंपर (UP12 DT2939) का चालक अपने वाहन को काफी तेजी और लापरवाही से पीछे की ओर हटा रहा था। इसी दौरान सौरभ की बाइक डंपर की चपेट में आ गई और डंपर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि सौरभ बाइक समेत सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गया। हादसे के तुरंत बाद घायल सौरभ को आनन-फानन में जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जवान बेटे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। अंतिम संस्कार की प्रक्रियाओं के चलते पीड़ित पिता तत्काल थाने नहीं पहुंच सके थे, जिसके बाद उन्होंने नई मंडी पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज पिता की तहरीर के आधार पर थाना नई मंडी पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर चालक की तलाश और मामले की जांच शुरू कर दी है।

महिला पर जानलेवा हमला: सिर फटने से हालत गंभीर, एफआईआर दर्ज भैंस चराते समय पुरानी रंजिश में दो सगी बहनों ने किया हमला, दोनो फरार

मुजफ्फरनगर। थाना खालापार क्षेत्र के किदवईनगर में पुरानी कहासुनी के विवाद में दो सगी बहनों ने एक महिला के सिर पर डंडे से हमला कर दिया। सिर फटने से ह लहूलुहान होकर गिर पड़ी। आरोपी बहनें मौके से फरार हो गईं, जबकि घायल महिला का जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

भैंस चराते समय हुई वारदात

पुलिस को दी गई तहरीर में किदवईनगर निवासी इनाम पुत्र मीर हसन ने बताया कि उसकी पत्नी मरियम तबलशा रोड पर स्थित विक्टर फैक्ट्री के सामने अपनी भैंसें चरा रही थी। उसी दौरान मोहल्ले की ही रहने वाली दो बहनें मुस्कान और रुपा उर्फ गुलफसा पुत्रीगण अलीशेर वहां आ धमकीं। पुरानी बातों को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ते ही दोनों बहनों ने खेत में पड़े लकड़ी के भारी डंडे से मरियम पर जान से

मारने की नीयत से सिर पर हमला कर दिया।

शोर-शराबा सुनकर जब पास के खेतों में काम कर रहे लोग घटनास्थल पर पहुंचे तो दोनों आरोपी बहनें मौके से भाग निकलीं। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल मरियम को तुरंत सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया।

खालापार पुलिस ने दर्ज किया केस

घायल महिला के पति इनाम की तहरीर पर थाना खालापार पुलिस ने आरोपी मुस्कान और रुपा उर्फ गुलफसा के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट और गवाहों के बयानों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और फरार बहनों की तलाश जारी है।

शुक्रताल सोलर प्लांट तार चोरी कांड का खुलासा: पुलिस ने पकडा चोर, 300 मीटर तार बरामद

शुक्रताल में 33 केवी सोलर लाइन से हुआ था लाखों का तार चोरी

मोरना (मुजफ्फरनगर)। तीर्थनगरी शुक्रताल में धानिया इंटरप्राइजेज द्वारा सोलर प्लांट के लिए बिछाई गई 33 केवी की विद्युत लाइन से लाखों रुपये का तार चोरी करने के मामले का भोपा पुलिस ने सफल अनावरण कर दिया है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके पास से चोरी किया गया तार भी बरामद कर लिया है। पकड़े गए आरोपी को वैधानिक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया है।

तीन खंभों से गायब मिला 300 मीटर तार

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तीर्थनगरी

शुक्रताल में धानिया इंटरप्राइजेज कंपनी द्वारा सोलर प्लांट को संचालित करने के लिए 33 केवी की हाई-टेंशन लाइन डालने का कार्य किया गया था। लाइन का निर्माण कार्य पूरी तरह संपन्न हो चुका था। कंपनी के एसडीओ शिवम ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया था कि बीते 23 अगस्त 2026 को जब कंपनी की तकनीकी टीम लाइन की अंतिम जाँच करने मौके पर पहुँची, तो उनके होश उड़ गए। मौके पर तीन खंभों के बीच बिछा करीब 300 मीटर लंबा विद्युत तार गायब था। किसी अज्ञात चोर ने पूरी योजनाबद्ध तरीके से लाइन को काटकर तार पार कर दिया था। घटना के बाद पीड़ित एसडीओ की तहरीर पर भोपा थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी थी।

बिहारगढ़ रोड से दबोचा आरोपी

घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने चोर की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया। इसी क्रम में शुक्रताल चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक विवेक चौधरी की अगुवाई में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना और सघन गश्त के दौरान बिहारगढ़ रोड से एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से सोलर प्लांट की 33 केवी लाइन से काटा गया चोरी का विद्युत तार बरामद हुआ। कड़ाई से की गई पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

गढ़ी मुझेड़ा का निवासी है गिरफ्तार आरोपी

थाना प्रभारी आशुतोष कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान असगर पुत्र इकबाल, निवासी ग्राम गढ़ी मुझेड़ा, थाना मीरापुर (मुजफ्फरनगर) के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में अग्रिम कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए पुलिस ने उसे माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है।

मलूक नागर के बयान पर सपा में उबाल: सपा प्रदेशाध्यक्ष श्यामलाल पाल के अपमान के विरोध में फूंका नागर का पोस्टर

विनय प्रमुख ने रालोद सुप्रीमो जयंत चौधरी की चुप्पी पर उठाए सवाल, माफी की मांग

मुजफ्फरनगर। पूर्व सांसद मलूक नागर द्वारा सहारनपुर में आयोजित राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) की जनसभा में समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल पर की गई कथित विवादित टिप्पणी को लेकर सपा में तीखा आक्रोश फैल गया है। शुक्रवार को जनकपुरी में आयोजित एक अहम बैठक के बाद आक्रोशित नेताओं व समाज के लोगों ने अहिल्याबाई चौक पर मलूक नागर के पोस्टर फूंककर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान मलूक नागर और रालोद नेतृत्व से तुरंत सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है।

अहिल्याबाई चौक पर नारेबाजी और पोस्टर दहन

बैठक संपन्न होने के बाद आक्रोशित सपा कार्यकर्ता और समाज के लोग जुलूस के रूप में अहिल्याबाई चौक पहुँचे। यहाँ सपा नेता डॉ. सतेंद्र पाल के नेतृत्व में मलूक नागर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और उनके पोस्टर को आग के हवाले कर दिया गया। प्रदर्शन के दौरान अहिल्याबाई चौक पर सुरक्षा व्यवस्था के बीच बड़ी संख्या में सामाजिक प्रतिनिधि और सपा पदाधिकारी मौजूद रहे। विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से दर्शन सिंह धनगर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुरेश पाल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष दीप्ति पाल, वरिष्ठ सपा नेता डॉ. सतेंद्र पाल, यशपाल राणा, सुमित पाल, विवेक पाल, राहुल पाल, विशेष पाल, मोनू पाल, देव पाल, नीरज पाल, प्रिंस पाल और सावन सहित दर्जनों कार्यकर्ता एवं समाज के लोग उपस्थित रहे।

मलूक नागर की मानसिक दिवालियापन की सोच

सपा प्रदेश सचिव विनय पाल ने आरोप

लगाया कि सहारनपुर की जनसभा में संबोधन के दौरान मलूक नागर ने सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के खिलाफ 'दो कौड़ी का' और 'नौसिखिया' जैसे बेहद ही घटिया शब्दों का प्रयोग किया। विनय पाल ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में एक उच्च संवैधानिक पद का दायित्व संभाल रहे वरिष्ठ नेता के लिए इस तरह की भाषा का प्रयोग मलूक नागर की सनकी और मानसिक दिवालियापन की सोच को दशार्ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मलूक नागर पिछड़े और अति-पिछड़े वर्गों के नेताओं की बढ़ती राजनीतिक ताकत से चिढ़ते हैं और उनके मन में पाल समाज के प्रति नफरत भरी है।

जयंत चौधरी और रालोद नेतृत्व पर सवाल

सपा नेता ने रालोद सुप्रीमो जयंत चौधरी सहित मंच पर मौजूद वरिष्ठ नेताओं की खामोशी पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी और रालोद के बड़े नेताओं की मौजूदगी में अगर किसी समाज के शीर्ष नेता का अपमान किया जा रहा था, तो किसी ने मलूक नागर को क्यों नहीं रोका? विनय पाल ने पूछा कि किसानों और अति-पिछड़ों के नाम पर राजनीति करने वाली रालोद क्या अपने मंच से ऐसी अमर्यादित भाषा का समर्थन करती है?

माफी न मांगने पर आंदोलन की चेतावनी

विनय पाल ने मलूक नागर और राष्ट्रीय लोकदल से इस पूरे प्रकरण पर अपनी स्थिति साफ करने और तत्काल प्रभाव से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि अपने बयान पर स्पष्टीकरण देकर माफी नहीं मांगी गई तो समाज सड़क पर उतरकर विरोध करने को मजबूर होगा। सपा नेता की इस तीखी प्रतिक्रिया के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश के राजनीतिक हलकों में जुबानी जंग और तेज होने के आसार हैं।

संपादकीय

भ्रष्टाचार की दीमक- सरकारी दावों के बीच 70 हजार से ज्यादा शिकायतें

भ्रष्टाचार की समस्या केवल कुछ सरकारी कार्यालयों तक सीमित नहीं है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, विनिर्माण, राजस्व, खनन और व्यापार जैसे अनेक क्षेत्रों में इसके अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। किसी भी लोकतांत्रिक और विकासशील देश के लिए भ्रष्टाचार एक गंभीर चुनौती है। जब सार्वजनिक पद और संस्थाओं का उपयोग निजी लाभ के लिए होता है, तो वह व्यवस्था को पंगु बना देता है। भ्रष्टाचार के कई रूप हैं, जिनमें घूसखोरी, धन की हेराफेरी, सरकारी कार्यों में अनियमितता, भाई-भतीजावाद और चंद लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों में बदलाव भी शामिल हैं। देश ने आर्थिक और तकनीकी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन भ्रष्टाचार आज भी विकास की राह में बड़ी बाधा बना हुआ है। केंद्रीय सतर्कता आयोग की वर्ष 2025 की रिपोर्ट भी इसकी तस्दीक करती है।इसके मुताबिक, पिछले साल आयोग को सरकारी संस्थाओं के खिलाफ भ्रष्टाचार की 70 हजार से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें सबसे ज्यादा शिकायतें बैंक और रेलवे से जुड़ी थीं। ये आंकड़े सरकार के उन दावों की हकीकत बयान करते हैं, जिनमें कहा जाता है कि भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर अमल किया जा रहा है। ऐसे में सवाल सिर्फ विकास के बाधित होने या सरकारी धन के दुरुपयोग का ही नहीं है, बल्कि सरकार पर जनता के भरोसे को लेकर बढ़ते संकट का भी है।भ्रष्टाचार की समस्या केवल कुछ सरकारी कार्यालयों तक सीमित नहीं है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, विनिर्माण, राजस्व, खनन और व्यापार जैसे अनेक क्षेत्रों में इसके अलग-अलग रूप दिखाई देते हैं। इस कारण आम नागरिक को कई बार अपने जरूरी कार्यों के लिए भी अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हालांकि, सरकारी सेवाओं को डिजिटल और सरल बनाने पर जोर दिया जा रहा है, मगर ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव आज भी साफ नजर आता है और यही भ्रष्टाचार के खात्मे में सबसे बड़ी रुकावट है। केंद्रीय सतर्कता आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल देश के विभिन्न बैंकों में भ्रष्टाचार से जुड़ी सबसे अधिक 9,933 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 9,520 शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है। इसी तरह रेलवे से संबंधित 9,381 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 8,754 शिकायतों का निपटारा किया गया। तीसरे स्थान पर आवास और शहरी मामलों का विभाग है, जिसकी 6,531 शिकायतें आयोग के पास दर्ज हुईं। ये तीनों सरकारी महकमे ऐसे हैं, जिनसे आम लोगों का सबसे ज्यादा सरोकार रहता है।भ्रष्टाचार की दीमक किस तरह फैल रही है, यह अब कोई छिपी बात नहीं है। व्यक्तिगत स्तर पर ईमानदारी और नैतिक मूल्यों में गिरावट तथा प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जटिलता, कमजोर निगरानी और दोषियों को समय पर सजा न मिलने से भी भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया।

मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा- भारतीय चिंतन की सार्थक प्रस्तुति

(ललित गर्ग)

मोहन भागवत ने अमेरिका में भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं, शक्ति बताया। उनके अनुसार विविधता और एकता भारत के स्वभाव में ही अंतर्निहित हैं। भारत में भाषा, जाति, पंथ, पूजा-पद्धति और परंपराओं की असंख्य धाराएं हैं, फिर भी इन्हें एक साझा सभ्यतागत चेतना जोड़ती रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया। यह यात्रा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और उसके विचार अब भारत की सीमाओं से बाहर भी व्यापक चर्चा का विषय बन रहे हैं। भागवत का अमेरिका जाना वस्तुतः संघ के विचार को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समझाने का अवसर बना। संघ के बारे में भारत में लंबे समय से दो विपरीत धारणाएं दिखाई देती रही हैं। एक पक्ष उसे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभावना, सेवा और सामाजिक संगठन की विराट शक्ति मानता है, जबकि दूसरा पक्ष उसके विचारों को संकीर्ण धार्मिक राजनीति से जोड़कर देखता है। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने समय-समय पर संघ और उसके विचारों पर गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाए हैं। अमेरिका में भी कार्यक्रम से पहले कुछ संगठनों और राजनीतिक व्यक्तियों ने भागवत की यात्रा और संघ की विचारधारा पर आपत्तियां व्यक्त कीं। ऐसे माहौल में किसी संस्था की वास्तविक छवि केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं बनती, वह संवाद से बनती है। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा महत्व है। भागवत ने अपने विचार विरोधियों पर आक्रमण करके नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन की व्याख्या करके सामने रखे। इससे संघ को लेकर बनी धारणाओं पर बहस का एक नया आधार तैयार हुआ।

न्यूयार्क में भागवत के वक्तव्य का सबसे अधिक चर्चित पक्ष उनका हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर स्पष्ट कथन रहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमानों के लिए स्थान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह सकता। यह कथन राजनीतिक नारे से अधिक महत्वपूर्ण इसलिए है कि इसमें हिंदुत्व की उनकी व्याख्या को सामाजिक समावेश के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सत्य एक है और उसे समझने तथा व्यक्त करने के मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं। भारतीय परंपरा की यही विशेषता है कि वह मतभिन्नता को अस्तित्व के संकट के रूप में नहीं, बल्कि सत्य की विविध अभिव्यक्तियों के रूप में देखने की क्षमता रखती है। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है-यदि हिंदुत्व का अर्थ भारत की सांस्कृतिक चेतना है, तो क्या वह किसी समुदाय को भारत से बाहर कर सकता है? भागवत का उत्तर स्पष्ट रूप से नकारात्मक दिखाई देता है। उनका कथन हिंदुत्व की उस

व्याख्या को सामने रखता है, जिसमें भारतीयता किसी एक पूजा-पद्धति की बपौती नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक विरासत है।

भागवत ने अमेरिका में भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं, शक्ति बताया। उनके अनुसार विविधता और एकता भारत के स्वभाव में ही अंतर्निहित हैं। भारत में भाषा, जाति, पंथ, पूजा-पद्धति और परंपराओं की असंख्य धाराएं हैं, फिर भी इन्हें एक साझा सभ्यतागत चेतना जोड़ती रही है। यह संदेश आज के विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। अनेक देशों में धार्मिक पहचान, नस्लीय भेद, सांस्कृतिक असहमति और राजनीतिक ध्रुवीकरण सामाजिक तनाव बढ़ा रहे हैं। ऐसे समय भारत का अनुभव यह बताता है कि भिन्नताओं को मिटाना आवश्यक नहीं, उन्हें सम्मान देकर भी एकता स्थापित की जा सकती है। यही विचार भागवत के संबोधन को सामान्य राजनीतिक भाषण से ऊपर उठाता है। उनका आग्रह था कि विविधता को स्वीकार ही नहीं, सम्मान और संरक्षण भी मिलना चाहिए। संघ की सार्वजनिक छवि का एक बड़ा हिस्सा राजनीतिक विमर्श से निर्मित हुआ है, जबकि संघ स्वयं को सामाजिक संगठन और सेवा-आधारित सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। भागवत ने अमेरिका में भी सेवा, सामाजिक समरसता और संवाद को परिवर्तन का आधार बताया। यही वह बिंदु है जहां संघ की छवि को केवल चुनावी राजनीति के चश्मे से देखने की सीमा सामने आती है। किसी संगठन को समझने के लिए उसके राजनीतिक प्रभाव के साथ उसकी सामाजिक गतिविधियों, सेवा-कार्य, संगठनात्मक संस्कृति और वैचारिक आधार को भी देखना आवश्यक है। भागवत की यात्रा ने कम से कम इतना अवसर अवश्य दिया कि संघ को उसके अपने शब्दों और उसके सरसंघचालक की प्रत्यक्ष व्याख्या के आधार पर सुना जाए।

अमेरिका में बसे भारतीयों से भागवत ने एक संतुलित संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस देश में वे रह रहे हैं, वह उनकी कर्मभूमि है और वहां के प्रति उनकी निष्ठा तथा दायित्व सर्वोपरि हैं। साथ ही भारत उनकी जन्मभूमि है, जिससे उन्हें मानवीय मूल्यों और सांस्कृतिक संस्कारों की विरासत मिली है। यह दृष्टि प्रवासी भारतीयों के सामने पहचान के संघर्ष के बजाय पहचान के समन्वय का मार्ग रखती है। अपनी जड़ों से जुड़े रहना और जिस समाज में रह रहे हैं उसके प्रति पूर्ण निष्ठा रखना-दोनों एक साथ संभव हैं। यही भारतीय संस्कृति की उदारता है। यह भी तथ्य है कि भागवत के कार्यक्रम का अमेरिका में विरोध हुआ और संघ की विचारधारा को लेकर तीखी आलोचनाएं सामने आईं। लेकिन लोकतांत्रिक समाज में किसी विचार का उत्तर उसे दबाकर नहीं, उसके साथ संवाद करके दिया जाता है। इस दृष्टि से यह यात्रा संघ के लिए भी एक परीक्षा थी। भागवत ने विरोध का उत्तर आक्रामक भाषा में देने के बजाय एकात्मता, मानवता और सह-अस्तित्व की बात की। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। आलोचक उनके शब्दों और संघ के व्यवहार के बीच अंतर का प्रश्न उठा रहे हैं, समर्थक इसे संघ के मूल विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति मान रहे हैं। इस बहस का अंतिम निर्णय समय और व्यवहार करेगा, लेकिन इतना निश्चित है कि बहस अब अधिक प्रत्यक्ष और वैश्विक हो गई है। मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को संघ की छवि पर वर्षों से चले आ रहे विवाद का अंतिम उत्तर मानना अतिशयोक्ति होगी। किंतु इसे एक महत्वपूर्ण मोड़ अवश्य कहा जा सकता है। जिन लोगों ने संघ को केवल राजनीतिक आरोपों और विरोधी व्याख्याओं के माध्यम से जाना है, उन्हें पहली बार इतने बड़े वैश्विक मंच पर उसके शीर्ष नेतृत्व की विचार-दृष्टि को सीधे सुनने का अवसर मिला। यह यात्रा संघ के लिए एक उजाला इसलिए बनी है कि इसमें प्रतिरक्षा की भाषा कम और आत्मविश्वास की भाषा अधिक दिखाई दी। इसमें यह कहने का प्रयास था कि भारतीयता किसी के निषेध से नहीं, सबके सम्मान से मजबूत होती है, हिंदुत्व किसी समुदाय के बहिष्कार से नहीं, मानवता की एकात्म दृष्टि से सार्थक होता है और भारत की शक्ति उसकी समानता में नहीं, उसकी विविधताओं के बीच बनी रहने वाली सांस्कृतिक एकता में है। आज विश्व को केवल आर्थिक शक्ति, सैन्य शक्ति और तकनीकी प्रगति की आवश्यकता नहीं है। उसे ऐसा जीवन-दर्शन भी चाहिए जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ सके। भागवत के अमेरिकी संबोधन में भारत की इसी भूमिका की कल्पना दिखाई दी-एक ऐसा भारत जो अपनी परंपरा के बल पर विश्व को सह-अस्तित्व, संवाद और एकात्मता का रास्ता दिखा सके। मोहन भागवत की यह यात्रा इसलिए स्मरणीय रहेगी कि उसने संघ के बारे में चल रही बहस को भारत की सीमाओं से निकालकर विश्व के सार्वजनिक विमर्श में पहुंचा दिया। अब संघ की पहचान केवल उसके विरोधियों के आरोपों या समर्थकों के दावों से नहीं, बल्कि उसके विचार, उसके व्यवहार और समाज के साथ उसके संवाद से तय होगी। अंततः किसी विचारधारा की सबसे बड़ी शक्ति उसका प्रचार नहीं, उसका आचरण होता है। अमेरिका की धरती से भागवत ने जो संदेश दिया है, उसकी वास्तविक कसौटी भारत की धरती पर सामाजिक समरसता, सेवा, संवाद और सह-अस्तित्व के रूप में दिखाई देगी। यदि यह संदेश व्यवहार में उतरता है, तो यह केवल संघ की छवि को नहीं, भारत की वैश्विक सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को भी नई ऊंचाई दे सकता है।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेजी से बदल रही है भारत की तस्वीर

(प्रह्लाद सबनानी)

भारतीय युवा आज न केवल भारत में तेजी से यूनिकोन विकसित कर रहा है बल्कि आज भारतीय अन्य देशों में पहुंच कर अपने व्यापार का विस्तार भी कर रहे हैं, इसी कारण से आज प्रतिवर्ष भारत से लगभग 7 लाख नागरिक विभिन्न देशों में जाकर बस रहे हैं। श्री लक्ष्मी मित्तल ने ब्रिटेन में आरसेलोर स्टील कम्पनी खरीद ली है।

भारत के सबसे बड़े औद्योगिक घरानों, टाटा, बिरला, रिलायंस, अडानी, आदि को अपना व्यवसायिक साम्राज्य खड़ा करने में दशकों लग गए थे। इन समूहों को अपनी सम्पत्ति को 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक पहुंचाने में लगभग 30 वर्षों का समय लगा था परंतु आज के युवावर्ग द्वारा स्थापित की जा रही कम्पनियों को अपनी सम्पत्ति को 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंचाने में केवल 1 से 3 वर्ष का समय लग रहा है। भारत में समय बहुत तेजी से बदल रहा है और भारतीय युवा आज भारत की तस्वीर बदलने को उतावाले होते दिखाई दे रहे हैं। जून 2026 में एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स) का व्यवसाय करने वाली सर्वम कम्पनी ने अपनी स्थापना के केवल 3 वर्ष के अंदर ही 150 करोड़ (1.5 बिलियन) अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति खड़ी कर ली है। इसी प्रकार, आज जेप्टो एवं मेन्सा नामक ब्राण्ड कुछ ही महीनों में व्यवसाय के उस स्तर को प्राप्त कर लेते हैं, जिसे हासिल करने में पुरानी बड़ी कम्पनियों को कई दशक लग गए थे। आज के समय में टेक्नॉलोजी के क्षेत्र में स्थापित हो रही कम्पनियों की तुलना यदि इसी क्षेत्र में लगभग 20/25 वर्ष पूर्व स्थापित कम्पनियों से भी की जाय तो सम्पत्ति खड़ी करने के समय में बहुत अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। वर्ष 2000 में स्थापित कम्पनियों को यूनिकोन (100 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति बनाना) बनने में लगभग 20 वर्ष से अधिक का समय लग रहा था, वहीं वर्ष 2020 में स्थापित कम्पनियों को यूनिकोन बनने में केवल एक वर्ष का समय लग रहा है। वित्तीय क्षेत्र में स्थापित की गई कम्पनियों को यूनिकोन बनने में 30 वर्ष का समय लगा है। वहीं मेन्सा ब्राण्ड जैसी कम्पनी को यूनिकोन बनने में केवल 6 माह का समय लगा है। बाजार वही है, परंतु समय तेजी से बदल रहा है। इस परिवर्तन में भारतीय युवाओं की प्रमुख भूमिका रही है। आज भारत में व्यावसायिक घराने/खानदान एवं अमीर लोग कहीं पीछे छूट गए हैं एवं युवा पीढ़ी तेजी से बिलिनायर की सूची में अपनी जगह बना रही है।

पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में एक लाख से अधिक नए स्टार्ट-अप स्थापित हुए हैं। आज भारत ने अपने आप को, अमेरिका एवं चीन के बाद, दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्ट-अप इको सिस्टम में स्थापित कर लिया है। भारत में आज अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से उपभोक्ता उत्पादों को बढ़ावा देने वाले स्टार्ट अप बन रहे हैं। किराना उत्पादों से संबंधित ऐप अधिक संख्या में बनाए जा रहे हैं क्योंकि यूपीआई जैसा पेमेंट गेटवे पूर्व से ही उपलब्ध है और भुगतान प्रणाली को अलग से विकसित करने की आवश्यकता ही नहीं है। साथ ही, 140 करोड़ नागरिकों का बायोमेट्रिक डाटा पहिले से ही सत्यापित है और यह उपभोक्ता उत्पादों से सम्बंधित ऐप बनाने वाले इंजीनियरों को उपलब्ध भी है। भारत में डिजिटल लाकर में 750 करोड़ से अधिक दस्तावेज जमा हो चुके हैं। सस्ता इंटरनेट डाटा उपलब्ध है एवं 90 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। इन परिस्थितियों के बीच आज 20 वर्ष के युवा एंटरप्रेन्योर को व्यवसाय स्थापना के प्रथम दिवस से ही पूरा भारत उसके उत्पाद के बाजार के रूप में उपलब्ध है। उक्त कारकों के चलते ही वर्ष 2021 में भारत में 45 नए यूनिकोन विकसित हुए थे।

भारत के पास आज दुनिया के सबसे स्मार्ट एवं कुशल इंजीनीयर तो हैं परंतु हमारे पास अपने गूगल, अपना यू ट्यूब एवं अपना फेस बुक नहीं है। क्योंकि, भारत में उच्च स्तर का तकनीकी नवाचार नहीं हो पा रहा है जिससे उच्च तकनीकी के ऐप भारत में कम बन रहे हैं। हालांकि, विकसित देशों में जो भी उच्च स्तर के तकनीकी नवाचार हो रहे हैं इनमें भारतीय इंजिनीयरों की भी महती भूमिका रहती है। इसी कारण से भारतीय इंजीनियरों की विकसित देशों में भारी मांग है। भारतीय युवाओं को दिल्ली के जंतर मंतर पर आंदोलन करने के स्थान पर भारत में उच्च तकनीकी के नवाचार करने की ओर पूरा ध्यान देना चाहिए। अब तो विकसित देश भी यह मानने लगे हैं कि वर्तमान सदी केवल भारत की है। कई विकसित देशों सहित चीन में जनसंख्या वृद्धि दर अब ॠणात्मक हो चुकी है। साथ ही, इन देशों में वृद्ध नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। पूरे विश्व में आज भारत एक युवा देश के रूप में उभर रहा है। अतः भारतीय युवाओं से न केवल भारत में आर्थिक विकास को गति देने बल्कि विश्व के अन्य कई देशों में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अपेक्षा की जा रही है।

बाघ बचेंगे तो जंगल बचेंगे- संरक्षण के बावजूद क्यों बढ़ रही है उनके सामने चुनौती

दरअसल, मानव समाज के मन-मस्तिष्क में बाघों के प्रति उस प्रेम और संवेदना का सदा से अभाव रहा है, जिसके वे अधिकारी हैं। यही कारण है कि जो बाघ कभी बहुतायत में पाए जाते थे, आज वे दुनिया भर में कम होते जा रहे हैं। पिछली एक सदी में दुनिया भर से लाखों की संख्या में बाघ या तो शिकारियों द्वारा मारे जा चुके हैं या आपसी संघर्ष, बीमारी या किसी अन्य कारण से उनकी मौत हो गई। भारत समेत विभिन्न देशों की सरकारों, एजेंसियों और संगठनों की तमाम घोषणाओं, दावों और वादों के बावजूद दुनिया भर में बाघों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। बाघों की इस दुर्दशा के कारण ही अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने इन्हें विलुप्ति की कगार पर खड़े जीवों की श्रेणी में डाल रखा है।

(चेतनादित्य आलोक)

मानव समाज के मन-मस्तिष्क में बाघों के प्रति उस प्रेम और संवेदना का सदा से अभाव रहा है, जिसके वे अधिकारी हैं। देश में बाघों के संरक्षण को लेकर सरकार की ओर से कई कार्यक्रम और योजनाएं शुरू की गई हैं, लेकिन धरातल पर इनका असर अपेक्षा के अनुरूप देखने को नहीं मिल रहा है। इसका एक कारण इस वन्य प्राणी को लेकर मानव समाज में सकारात्मक दृष्टिकोण का अभाव है। जबकि सच तो यह है कि बाघ हमारे पर्यावरण और प्रकृति के लिए ही नहीं, बल्कि मानव जीवन के अस्तित्व के लिए भी उपयोगी हैं। ये जीव पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन की एक महत्त्वपूर्ण कड़ी हैं, क्योंकि आहार जगत में इन्हें शिकारी के रूप में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है।

जंगल में इनका भोजन भंडार सबसे बड़ा होता है। इसलिए स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने में इनकी अहम भूमिका होती है। ऐसे में यदि कभी इस पृथ्वी से बाघ समाप्त हो जाएं, तो इससे पूरा पारिस्थितिकी तंत्र खतरे में पड़ जाएगा। बाघों की अनुपस्थिति में शाकाहारी प्राणियों की आबादी बढ़ जाएगी और आहार चक्र में असंतुलन पैदा होगा। जाहिर है, शाकाहारियों की अधिकता से वनस्पति का नुकसान होगा, जिससे प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है।

वन्यजीव विशेषज्ञों के मुताबिक, एक हिरण को सर्दियों के मौसम में भोजन के लिए औसतन प्रतिदिन 2.3 किलोग्राम वनस्पति की आवश्यकता होती है। वहीं, गर्मियों में इसकी मात्रा दोगुनी हो जाती है। कुल मिलाकर एक हिरण को एक वर्ष में वनस्पतियों से युक्त एक हजार किलोग्राम से अधिक भोजन की आवश्यकता होती है। वहीं, एक बाघ को अपना पेट भरने के लिए प्रति वर्ष औसतन पचास हिरण के आकार के जानवर या लगभग तीन हजार किलोग्राम जीवित शिकार की जरूरत होती है। यानी एक बाघ प्रति वर्ष पचास हिरणों को खाकर पृथ्वी पर लगभग पचास हजार किलोग्राम वानस्पतिक भोजन बचाता है, जो जंगल में शेष हिरणों अथवा अन्य शाकाहारी प्राणियों के जीवन यापन के लिए तथा प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए जरूरी है। इस दृष्टि से जैव विविधता के संरक्षण एवं जंगलों को स्वस्थ और सुरक्षित रखने यानी प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में भी बाघों का विशेष योगदान है।

दरअसल, मानव समाज के मन-मस्तिष्क में बाघों के प्रति उस प्रेम और संवेदना का सदा से अभाव रहा है, जिसके वे अधिकारी हैं। यही कारण है कि जो बाघ कभी बहुतायत में पाए जाते थे, आज वे दुनिया भर में कम होते जा रहे हैं। पिछली एक सदी में दुनिया भर से लाखों की संख्या में बाघ या तो शिकारियों द्वारा मारे जा चुके हैं या आपसी संघर्ष, बीमारी या किसी अन्य कारण से उनकी मौत हो गई। भारत समेत विभिन्न देशों की सरकारों, एजेंसियों और संगठनों की तमाम घोषणाओं, दावों और वादों के बावजूद दुनिया भर में बाघों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है। बाघों की इस दुर्दशा के कारण ही अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ ने इन्हें विलुप्ति की कगार पर खड़े जीवों की श्रेणी में डाल रखा है।

भारत की बात करें, तो इस वर्ष जनवरी से मार्च के बीच 42 बाघों की मौत हुई। यह आंकड़ा वन्यजीव, विशेष रूप से बाघ संरक्षण को लेकर देश के संवेदनशील नागरिकों एवं पशु प्रेमियों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इतिहास के पन्नों पर नजर डालें, तो वर्ष 1900 में देश में बाघों की संख्या 40 हजार से भी ज्यादा थी, जबकि आज इनकी संख्या घट रही है। भारत में बाघों की इस दुर्दशा के लिए विशेष रूप से ब्रिटिश सरकार की वन्यजीव विरोधी नीतियां जिम्मेदार रही हैं। वर्ष 1906 में प्रकाशित सीडब्लू मरफी की पुस्तक 'अ गाइड टू नैनीताल एंड कुमाऊं' में कुछ सूचियां और सरकारी नियमावलियां दी गई हैं, जो वन्यजीवों के प्रति ब्रिटिश हुकूमत के क्रूर व्यवहार को दर्शाती हैं।

ब्रिटिश राज में वन्यजीवों की हत्या करने पर सरकार की ओर से इनाम दिए जाते थे, जिनमें आठ आने से लेकर दस रुपए तक के इनाम निर्धारित थे। इनमें सर्वाधिक दस रुपए के इनाम भेड़ियों और बाघों को मारने पर दिए जाने का प्रावधान था। भारत में बाघों के संरक्षण एवं निगरानी का कार्य राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण को सौंपा गया है। यह केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के अधीन देश में बाघों के संरक्षण एवं निगरानी को पेशेवर रूप देने के उद्देश्य से दिसंबर, 2005 में गठित प्रमुख वैधानिक संस्था है। बाघों के संरक्षण एवं निगरानी के कार्य में लगातार सुधार करते हुए इसे और अधिक बेहतर बनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाना इस प्राधिकरण के लक्ष्यों में शामिल है।

जाहिर है, अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए देश के विभिन्न राज्यों में 'प्रोजेक्ट टाइगर' का संचालन एवं संरक्षण योजनाओं को मंजूरी देने के अतिरिक्त बाघों के आवासों की निगरानी तथा मानव एवं वन्यजीवों के बीच होने वाले संघर्षों के समाधान ढूंढने में भी यह प्राधिकरण महत्त्वपूर्ण भूमिकाएं निभाता है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश में बाघों की संख्या में हुई उत्साहजनक वृद्धि केवल प्राधिकरण तथा अन्य वन्यजीव संरक्षण एजेंसियों की संरक्षण नीतियों और योजनाओं का ही परिणाम नहीं है, बल्कि आधुनिक विज्ञान एवं तकनीक से युक्त बाघ संरक्षण प्रणाली और जनभागीदारी के सफल प्रयोग का भी नतीजा है। पिछले एक दशक में विज्ञान और तकनीक ने देश में बाघ संरक्षण की तस्वीर बदल दी है। इससे पहले वन कर्मियों को कई दिनों तक जंगलों में पैदल घूमकर वन्यजीवों के पगचिह्नों के आधार पर अनुमान लगाना पड़ता था, जबकि आज आधुनिक तकनीकों ने बाघ संरक्षण को अधिक सटीक, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने का कार्य किया है।

इन सभी तकनीकों में कैमरा ट्रैप बाघ संरक्षण के लिए प्रयुक्त होने वाली सबसे विश्वसनीय प्रणाली मानी जा रही है। वन्यजीव संरक्षण एजेंसियों की नीतियों, योजनाओं एवं आधुनिक तकनीकों के उपयोग सहित सरकार के अधीन बाघ संरक्षण के लिए किए जाने वाले समेकित प्रयासों से देश में बाघों की संख्या में वृद्धि हुई, जिसने आज वैश्विक मंच पर भारत को एक सकारात्मक पहचान दिलाने का कार्य किया है। आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2006 में जहां देश में केवल 1,411 बाघ थे, वहीं 2022 तक यह संख्या बढ़कर 3,682 हो गई। वैसे 2025 में देश में कुल 167 बाघों की मौतें भी दर्ज की गईं, जिनमें 31 शावक शामिल थे। पिछले चार वर्षों में बाघों की कुल संख्या के अनुपात में मृत्यु दर पांच फीसद से नीचे है, जिसे संरक्षण की दृष्टि से सकारात्मक माना जा रहा है।

आज दुनिया भर के जंगलों में लगभग 5,574 बाघ ही बचे हुए हैं, इनमें लगभग तीन-चौथाई बाघ भारत में हैं। 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक, वर्ष 2010 से 2022 तक भारत में बाघों की अनुमानित संख्या 1,706 के मुकाबले 2025 में दोगुनी से भी अधिक 3,700 के लगभग पहुंच गई। हालांकि, यह आंकड़ा अभी संतोषजनक स्थिति से बहुत कम है। बाघ संरक्षण के कार्य में चुनौतियां आज भी कायम हैं। सबसे जरूरी है बाघों के प्राकृतिक आवास को बचाना। विकास के नाम पर वनों की अंधाधुंध कटाई से वन्यजीवों का आवास नष्ट हो रहा है और वे भोजन की तलाश में रिहायशी इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे मानव के साथ उनका संघर्ष भी बढ़ रहा है।

अंकित बालियान के घर पहुंचे संजीव बालियान व मासूम शर्मा, परिजनों से मिले; साथ काम करने वाले दिवंगत कलाकार को दी श्रद्धांजलि

शामली। हरियाणवी कलाकार अंकित बालियान की हत्या के बाद शुक्रवार को उनके गांव बंतीखेड़ा स्थित आवास पर भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान और मशहूर हरियाणवी गायक मासूम शर्मा पहुंचे। दोनों ने मृतक कलाकार के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और अंकित बालियान को श्रद्धांजलि दी।मासूम शर्मा ने अंकित बालियान की हत्या को शर्मनाक घटना बताते हुए कहा कि अंकित एक अच्छे और उभरते हुए कलाकार थे। उन्होंने कहा कि किसी परिवार में जवान बेटे की मौत हो जाए तो उसके परिजनों के दुख की कल्पना करना भी मुश्किल है।

उन्होंने कहा कि अंकित की कमी कभी पूरी नहीं की जा सकती।धमकियों और खतरे को लेकर बोले- मुझे जानकारी नहीं
सोशल मीडिया पर कथित तौर पर चल रही धमकियों और खुद को किसी तरह के खतरे के सवाल पर मासूम शर्मा ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी बात की जानकारी नहीं है। उन्होंने अपने ऊपर किसी भी तरह के खतरे की बात से भी इनकार किया।हरियाणा में बढ़ते अपराध पर क्या बोले मासूम शर्मा
हरियाणा में बढ़ते अपराध के सवाल पर मासूम शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार अच्छा काम कर रही है। हालांकि, पिछले कुछ दिनों में अपराध की घटनाओं में कुछ बढ़ोतरी हुई है, लेकिन हरियाणा पुलिस लगातार अपराध पर अंकुश लगाने के प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इसका असर भी देखने को मिल रहा है।
संजीव बालियान बोले- हरियाणा सीएम से जल्द मिलूंगा
इस दौरान भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने कहा कि वह अंकित बालियान हत्याकांड को लेकर जल्द ही हरियाणा के मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से आग्रह किया जाएगा कि जिस तरह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपराध पर लगाम लगाने के लिए प्रभावी कार्रवाई की गई है, उसी तरह हरियाणा में भी अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं। गौरतलब है कि 26 अगस्त को हरियाणवी कलाकार अंकित बालियान की शामली में दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद से पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है।

शामली की निकिता पेपर मिल पर पॉलिथीन जलाने का आरोप! धुएं से परेशान ग्रामीणों ने उठाए प्रदूषण पर सवाल, जांच की मांग

शामली। शामली औद्योगिक क्षेत्र स्थित निकिता पेपर मिल पर पॉलिथीन जलाकर पेपर मिल की भट्टियां चलाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि मिल से निकलने वाले धुएं के कारण आसपास के गांवों में प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है। इससे लोगों के स्वास्थ्य के साथ-साथ फसलों और भूमिगत जल पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।ग्रामीणों का कहना है कि मिल से निकलने वाला धुआं आसपास के आबादी वाले क्षेत्रों तक पहुंच रहा है। आरोप है कि प्रदूषण के कारण क्षेत्र में दमा, टीबी, त्वचा संबंधी बीमारियों समेत अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। वहीं, किसानों ने भी फसलों को नुकसान होने और भूमिगत जल के प्रदूषित होने की आशंका जताई है।ग्रामीणों ने शामली

प्रशासन और प्रदूषण नियंत्रण विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि खुले तौर पर धुआं निकलने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों की नजर इस ओर क्यों नहीं जा रही है। लोगों ने पूरे मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।बताया जा रहा है कि जब ग्रामीण इस समस्या को लेकर मिल मालिक अशोक बंसल के पास पहुंचे तो कथित तौर पर उन्होंने पॉलिथीन जलाने के लिए लाइसेंस होने की बात कही। हालांकि, लाइसेंस वास्तव में किस प्रकार के ईंधन के इस्तेमाल की अनुमति देता है और मिल में किस सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है, इसकी पुष्टि संबंधित विभाग की जांच के बाद ही हो सकेगी।अब सवाल यह है कि क्या निकिता पेपर मिल के पास पॉलिथीन अथवा प्लास्टिक आधारित अपशिष्ट को ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने की वैध अनुमति है? यदि अनुमति है तो क्या मिल निर्धारित पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप संचालन कर रही है? ग्रामीणों ने प्रशासन से मौके पर जांच कराकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। ग्रामीणों की मांग है कि प्रदूषण नियंत्रण विभाग मिल के ईंधन, उत्सर्जन और पर्यावरणीय अनुमति की जांच करे तथा नियमों का उल्लंघन मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

जलालाबाद में कृष्ण जन्माष्टमी पर धूमधाम से निकली भव्य संकीर्तन शोभायात्रा, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

श्री राम मंदिर से शुरू हुई शोभायात्रा में गोविंदाओं ने फोड़ी मटकी, सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

जलालाबादः श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर नगर में एक भव्य संकीर्तन शोभायात्रा निकाली गई। इस धार्मिक आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं में पूरे दिन भारी उत्साह देखने को मिला। भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के इस खास मौके पर पूरा जलालाबाद नगर कृष्ण भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया। मंदिर से शुरू होकर इन रास्तों से गुजरी शोभायात्राइस भव्य संकीर्तन शोभायात्रा की शुरूआत रामनगर में स्थित श्री राम मंदिर से हुई। मंदिर में सुबह ठीक 7 बजे विशेष पूजा-अर्चना की गई और आरती के बाद शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ। मंदिर से निकलने के बाद श्रद्धालु भगवान श्री कृष्ण के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े।यह भव्य शोभायात्रा नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और चौराहों से होकर गुजरी। तय मार्ग के अनुसार, शोभायात्रा रामनगर से शुरू होकर मोती बाजार, आर्य नगर, बोहरान, खटीकन, बम्बा चौक, प्रताप नगर, प्रताप चौक, नीलग्रान चौक और गांधी चौक पहुंची। इन सभी रास्तों और चौराहों से गुजरते हुए शोभायात्रा वापस रामनगर के श्री राम मंदिर पहुंचकर ही संपन्न हुई।भजनों पर थिरके श्रद्धालु और मटकी फोड़ का

आयोजन शोभायात्रा के मार्ग में पड़ने वाले सभी मंदिरों और अन्य प्रमुख स्थानों पर भगवान श्री कृष्ण की आरती उतारी गई। इस दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा। शोभायात्रा में शामिल युवा, महिलाएं और बच्चे धार्मिक भजनों पर झूमते और नृत्य करते हुए चल रहे थे।नगर में कई स्थानों पर गोविंदाओं की टोलियों ने मटकी फोड़ने के कार्यक्रम आयोजित किए। जैसे ही गोविंदाओं ने मटकी फोड़ी, वैसे ही पूरा वातावरण 'जय श्री कृष्ण' और 'जय कन्हैया लाल की' के जयकारों से गूंज उठा। रास्ते में जगह-जगह पर श्रद्धालुओं ने इस शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया। सुरक्षा और साफ-सफाई के कड़े इंतजाम
इस बड़े आयोजन को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। शोभायात्रा के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। पुलिसकर्मियों ने प्रमुख चौराहों और मार्गों पर मुस्तैदी से व्यवस्था संभाली। इसके साथ ही, नगर पंचायत की ओर से यात्रा मार्ग पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। कर्मचारियों ने पूरे रास्ते की साफ-सफाई की और अन्य सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखीं।
इन लोगों का रहा विशेष सहयोग
इस भव्य संकीर्तन शोभायात्रा को सफल बनाने में स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं का बड़ा योगदान रहा। इस पूरे धार्मिक आयोजन में अवनीश आहूजा, राजकुमार रुहेला, देवेन्द्र शर्मा, सुभाष शर्मा, बॉबी शर्मा, अंकित गोयल, शैकी शर्मा, लक्की शर्मा, भानु शर्मा और देवांश ने अपना विशेष सहयोग प्रदान किया।

एससी-एसटी परिवारों के इलाज के लिए केंद्र सरकार ने बढ़ाई मदद, अब 5 लाख आय वाले भी होंगे पात्र

गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सहायता राशि और आय सीमा के दायरे में हुई बड़ी बढ़ोतरी

शामलीः केंद्र सरकार ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवारों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने इन वर्गों के लोगों के लिए गंभीर बीमारियों के इलाज में मिलने वाली आर्थिक मदद का दायरा बढ़ा दिया है। शामली की जिला समाज कल्याण अधिकारी रीतू रस्तोगी ने इस बदलाव की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के इस फैसले से अब पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा गरीब परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए सरकारी सहायता मिल सकेगी।जिला समाज कल्याण अधिकारी रीतू रस्तोगी के अनुसार, अब सालाना पांच लाख रुपये तक की आय वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के परिवार भी इस योजना के तहत मदद पाने के हकदार होंगे। इससे पहले तक यह मदद केवल तीन लाख रुपये तक की सालाना आय वाले परिवारों को ही दी जाती थी। आय सीमा के इस दायरे को बढ़ाए जाने से उन परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी जो गंभीर बीमारी के इलाज का भारी खर्च उठाने में असमर्थ रहते हैं।इन गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मिलेगी बढ़ी हुई मदद
इस योजना के तहत केवल आय सीमा ही नहीं बढ़ाई गई है, बल्कि अलग-अलग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए दी जाने वाली सहायता राशि में भी बढ़ोतरी की गई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी रीतू रस्तोगी ने बताया कि हार्ट, ब्रेन और स्पाइन सर्जरी के साथ-साथ कैंसर जैसी घातक बीमारियों के इलाज के लिए अब पहले से ज्यादा आर्थिक मदद दी जाएगी। एससी और एसटी वर्ग के लोग पिछले कई सालों से इस बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे, जिसे अब सरकार ने पूरा कर दिया है।जानिए किस बीमारी के इलाज के

लिए मिलेगी कितनी अधिकतम राशि
सरकार द्वारा तय की गई नई दरों के अनुसार, अलग-अलग बीमारियों के इलाज के लिए अधिकतम सहायता राशि तय की गई है। हार्ट सर्जरी के इलाज के लिए अब अधिकतम 1.50 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। इसके अलावा, किडनी की सर्जरी कराने या डाइलिसिस करवाने के लिए मरीजों को अधिकतम 3.50 लाख रुपये तक की मदद मिल सकेगी। कैंसर की सर्जरी या कीमोथेरेपी के लिए सरकार की तरफ से अधिकतम 2.50 लाख रुपये की सहायता राशि मंजूर की जाएगी।इसी तरह, ब्रेन सर्जरी कराने वाले मरीजों के लिए अधिकतम सहायता राशि 2.00 लाख रुपये तय की गई है। अगर किसी मरीज को किडनी या आर्गन ट्रांसप्लाट करवाना है, तो उसके लिए अधिकतम 3.50 लाख रुपये की मदद दी जाएगी। स्पाइन सर्जरी के इलाज के लिए सरकार की तरफ से अधिकतम 1.50 लाख रुपये की सहायता राशि मिलेगी। इन सभी बीमारियों के अलावा, अगर कोई अन्य गंभीर बीमारी है तो उसके इलाज के लिए भी अधिकतम 2.00 लाख रुपये तक की आर्थिक मदद दिए जाने का प्रावधान किया गया है।
साल 2018 के बाद अब हुआ है यह बड़ा बदलाव
जिला समाज कल्याण अधिकारी रीतू रस्तोगी ने बताया कि यह पूरी योजना केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता मंत्रालय के तहत काम करने वाले डा0आम्बेडकर फाउडेंशन द्वारा चलाई जाती है। डा0आम्बेडकर फाउडेंशन ही एससी और एसटी परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए यह मेडिकल सहायता राशि देता है। इस मेडिकल सहायता योजना में इससे पहले साल 2018 में बदलाव किया गया था, जिसके बाद अब जाकर यह नया संशोधन किया गया है। यह आर्थिक मदद सीधे उन एससी और एसटी परिवारों को दी जाती है जो गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं।

शामली में कलयुगी बहू ने सास के सिर में डंडा मारकर किया घायल, पीड़िता ने पुलिस से लगाई न्याय की गुहार

शामली। शहर कोतवाली क्षेत्र के गांव लिलौन में घर की दीवार निकालने को लेकर हुए विवाद में एक बहू पर अपनी 65 वर्षीय सास के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। मारपीट में वृद्ध महिला के सिर में गंभीर चोट आई है। पीड़िता ने मेडिकल परीक्षण कराने के बाद कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोपी बहू के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।गांव लिलौन निवासी 65 वर्षीय पल्ली पत्नी सोमपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके चार पुत्र हैं। इनमें दो पुत्रों की शादी हो चुकी है, जबकि दो पुत्र अभी अविवाहित हैं। आरोप है कि शुक्रवार को वह अपने घर पर बैठी हुई थी। इसी दौरान उसकी पुत्रवधू ममता पत्नी टीटू वहां पहुंची और घर के बीच दीवार निकालने को लेकर उससे विवाद करने लगी।पीड़िता का आरोप है कि विवाद बढ़ने पर पुत्रवधू

ने उसके सिर पर डंडे से वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद वृद्ध महिला ने अपना मेडिकल परीक्षण कराया और कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पीड़िता ने मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर EVM-VVPAT की एफएलसी प्रक्रिया शुरू, नोडल अधिकारी ने किया निरीक्षण

असम की संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी सुलक्षणा बोरपात्रागोहेन ने शामली वेयरहाउस का जायजा लेकर दिए निर्देश

शामलीः आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के तहत जनपद शामली में ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की एफएलसी यानी फर्स्ट लेवल चेकिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी सिलसिले में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नामित नोडल अधिकारी सुश्री सुलक्षणा बोरपात्रागोहेन ने शामली के तहसील परिसर में बने ईवीएम और वीवीपैट वेयरहाउस का मौके पर जाकर मुआयना किया। उन्होंने वहां चल रही एफएलसी प्रक्रिया की बारीकियों को देखा और मशीनों की सुरक्षा के लिए किए गए प्रबंधों का पूरा जायजा लिया। वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था और अभिलेखों की जांच
निरीक्षण के दौरान नोडल अधिकारी सुश्री सुलक्षणा बोरपात्रागोहेन ने वेयरहाउस में रखी मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था को गहराई से देखा। सुश्री सुलक्षणा बोरपात्रागोहेन, जो असम में उप सचिव और संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी हैं तथा आयोग द्वारा ईवीएम नोडल अधिकारी नियुक्त की गई हैं, ने 02 सितंबर 2026 को इस वेयरहाउस का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से मशीनों को सुरक्षित रखने के इंतजामों पर बातचीत की। इसके साथ

ही उन्होंने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था और वहां रखे गए कागजी अभिलेखों के रख-रखाव की स्थिति की भी पूरी जांच की।आयोग के मानकों और दिशा-निर्देशों के पालन पर जोर
जांच के समय नोडल अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से एफएलसी प्रक्रिया के दौरान अपनाई जा रही व्यवस्थाओं के संबंध में जरूरी जानकारी मांगी। उन्होंने निर्देश दिए कि एफएलसी की प्रक्रिया को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तय किए गए मानकों और दिशा-निर्देशों के अनुसार ही पूरा किया जाए। नोडल अधिकारी ने स्पष्ट कहा कि इस काम को पूरी पारदर्शिता और सावधानी के साथ संपादित किया जाए। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस में ईवीएम और वीवीपैट के सुरक्षित रख-रखाव समेत बाकी सभी इंतजाम चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक पाए गए।निरीक्षण में मौजूद रहे अधिकारी और राजनीतिक प्रतिनिधि
तहसील परिसर में बने वेयरहाउस के इस मुआयने के दौरान प्रशासन और संबंधित विभागों के कई अधिकारी उपस्थित रहे। इनमें उप जिला अधिकारी न्यायिक और डिप्टी कलेक्टर श्याम नारायण शुक्ला शामिल थे। उनके साथ सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी प्रमोद कुमार और प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग शामली के सहायक अभियंता रमेश चंद भी मौजूद रहे। इसके अलावा चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी वहां मौजूद रहे। इनमें आम आदमी पार्टी के प्रतिनिधि संदीप कुमार और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रतिनिधि सुभाष चंद प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

रंग संसार

शिक्षकों की डांट ने संवारी जिंदगी, गुल्की जोशी ने कहा- 'जीवन में हर वो शख्स गुरु जो सही राह दिखाए'

मुंबई। 5 सितंबर को पूरा देश शिक्षक दिवस मनाएगा। एक शिक्षक की हमारी जिंदगी में वो इंसान होता है जो हमें उचित रास्ता दिखाकर आगे बढ़ने की सीख देता है। इस खास मौके पर 'एक डाक्टर दो जिंदगियां' की अभिनेत्री गुल्की जोशी बताती हैं, स्कूल में मैं बहुत शरारती बच्ची तो नहीं थी, लेकिन दोस्तों के साथ मिलकर छोटी-मोटी शरारतें जरूर करती थी। बचपन में जब कोई टीचर पूरी क्लास के सामने डांट देता था या किसी गलती के कारण कोई सजा देता था तो उस वक्त बहुत बुरा लगता था। लगता था कि मेरे साथ ही ऐसा क्यों हो रहा है। आज पीछे मुड़कर देखती हूं तो एहसास होता है कि उन छोटी-छोटी बातों ने ही अनुशासन और जिम्मेदारी सिखाई।
गुल्की ने आगे बताया कि हर गलती के बाद स्वयं को सुधारना और अपनी जिम्मेदारी लेना, उन्हीं अनुभवों से आया। मेरे शिक्षकों ने ही मुझे चीजों को हल्के में न लेने की आदत सिखाई और बताया कि हर काम पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ करना है। एक्टिंग में भी यही बात मेरे बहुत काम आई।उन्हें बचपन में सख्त शिक्षकों से डर लगता था कि ये छोटी सी गलती भी पकड़ लेंगे। हालांकि, आज लगता है कि वही शिक्षक सबसे ज्यादा जरूरी थे। उन्होंने हमें सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं दिया, बल्कि समय की पाबंदी, अनुशासन, दूसरों का सम्मान करना और अपने काम के प्रति गंभीरता सिखाई। आज पेशेवर जिंदगी में इन चीजों की अहमियत समझती हूं। टीवी इंडस्ट्री में आने के बाद मैंने कई लोगों से सीखा है। मैं मानती हूं कि जो भी इंसान आपको अपने अनुभव से कुछ सिखाता है, गलतियां बताता है या आपको बेहतर बनने के लिए प्रेरित करता है, वह किसी न किसी रूप में आपका गुरु है। मुझे अपने वरिष्ठ और सह कलाकारों से बहुत कुछ सीखने को मिला है। उनकी डांट भी मिली है, लेकिन वह डांट हमेशा सीखने का हिस्सा रही है।

राज काज

भारतीय शेयर बाजार लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद बढ़त के साथ बंद; सेंसेक्स 76,500 के पार

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद बढ़त के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 362.57 अंक या 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ 76,515.43 और निफ्टी 24.25 अंक या 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,897.70 पर बंद हुआ। दिन के दौरान बाजार में तेजी का नेतृत्व मेटल और कमोडिटीज ने किया।सूचकांकों में निफ्टी मेटल (1.07 प्रतिशत) और निफ्टी कमोडिटीज (0.55 प्रतिशत) की तेजी के साथ टॉप गेनर्स थे। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (0.49 प्रतिशत), निफ्टी इंडिया डिफेंस (0.39 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (0.30 प्रतिशत), निफ्टी प्राइवेट बैंक (0.28 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (0.21 प्रतिशत) और निफ्टी पीएसई (0.04) प्रतिशत की मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। दूसरी तरफ निफ्टी रियल्टी (0.90 प्रतिशत), निफ्टी हेल्थकेयर (0.87 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (0.68 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (0.47 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (0.45 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (0.44 प्रतिशत) और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.43 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ बंद हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप में मिलाजुला कारोबार हुआ।निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 156.15 अंक या 0.25 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 63,079.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 44.70 अंक या 0.22 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,095.45 पर था। जानकारों ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की आशंका कम होने से भारतीय शेयर बाजार में तेजी देखी गई। हालांकि, ऊंचे स्तरों पर मुनाफा वसूली और मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण तेजी सीमित रही। निवेशकों की नजर आज आने वाले अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों पर है, जबकि ब्याज दरों के भविष्य का अंदाजा लगाने के लिए अगले हफ्ते आने वाले अमेरिकी खुदरा महंगाई के आंकड़े अहम होंगे। अगस्त में कोर महंगाई दर में मामूली गिरावट की आम उम्मीदों से फेड द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने का सिलसिला रुकने की संभावना मजबूत हो सकती है और इससे बॉन्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव को काबू में रखने में मदद मिल सकती है।

दैनिक राशिफल शनिवार 05 सितम्बर 2026

मेष - कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी।

वृष - जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी।

मिथुन : कल का परिश्रम आज लाभ देगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बुद्धिए बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

कर्क - संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। बुद्धिए बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

सिंह- कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपकी योजना से लोग प्रभावित होंगे।

कन्या - महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा।

तुला - राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

वृश्चिक - आय के अच्छे योग बनेगें। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढने. के आसार रहेंगे। काम को प्राथमिकता से करें।

धनु - आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने.के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा।

मकर - कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्रम बदलने होंगे। व्यापार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा।

कुंभ - अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आय के स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा।

मीन - ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

दैनिक पंचांग

5 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.38 बजे से
चंद्र	मिथुन में	तुला	08.49 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	11.04 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.20 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.25 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	17.11 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.44 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.15 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.55 बजे से
राहुकाल		मिथुन	23.53 बजे से
9.00 से 10.30		कर्क	02.06 बजे से
बजे तक		सिंह	04.22 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 248 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 21.54 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 21.31 बजे को समाप्त। **योग** वज्र 12.47 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 11.05 बजे तदनन्तर गर 21.54 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.3 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 06° 53' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872823 **जूलियन दिन** 2461288.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 22 **विशेष** दही हाण्डी, गोगा नवमी, शिक्षक दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मुजफ्फरनगर की निधि कॉलोनी में युवती से छेड़छाड़: विरोध करने पर पूरे परिवार को दी जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

शादी समारोह से लौट रहे परिवार की बेटी का हाथ पकड़ने का आरोप

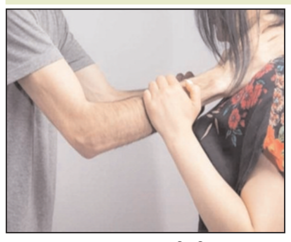

मुजफ्फरनगर। थाना सिविल लाइन क्षेत्र की निधि कॉलोनी में महिलाओं और बेटियों के साथ अश्लील हरकतें, घूरने, गाली-गलौज तथा जान से मारने की धमकी देने के मामले में पड़ोसी आरोपी साहिल उर्फ गुड्डू के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इसके लिए पीड़ित पिता शफीक अंसारी पुलिस में लिखित तहरीर दी है।

शादी से लौटते समय बेटी का हाथ पकड़ा, अश्लील हरकत का प्रयास

तहरीर के अनुसार, बीती 20 अगस्त 2026 की रात शफीक अंसारी का परिवार एक शादी समारोह से अपने घर लौट रहा था। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला साहिल उर्फ गुड्डू रास्ते में सामने आ गया और उसने पीड़ित की बेटी का हाथ पकड़कर अश्लील हरकत करने की कोशिश की। परिवार द्वारा विरोध करने पर माहौल गरमा गया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि आरोपी साहिल लंबे समय से उनके घर की महिलाओं और बेटियों पर बुरी नीयत रखता था। वह आए दिन अश्लील इशारे और अभद्र व्यवहार करता था। घटना वाले दिन आरोपी ने पीड़ित की पुत्रवधू को भी बुरी नीयत से घूरते हुए अश्लील इशारे किए। जब शफीक अंसारी और उनके दामाद ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने उनके साथ जमकर गाली-गलौज की और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। घटना के तुरंत बाद पीड़ित पक्ष ने डायल-112 पर कॉल करके पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। इसके बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर नामजद शिकायत दर्ज कराई। गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज सिविल लाइन पुलिस ने 3 सितंबर 2026 को आरोपी साहिल उर्फ गुड्डू के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 74, 75, 351(3) और 352 के तहत मामला पंजीकृत कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद से पीड़ित परिवार ने अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई है।

भोपा में कूरियर ऑफिस से लाखों के पार्सल, कैश और प्रिंटर चोरी: कैमरों की डीवीआर भी ले गए चोर, टूटे टूटे मिले शटर

कस्बा में बडी चोरी से व्यापारियों में दहशत, पुलिस जांच में जुटी

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने आधी रात को एक बड़ी वारदात को अंजाम देकर व्यापारियों में हड़कंप मचा दिया है। सूर्यवंशम पैलेस के पास संचालित वोल्मो फ्रेंचाइजी (मीशो) कूरियर कार्यालय के शटर तोड़कर चोरों ने हजारों रुपये की नकदी, महंगे पार्सल और प्रिंटर पर हाथ साफ कर दिया। साक्ष्य मिटाने की नीयत से शातिर चोर सीसीटीवी कैमरे, लैपटॉप तोड़ गए और डीवीआर (ऊश्फ) भी साथ उखाड़ ले गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कादीपुर निवासी विश्वेन्द्र कुमार पुत्र जगवीर सिंह भोपा-मुजफ्फरनगर मुख्य मार्ग पर स्थित पूर्व प्रधान ऋषिराज की दुकान किराए पर लेकर वोल्मो फ्रेंचाइजी (मीशो) कूरियर का काम संभालते हैं। बीते गुरुवार की रात विश्वेन्द्र रोजाना की भांति अपना कार्यालय ठीक से बंद कर घर चले गए थे। शुक्रवार की सुबह जब वे दफ्तर पहुंचे, तो वहाँ का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। दुकान का शटर टूटा हुआ था और अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था।

कैश, पार्सल और प्रिंटर पार: लैपटॉप तोड़ा

पीड़ित विश्वेन्द्र ने जब अंदर जाकर जाँच की, तो चोरी की बड़ी साजिश का खुलासा हुआ। चोरों ने बड़ी चालाकी और इत्मीनान से इस वारदात को अंजाम दिया था:

चोरी गया माल: कार्यालय से एक थर्मल प्रिंटर, ग्राहकों के करीब 60,000 रुपये कीमत के पार्सल तथा गल्ला तोड़कर उसमें रखी 11,000 रुपये की नकदी साफ कर दी गई।

साक्ष्य मिटाने की कोशिश: पकड़े जाने के डर से चोरों ने दफ्तर में रखा लैपटॉप और सीसीटीवी कैमरे तोड़ डाले तथा कैमरों की डीवीआर (ऊश्फ) मशीन अपने साथ ले गए।

व्यापारियों में दहशत

मुख्य मार्ग पर स्थित कूरियर कार्यालय में हुई इस दुस्साहसिक चोरी की खबर फैलते ही आसपास के व्यापारियों में भय व्याप्त हो गया। बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी मौके पर एकत्र हो गए।

घटना की सूचना तुरंत भोपा थाना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने शुरू की तफ्तीश

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुँचकर घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। पीड़ित और स्थानीय व्यापारियों ने पुलिस से गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द इस घटना का अनावरण कर चोरों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

मुजफ्फरनगर में बाइक सवार का पीछा कर कार से मारी टक्कर: युवक गंभीर रुप से घायल

डीएम आवास के पास घटना को दिया गया अंजाम, सिर में आए 16 टांके

मुजफ्फरनगर। थाना सिविल लाइन क्षेत्र में एक कार चालक ने एक बाइक सवार का पीछा करके उसको जोरदार टक्कर मारी। हादसे में घायल बाइक सवार के सिर में 16 टांके आए और। पुलिस ने घायल के बेटे की तहरीर पर कार चालक के खिलाफ संगीन धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मीनाक्षी चौक से पीछा कर रहे थे कार सवार

पुलिस में दी गई तहरीर के अनुसार, खालापार थाना क्षेत्र के ग्राम सूजडु कुंगर पट्टी निवासी शावेज ने बताया कि उनके पिता शमशाद 30 अगस्त 2026 की रात करीब 10:30 बजे लद्दावाला से अपनी मोटरसाइकिल द्वारा घर लौट रहे थे। जब वे मीनाक्षी चौक के पास पहुंचे, तो पीछे से आ रही कार के चालक ने उनका पीछा करना शुरू कर दिया। मीनाक्षी चौक से आगे बढ़ते ही कार चालक ने पहली बार बाइक में साइड मारी। असंतुलित होने के बावजूद शमशाद किसी तरह गिरते-गिरते बचे। इसके बाद जैसे ही शमशाद डीएम आवास के पास पहुंचे, आरोपी कार चालक ने बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर से शमशाद सड़क पर गिर पड़े और बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। गंभीर हालत में मेरठ रेफर घटना के बाद 108 एंबुलेंस की मदद से घायल शमशाद को सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए अन्य अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। इलाज के दौरान शमशाद के सिर पर 16 टांके आए हैं। होश में आने के बाद जब उन्होंने पूरी आपबीती अपने बेटे को बताई, तब जाकर पुलिस में लिखित शिकायत दी गई। पुलिस ने कार नंबर के आधार पर आरोपी कार चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 281, 125A, 125B और 324(3) के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। अब पुलिस सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर कार चला रहे आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

ककरौली थाने में एसएसपी का औचक छापा, पेंडिंग केसों को लेकर अधिकारियों को लगाई फटकार

संजय कुमार वर्मा ने परखा थाने का 'कवच', मिशन शक्ति और साइबर डेस्क पर रहा मुख्य फोकस; मैस में जांचा भोजन

मुजफ्फरनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने शुक्रवार को थाना ककरौली का आकस्मिक निरीक्षण कर पुलिस व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एसएसपी के अचानक थाने पहुंचने से पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना कार्यालय, कंप्यूटर कक्ष, आगंतुक कक्ष, मिशन शक्ति केंद्र, साइबर हेल्प डेस्क, भोजनालय (मैस) और मालखाना सहित विभिन्न अभिलेखों की बारीकी से जांच की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव और लंबित विवेचनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कंप्यूटर कक्ष और साइबर हेल्प डेस्क के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि सभी डाटा प्रविष्टियां शुद्ध और समयबद्ध तरीके से दर्ज की जाएं। मिशन शक्ति केंद्र पर तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि महिला संबंधी शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता और प्रभावी ढंग से किया जाए ताकि पीड़ितों को त्वरित न्याय और सुरक्षित वातावरण मिल सके। एसएसपी ने पुलिस मैस का भी निरीक्षण किया और पुलिसकर्मियों के लिए स्वच्छ, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन सुनिश्चित करने के लिए कहा।

उन्होंने क्षेत्र में नियमित गश्त बढ़ाने और संवेदनशील स्थलों पर सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए ताकि कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को हिदायत दी कि वे अपने कर्तव्यों के प्रति सजग और जवाबदेह रहें तथा जनहित को सर्वोपरि रखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इस अवसर पर थानाध्यक्ष ककरौली जोगेन्द्र सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

उद्योगों की राह में एनओसी की सुस्ती बनी बड़ा रोड़ा, एडिशनल कमिश्नर से मिले उद्यमी

मैप पास होने के बाद ही एनओसी की प्रक्रिया पूरी करने की मांग, अनावश्यक एनओसी के दबाव से भी राहत दिलाने की गुहार

मुजफ्फरनगर। जिले में नए उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया में एनओसी के नाम पर होने वाली देरी और अनावश्यक औपचारिकताओं को लेकर उद्यमियों का दर्द सामने आया है। उद्योगों की स्थापना में आ रही व्यवहारिक दिक्कतों को लेकर लघु उद्योग भारती के पदाधिकारियों ने जिला उद्योग केंद्र में एमएसएमई के एडिशनल कमिश्नर ऑफ इंडस्ट्रीज (मेरठ मंडल) उमेश कुमार से मुलाकात की। उद्यमियों ने उन्हें मांग पत्र सौंपकर औद्योगिक विकास की राह में आ रही समस्याओं का जल्द समाधान कराने की मांग की।

एनओसी के लिए महीनों चक्कर लगाने का आरोप

जिला उद्योग केंद्र में आयोजित बैठक के दौरान लघु उद्योग भारती के पदाधिकारियों ने नए उद्योग स्थापित करने वाले उद्यमियों को आने वाली परेशानियों को विस्तार से रखा। जिला अध्यक्ष जगमोहन गोयल और

जिला सचिव मयंक मित्तल ने बताया कि नया उद्योग लगाने के दौरान विभिन्न विभागों से एनओसी प्राप्त करने में उद्यमियों को काफी समय और परेशानी का सामना करना पड़ता है। उद्यमियों का कहना था कि उद्योग स्थापित करने की प्रक्रिया पहले ही कई चरणों में पूरी करनी पड़ती है। ऐसे में एनओसी की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी होने से निवेश और उत्पादन शुरू करने में भी विलंब होता है। मैप पास होने के बाद हो

एनओसी की प्रक्रिया

उद्यमियों ने मांग रखी कि प्राधिकरण और जिला पंचायत को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं कि पहले उद्योग का मैप पास किया जाए और उसके बाद ही आवश्यक एनओसी की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए। उनका कहना था कि इससे उद्यमियों को बार-बार अलग-अलग विभागों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी और नए उद्योगों की स्थापना में तेजी आएगी।

इसके साथ ही उद्यमियों ने ऐसी एनओसी को लेकर भी आपत्ति जताई, जिनकी वास्तव में आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने मांग की कि जिन मामलों में किसी विशेष एनओसी की जरूरत नहीं है, वहां संबंधित विभाग उद्यमियों पर अनावश्यक दबाव न बनाए।

समस्याओं के त्वरित समाधान का मिला भरोसा

बैठक में एडिशनल कमिश्नर उमेश कुमार का उद्यमियों ने पुष्प देकर स्वागत किया और उन्हें मांग पत्र सौंपा। उन्होंने उद्यमियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि औद्योगिक क्षेत्र से जुड़ी व्यवहारिक समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही एमएसएमई से जुड़ी विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी उद्यमियों तक पहुंचाने के लिए जल्द ही एक विशेष बैठक आयोजित करने की बात भी कही।

योजनाओं की जानकारी देने के लिए होगी विशेष बैठक

बैठक में उद्यमियों ने एमएसएमई क्षेत्र के लिए संचालित योजनाओं और उनके लाभ की जानकारी आसानी से उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इस पर एडिशनल कमिश्नर ने कहा कि विशेष बैठक के माध्यम से उद्यमियों को योजनाओं, सुविधाओं और आवेदन प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

इस अवसर पर अश्वनी मित्तल, अभिषेक अग्रवाल सहित लघु उद्योग भारती से जुड़े कई उद्यमी मौजूद रहे। उद्यमियों ने उम्मीद जताई कि एनओसी और विभागीय प्रक्रियाओं से जुड़ी समस्याओं का जल्द समाधान होने से जिले में नए उद्योग लगाने और मौजूदा औद्योगिक इकाइयों के विस्तार को गति मिलेगी।

माध्यमिक शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने उठाई कैशलेस इलाज की मांग, कैबिनेट मंत्री को सौंपा ज्ञापन

मुख्यमंत्री और माध्यमिक शिक्षा मंत्री के नाम दिया मांग पत्र, शासनादेश जल्द जारी कराने का मिला आश्वासन

मुजफ्फरनगर। माध्यमिक शिक्षणेत्तर कर्मचारी एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के प्रांतीय आह्वान पर शुक्रवार को जिले के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। जिला संयोजक सुभाष गौतम के नेतृत्व में एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार से उनके आवास पर मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने कर्मचारियों की प्रमुख मांग कैशलेस चिकित्सा सुविधा सहित अन्य समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री और माध्यमिक शिक्षा मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के नाम संबोधित ज्ञापन मंत्री को सौंपा।

लंबे समय से कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग

प्रतिनिधिमंडल ने कैबिनेट मंत्री के समक्ष कहा कि माध्यमिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षणेत्तर कर्मचारी लंबे समय से कैशलेस चिकित्सा सुविधा की मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि गंभीर बीमारी अथवा आकस्मिक चिकित्सा आवश्यकता के समय उपचार

का खर्च उठाना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। कर्मचारियों ने मांग की कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ उपलब्ध कराने के लिए शासनादेश जल्द से जल्द जारी कराया जाए, ताकि उन्हें उपचार के दौरान आर्थिक परेशानियों से राहत मिल सके।

अन्य लंबित समस्याओं के समाधान की भी मांग

ज्ञापन में कैशलेस चिकित्सा सुविधा के अलावा कर्मचारियों की अन्य लंबित समस्याओं और मांगों को भी शामिल किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कर्मचारियों से जुड़े मामलों का समयबद्ध निस्तारण होने से उन्हें काफी राहत मिलेगी और वे अपने कार्यों को अधिक बेहतर तरीके से कर सकेंगे। कर्मचारियों ने मंत्री से आग्रह किया कि उनकी मांगों को शासन स्तर तक पहुंचाकर प्रभावी कार्रवाई कराई जाए।

मंत्री बोले, मुख्यमंत्री के समक्ष रखेंगे मामला

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को जल्द ही मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा तथा शासन स्तर से आवश्यक आदेश जारी कराने के लिए प्रभावी प्रयास किया जाएगा। मंत्री के सकारात्मक रुख से कर्मचारियों में भी उम्मीद जगी। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि सरकार उनकी वर्षों पुरानी मांग पर जल्द सकारात्मक निर्णय लेगी।

सकारात्मक आश्वासन पर जताया आभार

प्रतिनिधिमंडल ने कैबिनेट मंत्री के समक्ष अपनी समस्याएं रखने के साथ ही कर्मचारी हित में शीघ्र कार्रवाई की उम्मीद जताई। मंत्री की ओर से मिले आश्वासन पर संगठन के पदाधिकारियों ने उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला संयोजक सुभाष गौतम, मनोज कुमार शर्मा, रजनीश कुमार, सलोनी, बिट्टू कुमार, सुरेश पाल और वैभव सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी एवं एसोसिएशन के सदस्य मौजूद रहे।

प्रदेश स्तरीय योगासन चैंपियनशिप में मुजफ्फरनगर का जलवा, ग्रीनलैंड योगा टीम ने जीती चैंपियनशिप ट्रॉफी

24 प्रतिभागियों ने किया शानदार प्रदर्शन, चार गोल्ड, पांच सिल्वर और चार ब्रॉन्ज समेत जीते 13 पदक; अक्टूबर में जयपुर में होगी राष्ट्रीय प्रतियोगिता

मुजफ्फरनगर। योगासन स्पोर्ट एलाइंस एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में सहारनपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप-2026 में मुजफ्फरनगर की ग्रीनलैंड योगा टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना परचम लहराया। टीम ने प्रतियोगिता में कुल 13 पदक हासिल कर न केवल जनपद का नाम रोशन किया, बल्कि चैंपियनशिप ट्रॉफी पर भी कब्जा जमाया।

प्रदेश स्तरीय इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के 48 जिलों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। मुजफ्फरनगर से जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में चयनित 24 प्रतिभागियों ने आईआईटी रुड़की कैंपस, सहारनपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और विभिन्न आयु वर्गों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदक सहित कुल 13 पदक अपने नाम किए।

योगासन स्पोर्ट एलाइंस एसोसिएशन मुजफ्फरनगर की जिला सचिव सीमा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करने वाले सभी

खिलाड़ियों को बधाई देते हुए योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य एवं उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण के चलते मुजफ्फरनगर को प्रदेश स्तर पर गौरव प्राप्त हुआ है।

इन खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण पदक

8 से 10 वर्ष बालिका वर्ग में अनिका शर्मा, 25 से 30 वर्ष बालक वर्ग में अंकुर मान एवं प्रफुल्ल कुमार तथा 45 वर्ष से अधिक बालक वर्ग में कविंद्र बालियान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया।

रजत पदक जीतने वाले खिलाड़ी

8 से 10 वर्ष बालिका वर्ग में पूर्ति दुबे एवं आराध्या त्यागी, 10 से 12 वर्ष बालक वर्ग में रितिक, 12 से 14 वर्ष बालक वर्ग में कुणाल सिंह तथा आर्टिस्टिक सोलो वर्ग में सावरनी शर्मा ने रजत पदक प्राप्त किया। कांस्य पदक विजेता 10 से 12 वर्ष बालक वर्ग में प्रात्विक शर्मा, 16 से 18 वर्ष बालक वर्ग में शिवा शर्मा, 30 से 35 वर्ष बालक वर्ग में गौरव शर्मा तथा आर्टिस्टिक सोलो वर्ग में प्रफुल्ल कुमार ने कांस्य पदक हासिल किया।

जिला सचिव सीमा सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में मुजफ्फरनगर के खिलाड़ियों ने अनुशासन, तकनीक और उत्कृष्ट योग प्रदर्शन का परिचय देते हुए प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई।

योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने बताया कि प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित सभी योग खिलाड़ी आगामी अक्टूबर माह में जयपुर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों एवं पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने प्रदेश महासचिव सुनील कुमार उर्फ आचार्य भीम एवं उनकी पूरी टीम का भी सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। प्रतियोगिता में मिली इस सफलता से योग खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है।

शिक्षक से प्राप्त होता है ज्ञान, अनुशासन और रचनात्मकता : रोटरी चैम्बर

शिक्षक सम्मान समारोह एवं जन्माष्टमी पर्व पर बच्चों ने दी मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, शिक्षिकाओं को उपहार व नकद पुरस्कार देकर किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। रोटरी क्लब मुजफ्फरनगर चैम्बर एवं इनरव्हील क्लब मुजफ्फरनगर चैम्बर के संयुक्त तत्वावधान में 3 सितंबर 2026 को शिक्षक सम्मान समारोह एवं जन्माष्टमी पर्व का भव्य आयोजन पुरुषार्थी पब्लिक स्कूल, नुमाइश कैंप में किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाओं एवं प्रधानाचार्य को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ रोटेरियन डॉ. ईश्वर चंद्रा, अनिल सोबती, अरुण खंडेलवाल, रोटरी क्लब अध्यक्ष मनोज सेठी, सचिव विनोद जलोत्रा एवं कोषाध्यक्ष राजेश गोयल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके पश्चात विद्यालय की बालिकाओं ने प्रार्थना, सरस्वती वंदना एवं गायत्री मंत्र की प्रस्तुति दी। जन्माष्टमी पर्व के अवसर पर बच्चों ने लोकगीत 'बरसाने की छोरी' पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया। इसके साथ ही भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं जन्माष्टमी पर्व पर बच्चों ने अपने विचार व्यक्त किए। शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने सामूहिक गान प्रस्तुत किया। 'वो कृष्णा है' गीत पर बच्चों का नृत्य और पंजाबी गिद्दा की प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को उत्साह एवं उल्लास से भर दिया। प्ले एवं नर्सरी कक्षा के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने भी मनोहारी प्रस्तुतियां देकर सभी का दिल जीत लिया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने शिक्षक दिवस के महत्व पर अपने विचार साझा करते हुए शिक्षकों के जीवन में महत्व एवं उनके मार्गदर्शन की भूमिका को रेखांकित किया।

इस अवसर पर रोटेरियन अनिल सोबती ने बताया कि विद्यालय के प्रधानाचार्य देवीदत्त शर्मा उनके भी

गुरु रहे हैं। उन्होंने शिक्षक के प्रति सम्मान और गुरु-शिष्य परंपरा के महत्व को साझा किया। वरिष्ठ रोटेरियन डॉ. ईश्वर चंद्रा ने विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया।

रोटरी क्लब अध्यक्ष मनोज सेठी ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक एवं रचनात्मक कार्यक्रम बच्चों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे विद्यार्थियों में रचनात्मकता बढ़ती है और उन्हें मोबाइल फोन से दूर रखकर विभिन्न गतिविधियों से जोड़ने में भी सहायता मिलती है।

कार्यक्रम के चेयरमैन कुलभूषण बजाज एवं गौरव गुप्ता रहे। इस अवसर पर अध्यापिकाओं रेनू जैन, कामिनी, गुंजन गुप्ता, अनिशा शर्मा, छवि, अनुष्का एवं पूनम सैनी तथा प्रधानाचार्य देवीदत्त शर्मा को क्लब की ओर से स्कूल ड्रेस एवं अन्य उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शानदार प्रस्तुतियां तैयार कराने वाली अध्यापिकाओं को क्लब की ओर से नकद पुरस्कार देकर भी सम्मानित किया गया।

इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष श्वेता गोयल, सचिव निधि शर्मा, कोषाध्यक्ष अंजू जलोत्रा एवं आईएसओ निशा संगल ने उपहार वितरण सहित आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम में असिस्टेंट गवर्नर विशाल कालरा, सुभाष साहनी, प्रमोद अरोरा, डॉ. विजय गुप्ता, पूनम गुप्ता, शिप्रा गुप्ता, शशि सोबती, सुनील गोयल, मधु गोयल, अजय भार्गव, मधु भार्गव, अजय गुप्ता, अरविंद संगल एवं पवन जैन सहित रोटरी क्लब के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

विद्यालय परिवार की ओर से संरक्षक कुलभूषण बजाज, संरक्षक विनोद खेड़ा, अध्यक्ष अशोक कथूरिया, प्रबंधक संजय ढींगरा, राधेश्याम अरोरा, सुरेंदर पुनियानी एवं सुभाष अरोरा का सानिध्य रहा।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए शिक्षकों को समाज निर्माण की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। आयोजन ने शिक्षक सम्मान के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, श्रीकृष्ण भक्ति और बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा का सुंदर संगम प्रस्तुत किया।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का 33वां स्थापना दिवस लखनऊ में धूमधाम से संपन्न

स्वदेशी व्यापारी कुंभ में उमड़ा व्यापारियों का सैलाब, वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने व्यापारियों को बताया अर्थव्यवस्था की रीढ़

मुजफ्फरनगर। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का 33वां स्थापना दिवस समारोह ह्यस्वदेशी व्यापारी कुंभह्व के रूप में लखनऊ स्थित अंबेडकर भवन में बड़े उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल हुए। बारिश के बावजूद खचाखच भरे सभागार ने व्यापारियों की एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना रहे। इसके अलावा आरएसएस के सतीश भाई साहब, कश्मीरी लाल एवं पटकी, अंबेडकर भवन के कुलपति राजकुमार मित्तल सहित अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

अतिथियों का स्वागत अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल, प्रदेश अध्यक्ष रिपिन कंसल, युवा प्रदेश अध्यक्ष अतुल गुप्ता, महिला इकाई की अध्यक्ष अनीता जायसवाल तथा वरिष्ठ प्रांतीय उपाध्यक्ष संजय मित्तल सहित अन्य पदाधिकारियों ने किया।

व्यापारियों से खचाखच भरे सभागार को देखकर वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इतनी भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में व्यापारियों का कार्यक्रम में पहुंचना उनकी एकजुटता और संगठन के प्रति विश्वास को दशार्ता है। उन्होंने व्यापारियों को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि व्यापारी सरकार के लिए भामाशाह की भूमिका निभाते हैं।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने कहा कि भारी संख्या में व्यापारियों की उपस्थिति से यह साबित हो गया है कि व्यापारी संगठन पर पूर्ण विश्वास रखते हैं। उन्होंने वित्त मंत्री के समक्ष व्यापारियों की समस्याओं और सुविधाओं से संबंधित कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं।

व्यापारियों की प्रमुख मांगें

आग, शॉर्ट सर्किट अथवा बाढ़ से व्यापारियों को होने वाले नुकसान पर सरकार द्वारा तत्काल मुआवजा दिया जाए।

जीएसटी के छापों पर तत्काल रोक लगाई जाए।

शिक्षक एवं स्नातक क्षेत्र की तर्ज पर व्यापारियों को भी विधानसभा एवं राज्यसभा में प्रतिनिधित्व का अवसर दिया जाए।

प्रत्येक व्यापारी को 10 लाख रुपये तक के इलाज की कैशलेस सुविधा सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जाए।

जीएसटी व्यवस्था में व्याप्त कमियों को शीघ्र दूर किया जाए।

ई-कॉमर्स क्षेत्र के लिए नियामक आयोग का गठन किया जाए।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए वह अपनी ओर से भी पूरा प्रयास करेंगे।

मुजफ्फरनगर से बड़ी संख्या में व्यापारी पहुंचे

ह्यस्वदेशी व्यापारी कुंभ में मुजफ्फरनगर से भी बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया।

इनमें संजय मित्तल, प्रमोद त्यागी, राजेंद्र सिंघल, आशुतोष गुप्ता, नीरज बंसल, अंशुमान अग्रवाल, राकेश ढींगरा, नरेश अरोड़ा, राजेश गोयल, कीमती लाल जैन, नीरज गांधी, विवेक गर्ग, विपिन गोयल, विकल्प जैन, शरद गोयल, दिनेश जैन, लवी गोयल, अमित राय जैन, प्रवीण धीमान, धारा पाल, केतन, करनावल, कुश सिंघल सहित अनेक व्यापारी शामिल रहे।

समारोह में व्यापारियों ने संगठन की एकजुटता को मजबूत करने तथा व्यापारिक हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने का संकल्प लिया।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बामनहेड़ी में जन्माष्टमी पर हुआ भव्य कार्यक्रम

मुजफ्फरनगर। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, बामनहेड़ी स्थित सेवा केंद्र पर जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भव्य एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं भाई-बहनों ने सहभागिता कर आध्यात्मिक ज्ञान एवं राजयोग का लाभ लिया।

इस अवसर पर सेवाकेंद्र की इंचार्ज ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी जयंती दीदी ने जन्माष्टमी के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन हमें पवित्रता, दिव्यता, प्रेम, सत्यता और श्रेष्ठ कर्मों की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी केवल श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव मनाने का पर्व नहीं, बल्कि अपने जीवन में दिव्य गुणों को धारण करने और आत्मिक जागृति का संदेश देने वाला पर्व है। वर्तमान समय में मनुष्य को बाहरी परिस्थितियों के साथ-साथ अपने मन को भी सकारात्मक और शक्तिशाली बनाने की आवश्यकता है। राजयोग के अभ्यास द्वारा मन को शांत, एकाग्र एवं शक्तिशाली बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम में श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की सुंदर झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। आध्यात्मिक गीतों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं और उनके जीवन संदेश को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं देते हुए प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम का वातावरण आध्यात्मिकता, उमंग और आनंद से सराबोर रहा।

कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी सरला, शालिनी, गीता, अंजू, मंजू, आदि उपस्थित रहे।

खतौली में तीन गोतस्करों लगा गैंगस्टर एक्ट: गैंग लीडर शकील समेत दो बेटे भी नामजद

पुलिस टीम पर हमले और गोहत्या के संगीन आरोप, डीएम और एसएसपी ने गैंग चार्ट को दिया अनुमोदन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कस्बा खतौली में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से खतौली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गोहत्या और पुलिस टीम पर जानलेवा हमले की गंभीर घटनाओं में शामिल तीन आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम (गैंगस्टर एक्ट) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का दावा है कि इन आरोपियों के क्षेत्र में बने भय और आतंक के माहौल को खत्म करने के लिए यह प्रशासनिक कदम उठाया गया है। बाप-बेटों का है संगठित गिरोह पुलिस द्वारा तैयार किए गए गैंग चार्ट के अनुसार, सद्दीकनगर (कस्बा खतौली) निवासी शकील पुत्र बिन्नी इस गिरोह का मुख्य गैंग लीडर है। वहीं उसके दो बेटे आजम और मोहम्मद आमिश (निवासी मोहल्ला देविदास, खतौली) इस संगठित गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, यह गिरोह अपने आर्थिक और भौतिक

लाभ के लिए गोहत्या जैसे संगीन अपराधों को अंजाम देता था। पुलिस प्रशासन द्वारा की जांच की रिपोर्ट में सामने आया कि आरोपियों का आम जनता के बीच भारी खौफ और आतंक था। इसी डर की वजह से स्थानीय लोग इनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने या अदालत में गवाही देने का साहस नहीं जुटा पाते थे। इस रिपोर्ट के आधार खतौली पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट का प्रस्ताव तैयार किया था। इस गैंग चार्ट को जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर, पुलिस अधीक्षक नगर और क्षेत्राधिकारी खतौली के स्तर से विधिवत अनुमोदन मिल गया है।

दो मुकदमों में दर्ज हैं संगीन धाराएं

थाना खतौली पुलिस के अनुसार, तीनों आरोपियों पर पहले से ही दो गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। मु0अ0सं0 71/2026: भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 331(4), 305, 317(2), 325 तथा गोवध निवारण अधिनियम के तहत मामला पंजीकृत है। मु0अ0सं0 81/2026: BNS की धारा 109(1) और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है, जिसमें पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से हमला करने का गंभीर आरोप शामिल है।

स्वरा भास्कर की टिप्पणी के विरोध में सर्व समाज की बैठक, बयान को लेकर जताया रोष

मुजफ्फरनगर। फिल्म अभिनेत्री स्वरा भास्कर द्वारा राजपूत समाज की उन महिलाओं के संबंध में की गई टिप्पणी, जिन्होंने अपने सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए जोहार किया था, को लेकर सर्व समाज में रोष है। स्वरा भास्कर द्वारा जोहार जैसे ऐतिहासिक एवं बलिदानपूर्ण निर्णय को कथित रूप से ह्लकायरता पूर्ण निर्णयह्व बताए जाने के विरोध में आज सर्व समाज की एक बैठक वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष चौहान के अग्रवाल मार्केट स्थित कार्यालय पर आयोजित की गई।

बैठक में उपस्थित लोगों ने स्वरा भास्कर की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि राजपूत समाज की वीरांगनाओं का इतिहास त्याग, साहस, स्वाभिमान और बलिदान की गाथाओं से भरा हुआ है। ऐसे ऐतिहासिक बलिदानों पर किसी भी प्रकार की अभद्र अथवा अपमानजनक टिप्पणी समाज स्वीकार नहीं करेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता सुभाष चौहान ने कहा कि राजपूत समाज की वीरांगनाओं ने अपने सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए जो बलिदान दिया, वह भारतीय इतिहास का गौरवपूर्ण अध्याय है। ऐसे बलिदान को कायरता कहना न केवल उन वीरांगनाओं का अपमान है, बल्कि हमारे इतिहास और सनातन संस्कृति का भी अपमान है। किसी भी व्यक्ति को ऐतिहासिक तथ्यों और समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए बयान देना चाहिए। हम स्वरा भास्कर की इस टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हैं और उनसे अपने बयान पर पुनर्विचार कर समाज से क्षमा मांगने की अपेक्षा करते हैं। बैठक में अनिरुद्ध सिंह, अमित पुंडीर,दिव्य प्रताप सोलंकी, दिवाकर सोलंकी, प्रतीक जी, संदीप चौहान , राजेंद्र चौधरी, राजीव चौधरी सहित सर्व समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में स्वरा भास्कर की टिप्पणी का विरोध करते हुए अपनी आपत्ति दर्ज कराई।

मीरापुर के कुतुबपुर में गाय ने दिया दो मुंह वाली बछिया को जन्म, देखने उमड़ी ग्रामीणों की भीड़

अनोखी बछिया को देखकर डेयरी संचालक भी रह गए हैरान, पशु चिकित्सक ने जांच के बाद बताया स्वस्थ

मुजफ्फरनगर। जिले के मीरापुर क्षेत्र के कुतुबपुर गांव में एक अनोखा मामला सामने आया है, जिसने ग्रामीणों के बीच कौतूहल पैदा कर दिया। गांव में एक गाय ने ऐसी बछिया को जन्म दिया है जिसके दो मुंह हैं। नवजात बछिया को देखने के लिए आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में डेयरी पर पहुंच रहे हैं। लोग इस अनोखी बछिया की तस्वीरें और वीडियो बनाते नजर आए।

डेयरी संचालक आशिफ की गाय ने दिया जन्म

जानकारी के अनुसार, कुतुबपुर गांव निवासी आशिफ पुत्र हारून पशु चिकित्सक हैं और गांव में उनकी दूध की डेयरी भी है। आशिफ ने अपने यहां कई गायें पाल रखी हैं। बताया गया कि गुरुवार को उनकी एक गाय ने एक अनोखी बछिया को जन्म दिया। जन्म के बाद जब आशिफ ने नवजात बछिया को देखा तो उसके दो मुंह देखकर वह भी हैरान रह गए।

जांच में स्वस्थ मिली बछिया

बछिया के दो मुंह देखकर आशिफ ने स्वयं उसका चेकअप किया। प्रारंभिक जांच में बछिया पूरी तरह स्वस्थ बताई गई। खास बात यह है कि नवजात बछिया दोनों मुंह से सामान्य रूप से सांस ले रही है।

अनोखी बछिया के जन्म की जानकारी मिलते ही यह खबर तेजी से गांव और आसपास के क्षेत्र में फैल गई।

डेयरी पर जुटी ग्रामीणों की भीड़

दो मुंह वाली बछिया को देखने के लिए कुछ ही समय में आशिफ की डेयरी पर ग्रामीणों की भीड़ जुटने लगी। आसपास के लोग अपने बच्चों और परिवार के सदस्यों के साथ बछिया को देखने पहुंचे। लोगों में इस अनोखे जन्म को लेकर काफी उत्सुकता दिखाई दी। कई ग्रामीणों ने बछिया की तस्वीरें और वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किए।

इलाके में बना कौतूहल का विषय

कुतुबपुर गांव में दो मुंह वाली बछिया के जन्म की खबर फिलहाल चर्चा का विषय बनी हुई है। लोग दूर-दूर से इसे देखने पहुंच रहे हैं। वहीं पशुपालक और ग्रामीण भी बछिया की स्थिति को लेकर लगातार जानकारी लेते नजर आ रहे हैं। डेयरी संचालक आशिफ के मुताबिक, जन्म के बाद बछिया की हालत सामान्य और स्वस्थ दिखाई दे रही है तथा वह दोनों मुंह से सांस ले रही है। मामले ने गांव में लोगों की उत्सुकता बढ़ा दी है और कुतुबपुर में यह अनोखी बछिया आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

रोनी हाजीपुर के जंगल में फिर दिखा तेंदुआ: कार सवार ने बनाया वीडियो, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

वन विभाग की ढिलाई और उदासीन रवैये पर ग्रामीणों ने कड़ा रोष जताया

चरथावल (मुजफ्फरनगर)। चरथावल क्षेत्र के गांव रोनी हाजीपुर के जंगल में एक बार फिर तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में भारी दहशत फैल गई है। बुधवार रात सुनसान सड़क किनारे तेंदुए को चहलकदमी करते देखा गया। कार से लौट रहे ग्रामीणों ने गाड़ी रोककर मोबाइल में तेंदुए का वीडियो बना लिया, जो अब क्षेत्र में तेजी से वायरल हो रहा है। लगातार तेंदुए की आवाजाही से किसान और ग्रामीण खेतों में काम पर जाने से कतरा रहे हैं।

बाबा धीर सिंह पुंडीर की मूर्ति के पास दिखा तेंदुआ

हालांकि यह घटना बुधवार देर रात की है, जब गांव के निवासी राजू अपनी कार से बिरालसी मार्ग होकर वापस लौट रहे थे। तो उन्हें तेंदुआ नजर आया, जिसका विडियो भी बनाया गया। दरअसल रोनी हाजीपुर गांव के निकट बिरालसी मार्ग पर स्थित बाबा धीर सिंह पुंडीर की मूर्ति के पास अचानक तेंदुआ सड़क किनारे दिखाई दिया। गाड़ी में सवार लोगों ने बिना देर किए कार रोक ली और मोबाइल कैमरे में तेंदुए की गतिविधियों को कैद कर लिया। वहीं घटना के बाद से ही ग्रामीणों में इस बात का डर बैठ गया है कि तेंदुआ किसी भी वक्त आबादी या खेतों में काम कर रहे किसानों पर हमला कर सकता है।

लाठी-डंडे और भाले लेकर खेतों में पहुंचे ग्रामीण

गुरुवार तड़के जैसे ही तेंदुए के वीडियो और उसकी मौजूदगी की खबर गांव में फैली, ग्रामीणों के चेहरे पर खौफ साफ देखने को मिला। स्थानीय ग्रामीण विकास शर्मा ने बताया कि अक्सर रात और अलसुबह तेंदुआ दिखाई दे जाता है। वन विभाग की उदासीनता के कारण पूरे गांव को डर के साये में जीने को मजबूर होना पड़ रहा है। किसान खेतों में अकेले जाने से डर रहे हैं। सुरक्षा के लिहाज से गुरुवार अलसुबह किसान समूह बनाकर हाथों में लाठी-डंडे और भाले लेकर अपने-अपने खेतों की तरफ रवाना हुए।

वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

गांव के प्रधान और स्थानीय निवासियों ने वन विभाग की ढिलाई और उदासीन रवैये पर कड़ा रोष जताया है। ग्राम प्रधान विनोद पुंडीर ने बताया कि वन विभाग को समय-समय पर तेंदुए की मौजूदगी की जानकारी दी गई है, लेकिन अब तक कोई पुख्ता और ठोस कदम नहीं उठाया गया है। कार सवार द्वारा बनाया गया वीडियो इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि क्षेत्र में तेंदुए की सक्रियता लगातार बनी हुई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द एक्सपर्ट टीम भेजकर तेंदुए को पकड़वाया जाए।

मुजफ्फरनगर की कैंटीन में युवक पर चार युवकों का हमला: अंगूठी-चेन देने से इनकार पर पीटा, केस दर्ज

जानसठ रोड पुल के नीचे शराब ठेके की कैंटीन का मामला

मुजफ्फरनगर। थाना नई मंडी क्षेत्र स्थित जानसठ रोड पुल के नीचे शराब के ठेके की कैंटीन में एक युवक के साथ मारपीट और उसकी अंगूठी व चेन छीनने के प्रयास किया। कैंटीन में बैठे चार दबंगों ने 26 वर्षीय युवक से उसकी सोने की अंगूठी व चेन उतारकर देने को कहा। जब युवक ने विरोध किया तो चारों आरोपियों ने एक राय होकर उस पर हमला कर दिया और जमकर मारपीट की। शोर मचने पर आसपास के लोगों को आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित के पिता की तहरीर पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अंगूठी और चेन मांगने पर शुरू हुआ विवाद

पुलिस को दी तहरीर में प्रेमपुरी (मुजफ्फरनगर) निवासी हीरा लाल पुत्र स्व. जयदेव सिंह ने बताया कि उनका 26 वर्षीय पुत्र रितिक 31 अगस्त 2026 की शाम करीब 7 बजे जानसठ रोड पुल के नीचे कैंटीन में गया था। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद चार युवकों ने रितिक से उसकी अंगूठी और चेन उतारकर उन्हें देने का दबाव बनाया। जब रितिक ने अपनी अंगूठी और चेन देने से साफ इनकार कर दिया, तो चारों युवकों ने गाली-गलौज करते हुए उस पर हमला बोल दिया। आरोपियों ने मिलकर रितिक को लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा, जिससे उसके शरीर पर गंभीर चोटें आईं। अपनी जान बचाने के लिए रितिक ने शोर मचाना शुरू कर दिया। रितिक की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग व राहगीर तुरंत कैंटीन की ओर दौड़ पड़े।

लोगों को अपनी तरफ आता देख चारों आरोपी घबरा गए और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग खड़े हुए।

सहारनपुर और मुजफ्फरनगर के चार युवक नामजद

पीड़ित के पिता की लिखित तहरीर पर थाना नई मंडी पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। नामजद किए गए आरोपियों अमन तायल पुत्र पुनित तायल (निवासी ए टू जेड कॉलोनी, नई मंडी, मुजफ्फरनगर), सार्थक पुत्र सुधीर (निवासी मायाहेड़ी नांगल, देवबंद, सहारनपुर), शिवम पुत्र बृजमोहन (निवासी शास्त्री चौक, देवबंद, सहारनपुर)स और सक्षम पुत्र बोबी (निवासी सरसीना, नांगल, सहारनपुर) शामिल हैं।

सीसीटीवी और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई

नई मंडी पुलिस का कहना है कि पीड़ित का डॉक्टरी परीक्षण कराकर मेडिकल रिपोर्ट जुटाई जा रही है। साथ ही कैंटीन व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि घटनाक्रम के साक्ष्य जुटाकर आरोपियों की गिरफ्तारी की जा सके।

मुजफ्फरनगर में विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां तेज: ईवीएम और वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच शुरू

2 से 19 सितंबर तक चलेगी जांच प्रक्रिया, इंजीनियरों की निगरानी में परखी जा रहीं मशीनें

मुजफ्फरनगर। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2027 को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में चुनाव में प्रयोग की जाने वाली इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवीपैट (वीवीपीएटी) की प्रथम स्तरीय जांच का कार्य विधिवत शुरू कर दिया गया है। निमार्ता कंपनी के अधिकृत इंजीनियर कर रहे मशीनों की जांच

अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी देश दीपक सिंह ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार किसी भी चुनाव से पूर्व ईवीएम और वीवीपैट का गहन परीक्षण कराया जाता है। मुजफ्फरनगर जिला निर्वाचन कार्यालय परिसर में स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस में इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अभियंताओं की टीम इस जांच को अंजाम दे रही है। प्रथम स्तरीय जांच प्रक्रिया 2 सितंबर 2026 से शुरू हुई है और इसके 19 सितंबर 2026 तक चलने की संभावना है।

जांच में खरी उतरने वाली मशीनें ही चुनाव में होंगी प्रयोग

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भारत निर्वाचन आयोग की नियमावली में तय मानकों और विस्तृत प्रक्रिया के तहत ही प्रत्येक मशीन को परखा जा रहा है। इस एफएलसी प्रक्रिया में जो मशीनें तकनीकी रूप से पूरी तरह सही और सफल पाई जाएंगी, केवल उन्हीं मशीनों को आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

पारदर्शिता के लिए राजनीतिक दलों को निरीक्षण का न्योता

निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों को भी जांच प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर दिया गया है।

जिला प्रशासन ने 29 अगस्त 2026 को ही सभी प्रमुख दलों को लिखित पत्र भेजकर अपने अधिकृत प्रतिनिधियों को निरीक्षण के लिए भेजने का अनुरोध किया था।

तीन स्तरों पर होगी पूरी प्रक्रिया की कड़ी निगरानी

ईवीएम और वीवीपैट की एफएलसी प्रक्रिया पर जिला निर्वाचन अधिकारी के अलावा मुख्य निर्वाचन अधिकारी (उत्तर प्रदेश) और सीधे भारत निर्वाचन आयोग के स्तर से पैनी नजर रखी जा रही है। जिला प्रशासन का उद्देश्य आगामी चुनावों के लिए पूरी वोटिंग प्रक्रिया को पूरी तरह निष्पक्ष और त्रुटिहीन बनाना है।

मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन की पार्किंग से टीसी की बाइक चोरी: स्प्लेंडर प्लस लेकर चंपत हुआ चोर

सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच की शुरू

मुजफ्फरनगर। थाना सिविल लाइन क्षेत्र स्थित रेलवे स्टेशन पार्किंग परिसर से एक टिकट चेकर की बाइक चोरी हो गई। पीड़ित कर्मचारी की तहरीर के आधार पर सिविल लाइन पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

पार्किंग में खड़ी कर ड्यूटी पर गए थे टीसी पुलिस को दी गई शिकायत में आनंदपुरी (मुजफ्फरनगर) निवासी मनोज कुमार पुत्र मांगेराम ने बताया कि वह रेलवे में टिकट चेकर (टीसी) के पद पर कार्यरत हैं। बीती 30 अगस्त 2026 को सुबह करीब 8:30 बजे वह अपनी स्प्लेंडर प्लस बाइक से मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। उन्होंने अपनी बाइक को स्टेशन की रेलवे पार्किंग में सुरक्षित खड़ा किया और

ड्यूटी पर चले गए। जब वह दोपहर करीब 12 बजे जब अपनी ड्यूटी खत्म करके वापस पार्किंग परिसर पहुंचा, तो अपनी बाइक गायब गायब देखकर होश उड़ गये। उन्होंने आसपास के क्षेत्र में बाइक की काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। पीड़ित ने आशंका जताई कि किसी अज्ञात शातिर चोर ने पार्किंग में खड़ी उनकी बाइक उड़ा ली है।सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस घटना की सूचना मिलते ही सिविल लाइन पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि स्टेशन परिसर और पार्किंग के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि चोर की पहचान की जा सके और चोरी गई बाइक को जल्द बरामद किया जा सके।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को समर्पित

भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस और उनकी स्मृति के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला 'शिक्षक दिवस' एक पर्व की तरह है, जो शिक्षक समुदाय के मान–सम्मान को बढ़ाता है। कहा जाता है कि किसी भी पेशे की तुलना अध्यापन से नहीं की जा सकती। ये दुनिया का सबसे नेक कार्य है। पूरे भारत में शिक्षक दिवस के रुप में इस दिन को मनाने के द्वारा 5 सितंबर को अध्यापन पेशे को समर्पित किया गया है। शिक्षकों को सम्मान देने और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस को याद करने के लिये हर साल इसे मनाया जाता है। देश के विकास और समाज में हमारे शिक्षकों के योगदान के साथ ही अध्यापन पेशे की महानता को उल्लेखित करने के लिये हमारे पूर्व राष्ट्रपति के जन्मदिवस को समर्पित किया गया है। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था और 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के द्वारा दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरुआत की।उन्होंने देश में बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया है। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें अपने बहुमूल्य सेवा की पहचान के लिये 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन के अध्यक्ष के रुप में नियुक्त किया गया। 1962 से शिक्षक दिवस के रुप में 5 सितंबर को मनाने की शुरुआत हुई। अपने महान कार्यों से देश की लंबे समय तक सेवा करने के बाद 17 अप्रैल 1975 को इनका निधन हो गया।

रोचक जानकारी

- भारत में जहाँ 'शिक्षक दिवस' 5 सितंबर को मनाया जाता है, वहीं 'अन्तरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस' का आयोजन 5 अक्टूबर को होता है।
- रोचक तथ्य यह भी है कि शिक्षक दिवस दुनिया भर में मनाया जाता है, लेकिन सबने इसके लिए एक अलग दिन निर्धारित किया है। कुछ देशों में इस दिन अवकाश रहता है तो कहीं–कहीं यह कामकाजी दिन ही रहता है।
- यूनेस्को ने 5 अक्टूबर को 'अन्तरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस' घोषित किया था। साल 1994 से ही इसे मनाया जा रहा है। शिक्षकों के प्रति सहयोग को बढ़ावा देने और भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शिक्षकों के महत्व के प्रति जागरूकता लाने के मकसद से इसकी शुरुआत की गई थी।
- चीन में 1931 में 'नेशनल सेंट्रल यूनिवर्सिटी' में शिक्षक दिवस की शुरूआत की गई थी। चीन सरकार ने 1932 में इसे स्वीकृति दी। बाद में 1939 में कन्फ्यूशियस के जन्मदिवस, 27 अगस्त को शिक्षक दिवस घोषित किया गया, लेकिन 1951 में इस घोषणा को वापस ले लिया गया।
- साल 1985 में 10 सितम्बर को शिक्षक दिवस घोषित किया गया। अब चीन के ज्यादातर लोग फिर से चाहते हैं कि कन्फ्यूशियस का जन्म दिवस ही शिक्षक दिवस हो।
- रूस में 1965 से 1994 तक अक्टूबर महीने के पहले रविवार के दिन शिक्षक दिवस मनाया जाता रहा। साल 1994 से विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को ही मनाया जाने लगा।
- अमेरिका में मई के पहले पूर्ण सप्ताह के मंगलवार को शिक्षक दिवस घोषित किया गया है और वहाँ सप्ताह भर इसके आयोजन होते हैं।
- थाइलैंड में हर साल 16 जनवरी को 'राष्ट्रीय शिक्षक दिवस' मनाया जाता है। यहाँ 21 नवंबर, 1956 को एक प्रस्ताव लाकर शिक्षक दिवस को स्वीकृति दी गई थी। पहला शिक्षक दिवस 1957 में मनाया गया था। इस दिन यहाँ स्कूलों में अवकाश रहता है।
- ईरान में वहाँ के प्रोफेसर अयातुल्लाह मोर्तेजा मोतेहारी की हत्या के बाद उनकी याद में 2 मई को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। मोतेहारी की 2 मई, 1980 को हत्या कर दी गई थी।
- तुर्की में 24 नवंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। वहाँ के पहले राष्ट्रपति कमाल अतातुर्क ने यह घोषणा की थी।
- मलेशिया में शिक्षक दिवस 16 मई को मनाया जाता है, वहाँ इस खास दिन को 'हरि गुरु' कहते हैं।

गुरु की महत्ता बताने वाला दिन शिक्षक दिवस

शिक्षक विद्यार्थियो के जीवन के वास्तविक कुम्हार होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। इस वजह से हमारा राष्ट्र ढ़ेर सारे प्रकाश के साथ प्रबुद्ध हो सकता है। इसलिये, देश में सभी शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। अपने शिक्षकों के महान कार्यों के बराबर हम उन्हें कुछ भी नहीं लौटा सकते हालाँकि, हम उन्हें सम्मान और धन्यावाद दे सकते हैं। हमें पूरे दिल से ये प्रतिज्ञा करनी चाहिये कि हम अपने शिक्षक का सम्मान करेंगे क्योंकि बिना शिक्षक के इस दुनिया में हम सभी अधूरे हैं। शिक्षक दिवस गुरु की महत्ता बताने वाला प्रमुख दिवस है। भारत में 'शिक्षक दिवस' प्रत्येक वर्ष 5 सितम्बर को मनाया जाता है। शिक्षक का समाज में आदरणीय व सम्माननीय स्थान होता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार गुरु पूर्णिमा के दिन को 'गुरु दिवस' के रूप में स्वीकार किया गया है। बहुत सारे कवियों, गद्यकारों ने कितने ही पन्ने गुरु की महिमा में रंग डाले हैं।

गुरु गोविंद दोउ खड़े काके लागू पाय।
बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताय।।

कबीरदास की उक्त पंक्तियाँ जीवन में गुरु के महत्त्व को वर्णित करने के लिए काफी हैं। भारत में प्राचीन समय से ही गुरु व शिक्षक परंपरा चली आ रही है। गुरुओं की महिमा का वृत्तांत ग्रंथों में भी मिलता है। जीवन में माता–पिता का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता, क्योंकि वे ही हमें इस रंगीन खूबसूरत दुनिया में लाते हैं। उनका ऋण हम किसी भी रूप में उतार नहीं सकते, लेकिन जिस समाज में रहना है, उसके योग्य हमें केवल शिक्षक ही बनाते हैं। यद्यपि परिवार को बच्चे के प्रारंभिक विद्यालय का दर्जा दिया जाता है, लेकिन जीने का असली सलीका उसे शिक्षक ही सिखाता है। समाज के शिल्पकार कहे जाने वाले शिक्षकों का महत्त्व यहीं समाप्त नहीं होता, क्योंकि वह ना सिर्फ विद्यार्थी को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं, बल्कि उसके सफल जीवन की नींव भी उन्हीं के हाथों द्वारा रखी जाती है।

शिक्षक का मान–सम्मान

गुरु, शिक्षक, आचार्य, अध्यापक या टीचर ये सभी शब्द एक ऐसे व्यक्ति को व्याख्यातित करते हैं, जो सभी को ज्ञान देता है, सिखाता है। इन्हीं शिक्षकों को मान–सम्मान, आदर तथा धन्यवाद देने के लिए एक दिन निर्धारित है, जो की 5 सितंबर को 'शिक्षक दिवस' के रूप में जाना जाता है। सिर्फ धन को देकर ही शिक्षा हासिल नहीं होती, बल्कि अपने गुरु के प्रति आदर, सम्मान और विश्वास, ज्ञानार्जन में बहुत सहायक होता है। 'शिक्षक दिवस' कहने–सुनने में तो बहुत अच्छा प्रतीत होता है, लेकिन क्या हम इसके महत्त्व को समझते हैं। शिक्षक दिवस का मतलब साल में एक दिन अपने शिक्षक को भेंट में दिया गया एक गुलाब का फूल या कोई भी उपहार नहीं है और यह शिक्षक दिवस मनाने का सही तरीका भी नहीं है। यदि शिक्षक दिवस का सही महत्त्व समझना है तो सर्वप्रथम हमेशा इस बात को ध्यान में रखें कि आप एक छात्र हैं और उम्र में अपने शिक्षक से काफी छोटे है। और फिर हमारे संस्कार भी तो यही सिखाते है कि हमें अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए। अपने गुरु का आदर–सत्कार करना चाहिए। हमें अपने गुरु की बात को ध्यान से सुनना और समझना चाहिए। अगर अपने क्रोध, ईर्ष्या को त्याग कर अपने अंदर संयम के बीज बोएं तो निश्चित ही हमारा व्यवहार हमें बहुत ऊँचाइयों तक ले जाएगा और तभी हमारा 'शिक्षक दिवस' मनाने का महत्त्व भी सार्थक होगा।

प्रेरणा स्त्रोत

संत कबीर के शब्दों से भारतीय संस्कृति में गुरु के उच्च स्थान की झलक मिलती है। भारतीय बच्चे प्राचीन काल से ही आचार्य देवो भव : का बोध–वाक्य सुनकर ही बड़े होते हैं। माता–पिता के नाम के कुल की व्यवस्था तो सारे विश्व के मातृ या पितृ सत्तात्मक समाजों में चलती है, परन्तु गुरुकुल का विधान भारतीय संस्कृति की अनूठी विशेषता है। कच्चे घड़े की भांति स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को जिस रूप में ढालो, वे ढल जाते हैं। वे स्कूल में जो सीखते हैं या जैसा उन्हें सिखाया जाता है, वे वैसा ही व्यवहार करते हैं। उनकी मानसिकता भी कुछ वैसी ही बन जाती है, जैसा वह अपने आस–पास होता देखते हैं। सफल जीवन के लिए शिक्षा बहुत उपयोगी है, जो गुरु द्वारा प्रदान की जाती है। गुरु का संबंध केवल शिक्षा से ही नहीं होता, बल्कि वह तो हर मोड़ पर अपने छात्र का हाथ थामने के लिए तैयार रहता है। उसे सही सुझाव देता है और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है।

माली रूपी शिक्षक

शिक्षक उस माली के समान है, जो एक बगीचे को भिन्न–भिन्न रूप–रंग के फूलों से सजाता है। जो छात्रों को कांटों पर भी मुस्कुराकर चलने को प्रोत्साहित करता है। उन्हें जीने की वजह समझाता है। शिक्षक के लिए सभी छात्र समान होते हैं और वह सभी का कल्याण चाहता है। शिक्षक ही वह धुरी होता है, जो विद्यार्थी को सही–गलत व अच्छे–बुरे की पहचान करवाते हुए बच्चों की अंतर्निहित शक्तियों को विकसित करने की पृष्ठभूमि तैयार करता है। वह प्रेरणा की फुहारों से बालक रूपी मन को सींचकर उनकी नींव को मजबूत करता है तथा उसके सर्वांगीण विकास के लिए उनका मार्ग प्रशस्त करता है। किताबी ज्ञान के साथ नैतिक मूल्यों व संस्कार रूपी शिक्षा के माध्यम से एक गुरु ही शिष्य में अच्छे चरित्र का निर्माण करता है।ऐसी परंपरा हमारी संस्कृति में थी, इसलिए कहा गया है कि–

गुरु ब्रह्मा, गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वर :।
गुरु : साक्षात परब्रह्म तस्मै : श्री गुरुवे : नम :।

कई ऋषि–मुनियों ने अपने गुरुओं से तपस्या की शिक्षा को पाकर जीवन को सार्थक बनाया। एकलव्य ने द्रोणाचार्य को अपना मानस गुरु मानकर उनकी प्रतिमा को अपने सक्षम रख धनुर्विद्या सीखी। यह उदाहरण प्रत्येक शिष्य के लिए प्रेरणादायक है।

शिक्षक दिवस गुरु की महत्ता बताने वाला प्रमुख दिवस है। भारत में 'शिक्षक दिवस' प्रत्येक वर्ष 5 सितम्बर को मनाया जाता है। शिक्षक का समाज में आदरणीय व सम्माननीय स्थान होता है। भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस और उनकी स्मृति के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला 'शिक्षक दिवस' एक पर्व की तरह है, जो शिक्षक समुदाय के मान-सम्मान को बढ़ाता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार गुरु पूर्णिमा के दिन को 'गुरु दिवस' के रूप में स्वीकार किया गया है। विश्व के विभिन्न देश अलग-अलग तारीखों में शिक्षक दिवस को मानते हैं। शिक्षक दिवस अपने गुरुओं के सम्मान में मनाया जाता है। इस दिन प्रत्येक छात्र को अपने गुरु को मान-सम्मान देने और उनकी आज्ञा मानने का प्रण लेना चाहिए।

गुरु–शिष्य परंपरा

गुरु–शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक अहम और पवित्र हिस्सा है, जिसके कई स्वर्णिम उदाहरण इतिहास में दर्ज हैं। लेकिन वर्तमान समय में कई ऐसे लोग भी हैं, जो अपने अनैतिक कारनामों और लालची स्वभाव के कारण इस परंपरा पर गहरा आघात कर रहे हैं। 'शिक्षा' जिसे अब एक व्यापार समझकर बेचा जाने लगा है, किसी भी बच्चे का एक मौलिक अधिकार है, लेकिन अपने लालच को शांत करने के लिए आज तमाम शिक्षक अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। इतना ही नहीं वर्तमान हालात तो इससे भी बदतर हो गए हैं, क्योंकि शिक्षा की आड़ में कई शिक्षक अपने छात्रों का शारीरिक और मानसिक शोषण करने को अपना अधिकार ही मान बैठे हैं। किंतु कुछ ऐसे गुरु भी हैं, जिन्होंने हमेशा समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। प्राय : सख्त और अक्खड़ स्वभाव वाले यह शिक्षक अंदर से बेहद कोमल और उदार होते हैं। हो सकता है कि किसी छात्र के जीवन में कभी ना कभी एक ऐसे गुरु या शिक्षक का आगमन हुआ हो, जिसने उसके जीवन की दिशा बदल दी या फिर जीवन जीने का सही ढंग सिखाया हो।

शिक्षक दिवस की रोचक जानकारी

भारत में जहाँ 'शिक्षक दिवस' 5 सितंबर को मनाया जाता है, वहीं 'अन्तरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस' का आयोजन 5 अक्टूबर को होता है। रोचक तथ्य यह भी है कि विश्व के विभिन्न देश अलग–अलग तारीखों में 'शिक्षक दिवस' को मानते हैं। कुछ देशों में इस दिन अवकाश रहता है तो कहीं–कहीं यह कामकाजी दिन ही रहता है। यूनेस्को ने 5 अक्टूबर को 'अन्तरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस' घोषित किया था। साल 1994 से ही इसे मनाया जा रहा है। शिक्षकों के प्रति सहयोग को बढ़ावा देने और भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शिक्षकों के महत्व के प्रति जागरूकता लाने के मकसद से इसकी शुरुआत की गई थी। चीन में 1931 में 'नेशनल सेंट्रल यूनिवर्सिटी' में शिक्षक दिवस की शुरूआत की गई थी। चीन सरकार ने 1932 में इसे स्वीकृति दी। बाद में 1939 में कन्फ्यूशियस के जन्मदिवस, 27 अगस्त को शिक्षक दिवस घोषित किया गया, लेकिन 1951 में इस घोषणा को वापस ले लिया गया।

शिक्षक के योगदान को महसूस करने और जताने का दिन

शिक्षक हमें शिक्षा और ज्ञान के जरिए बेहतर व्यक्ति बनने के लिए तैयार करता है। शिक्षक की कोशिशों और योगदान को पहचानने का ही दिन है शिक्षक दिवस। छात्रों को यह महसूस होना चाहिए और शिक्षक दिवस ही उन्हें यह मौका देता है। यह वह दिन है जब छात्र अपने शिक्षकों के सामने वचन लेता है कि उनकी कोशिशों को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। हमें यह भी वचन देना होगा कि उन्होंने जो भी हमें सकारात्मक मूल्य सिखाए हैं, हम उनका सदैव पालन करेंगे। एक शिक्षक के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार वह होता है, जब उसका छात्र आदर्श नागरिक बनकर उभरता है। जिंदगी के बाद के पड़ाव में जिस भी क्षेत्र को चुनता है, उसमें ऊंचाई हासिल करता है। हालांकि, यह एक दिन ऐसा है जब शिक्षक को भी लगता है कि उसे प्यार मिलना चाहिए। उसे छात्रों से सम्मान और प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इस वजह से छात्र यदि एक दिन अतिरिक्त मेहनत करते हुए शिक्षक को खास महसूस कराते हैं तो उसका स्वागत होना चाहिए।

जब एक छात्र खुद शिक्षक बनता है

शिक्षक दिवस पर भूमिकाएं बदल जाती है। स्कूल के सीनियर बच्चे शिक्षकों की भूमिका निभाते हैं और एक दिन के लिए स्कूल संभालते हैं। यह एक दिन होता है, जब शिक्षक अपनी सीट पर बैठकर छात्रों को शिक्षकों की जिम्मेदारी का अनुभव करने देते हैं। ताकि उन्हें पता चले कि शिक्षकों पर रोजाना कितना दबाव रहता है। सीनियर छात्र को जूनियर कक्षाओं में पढ़ाने को कहा जाता है। एक छात्र को जीवनभर यह दिन याद रहता है। इस दिन उसने क्या जिम्मेदारी संभाली थी और किस तरह कुछ खास काम अपने हाथ में लिया था, वह बरसो तक उसे याद रहता है। जब पूर्व–छात्रों का सम्मेलन होता है और उनके बीच इसी दिन की चर्चा होती है। ऐसे में आप भी इस दिन को अच्छे–से प्लान कीजिए और पूरा कार्यक्रम तय कीजिए।

शिक्षक दिवस पर उपहार में क्या दें

छात्र शिक्षक दिवस पर अपने पसंदीदा शिक्षकों के लिए खास उपहार लाना पसंद करते हैं। वे अपने शिक्षक को अपनी ओर से सम्मान व्यक्त करते हैं। आज इंटरनेट के इस युग में, उपहार में क्या दिया जाए और क्या नहीं, इसके लिए सैकड़ों लेख मिल जाएंगे। हालांकि, यह ध्यान में रखने की जरूरत है कि एक शिक्षक को इस बात से फर्क नहीं पड़ता कि आपका उपहार कितना महंगा है, बल्कि आप एक शिक्षक के तौर पर जो कोशिश करते हैं, वह उन्हें ज्यादा अच्छा लगता है। शिक्षक हमेशा हाथों से बने उपहार को पसंद करते हैं। फिर चाहे वह कार्ड हो या पेपर से बनी कोई वस्तु। उन्हें ऐसा सामान अच्छा लगता है, जो निश्चित समय के लिए न हो। आप कप दे सकते हैं और सोविनियर भी, जिस पर आपके शिक्षक का नाम या चित्र हो। साथ ही उस पर आपका, आपकी कक्षा और वर्ष का जिक्र हो। बेहतर होगा यदि आप उसके साथ एक छोटा–सा 'थैंक यू' संदेश भी दे। जिसमें शिक्षक दिवस और तारीख का जिक्र हो। इस तरह शिक्षक अपने उपहार को सुरक्षित रख सकते हैं। इससे शिक्षक को आपके नाम के साथ ही आप किस बैच में पढ़े थे, यह याद करने में आसानी होगी। याद रखिए उसे कम खर्चीला और सरल ही रखें। शिक्षक आपके उपहार में आपकी भावनाएं देखेगा, उसकी कीमत नहीं।

गुर्जर समाज की हुंकार, 29 अक्टूबर को तालकटोरा स्टेडियम पहुंचने का संकल्प

नोएडा। होटल रॉयल माइलस्टोन रिजॉर्ट, ग्वालियर में होतम सिंह द्वारा गुर्जर समाज की सामाजिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पूर्व विधायक सोबरन सिंह गुर्जर ने की तथा संचालन बृजमोहन ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री एवं अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी उपस्थित रहे।

बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केपी सिंह कसाना, सविंदर भाटी, जयप्रकाश विकल, रामकेश चपराना, मध्य प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र पटेल, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी, जगबीर दौला, वीरेंद्र बिधूड़ी, मनवीर नागर, सुनील भाटी, प्रेम कृष्ण आर्य और अरुण भाटी सहित महासभा के अनेक पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बैठक में वक्ताओं ने राजस्थान में हुए ऐतिहासिक गुर्जर आरक्षण आंदोलन को स्मरण करते हुए हिंडौन सिटी के रेल रोको आंदोलन तथा समाज के अधिकारों के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले 73 वीर गुर्जर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि गुर्जर समाज के संघर्ष और बलिदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर समाज को शिक्षा, व्यवसाय, राजनीति, संगठन और आपसी भाईचारे के क्षेत्र में और मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही अखिल भारतीय गुर्जर महासभा द्वारा समाज के होनहार एवं प्रतिभाशाली बच्चों को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए मंच और सहयोग प्रदान करने का संकल्प लिया गया।

बैठक में 13 सितंबर को गुर्जर सम्राट मिहिर भोज जयंती को 'राष्ट्रीय गुर्जर दिवस' के रूप में मनाने पर भी जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के गौरवशाली इतिहास और महापुरुषों के योगदान से युवा पीढ़ी को परिचित कराना आवश्यक है।

वहीं आगामी 29 अक्टूबर को सरदार पटेल जयंती के अवसर पर दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित गुर्जर स्वाभिमान रैली को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया गया। बैठक में उपस्थित प्रतिनिधियों ने संकल्प लिया कि मध्य प्रदेश से भारी संख्या में समाज के लोग दिल्ली पहुंचकर अपनी एकता और सामाजिक शक्ति का प्रदर्शन करेंगे।

इस दौरान ग्वालियर विधायक साहब सिंह गुर्जर, मुरैना विधायक दिनेश गुर्जर, दतिया विधायक घनश्याम सिंह, राकेश कसाना, राम बहादुर सिंह, पंजाब सिंह, अवतार सिंह, कैप्टन हेबरन सिंह, देवेंद्र गुर्जर, मेहताब सिंह, सत्येंद्र घुरैया, प्रमोद सिंह, हीरा गुर्जर, प्रद्युमन सिंह, सहित सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

हरे कृष्णा हरे राम के भजनों पर झूमे भक्त

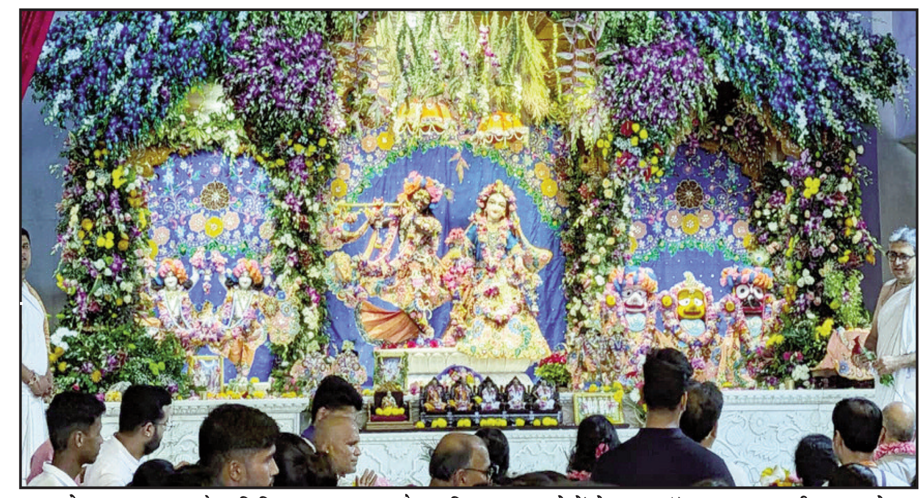

नोएडा। शहर के विभिन्न सेक्टर व सोसाइटी में शुक्रवार को धूमधाम के साथ जन्माष्टमी का पर मनाया गया। वहीं, मंदिरों में जन्माष्टमी को लेकर भव्य आयोजन किए गए। रात को 12 बजे भगवान के जन्म के समय अभिषेक के बाद महा आरती की गई। इस दौरान लोग हर एक कृष्णा हरे राम के भजनों पर झूमते रहे। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गौर सिटी 1 और 2 राधा स्काई गार्डन सहित विभिन्न सोसाइटी में शुक्रवार को जन्माष्टमी को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों को भगवान श्री कृष्ण की ड्रेस पहनकर तैयार किया गया। लोगों ने जन्माष्टमी का व्रत रखा।

इस दौरान लड्डू गोपाल को घरों में नए आभूषण और वस्त्र पहन कर सजाकर विराजमान किया गया, जिसके बाद उन्हें भोग लगाकर लोगों ने अपने व्रत की शुरुआत की। वहीं, पूरे दिन लोगों ने भगवान श्री कृष्ण के भजन और गीतों को सुना। साथ ही, मंदिरों में विशेष आयोजन किए गए। मंदिरों को पुष्पों से सजाया गया। वहीं, शहर में रात के समय लोगों ने झांकियां का लुफ्त उठाया और अपने परिवार के साथ मंदिरों में जाकर दर्शन किए।ग्रेटर नोएडा जीटा 1 स्थित इस्कॉन द्वारा जन्माष्टमी का आयोजन किया गया। इस दौरान भगवान श्री कृष्ण को भव्य सिंगार किया गया। साथ ही, लोगों के लिए मेले का आयोजन किया गया। भगवान श्री कृष्णा पर आधारित एक गैलरी बनाई गई। शाम 7:30 बजे पुष्पों से लोगों द्वारा भगवान का अभिषेक किया गया, जिसके बाद आरती की गई। इसके बाद लोगों ने भगवान के भजन और कीर्तन का आनंद लिया। रात को 12:00 भगवान के जन्म होने के समय श्री कृष्णा की महाआरती की गई, जिसके उपरांत लोगों को प्रसाद का वितरण किया गया।

संतोष हॉस्पिटल में भर्ती रवि गौतम से मिलने उमड़े समर्थक, पुलिस से नोकझोंक का वीडियो वायरल

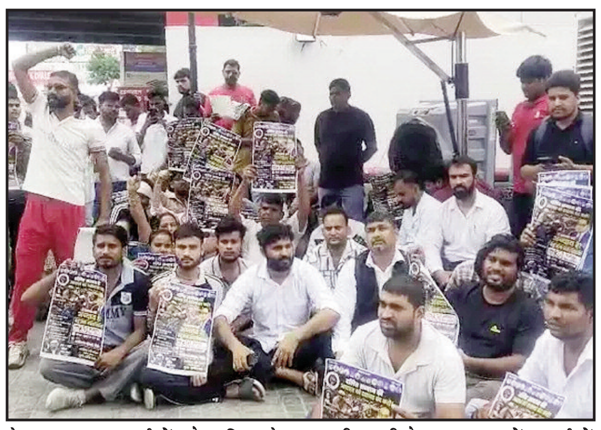

गाजियाबाद। गाजियाबाद युवा शक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि गौतम को भूख हड़ताल के चलते रात में मेरठ पुलिस द्वारा डिटेन किए जाने के बाद गाजियाबाद के संतोष हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि मेरठ में कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए उन्हें गाजियाबाद रेफर किया गया। रवि गौतम के अस्पताल में भर्ती होने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में उनके समर्थक संतोष हॉस्पिटल पहुंच गए। अस्पताल परिसर में पुलिस बल भी तैनात था। इसी दौरान समर्थकों और पुलिसकर्मियों के बीच नोकझोंक और धक्का-मुक्की की स्थिति बनने की बात सामने आई है।

इस घटनाक्रम से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में अस्पताल परिसर में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की जैसी स्थिति दिखाई दे रही है। वीडियो के आधार पर समर्थकों और पुलिस के बीच झड़प तथा पथराव के दावे भी सोशल मीडिया पर किए जा रहे हैं।

हालांकि, झड़प या पथराव की मेरठ अथवा गाजियाबाद पुलिस की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। ऐसे में वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे घटनाक्रम और उससे जुड़े दावों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। अस्पताल में समर्थकों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस की ओर से अस्पताल परिसर में व्यवस्था बनाए रखने और भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। स्थिति पर पुलिस लगातार नजर बनाए हुए है।

गुर्जर समाज के सभी दिग्गज नेता एक मंच पर, एकजुटता का दिया बड़ा संदेश

नोएडा। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के बैनर तले गुर्जर समाज के अलग-अलग राजनीतिक दलों और विचारधाराओं से जुड़े दिग्गज नेताओं को एक मंच और एक छत के नीचे लाने की बड़ी पहल सामने आई। मुरैना स्थित इंद्रलोक पैलेस सभागार में 29 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के अवसर पर दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में प्रस्तावित गुर्जर स्वाभिमान रैली को लेकर विशाल क्षेत्रीय बैठक आयोजित की गई।

राजीव कसाना द्वारा आयोजित बैठक का शुभारंभ पटिया वाले बाबा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के मध्य प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र पटेल ने की तथा संचालन रामकुमार गुर्जर ने किया।

बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी उपस्थित रहे। उनके साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सविंदर भाटी, के.पी. सिंह कसाना, जयप्रकाश विकल, रामकेश चपराना, वीरेंद्र बिधूड़ी, जगवीर दौला, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी, प्रेम कृष्ण आर्य, अरुण भाटी और देवेंद्र गुर्जर सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

विशेष रूप से विधायक दिनेश गुर्जर, विधायक साहब सिंह गुर्जर, पूर्व विधायक रघुराज कसाना, पूर्व विधायक राकेश मावी तथा पूर्व विधायक रामबरन गुर्जर सहित विभिन्न राजनीतिक दलों एवं विचारधाराओं से जुड़े जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रमुख लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

वक्ताओं ने कहा कि राजनीतिक विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन समाज के मान-सम्मान, अधिकार और भविष्य के सवाल पर गुर्जर समाज को एकजुट होकर खड़ा होना होगा। समाज की मजबूत एकता ही शासन और सत्ता में उसकी उचित भागीदारी सुनिश्चित करेगी।

बैठक में शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय, राजनीतिक भागीदारी और महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोर देते हुए वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में गुर्जर समाज का ऐतिहासिक योगदान रहा है। अब नई पीढ़ी को उच्च शिक्षा, प्रशासनिक सेवाओं, व्यापार एवं रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे।

सभा में मौजूद विशाल जनसमूह ने पटिया वाले बाबा को साक्षी मानकर संकल्प लिया–

'आज से गुर्जर का जाया, गुर्जर का विरोध नहीं करेगा। '

इस संकल्प के साथ समाज में आपसी मतभेदों को भुलाकर एकता, भाईचारे और सामाजिक स्वाभिमान को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया गया। बैठक में उपस्थित हजारों लोगों ने 29 अक्टूबर 2026 को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम पहुंचने का सामूहिक संकल्प लेते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती एवं गुर्जर स्वाभिमान रैली को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर प्रदीप गुर्जर, सरनाम सिंह गुर्जर, मोहन सिंह कसाना, एस.के. सिंह, राजेंद्र गुर्जर सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

नोएडा के विकास के असली शिल्पकार किसान नरकीय जीवन जीने को मजबूर क्यूं : दिव्य कृष्णात्रेय

नोएडा। आज नोएडा सफलता, आधुनिकता और विकास की जिस बुलंद इमारत पर खड़ा है, उसकी मजबूत नींव यहां के स्थानीय किसानों और ग्रामीणों के अभूतपूर्व त्याग और समर्पण पर टिकी है। अत्यंत दुखद और विचारणीय पहलू यह है कि इस चमचमाते शहर को अपने पसीने से बसाने वाला किसान आज खुद बुनियादी नागरिक सुविधाओं और अपने वाजिब हक के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है।

सेक्टर-105 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने नोएडा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक पंकज सिंह का ध्यान ग्रामीण नोएडा की इस बदहाली और किसानों की ज्वलंत समस्याओं की ओर आकर्षित करते हुए त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है।

दिव्य कृष्णात्रेय ने क्षेत्र की विषमता को उजागर करते हुए कहा कि एक तरफ जहां नोएडा की गगनचुंबी इमारतें रात के उजाले में जगमगाती हैं, वहीं दूसरी ओर शहर के अधिकांश गांवों की स्थिति दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही है। गांवों की गलियों में उफान मारता सीवर, ओवरफ्लो होती नालियां और गंदे पानी से जलमग्न रास्ते स्थानीय निवासियों का जीना दूभर कर रहे हैं। इतने अत्यधिक विकसित और हाइटेक शहर का हिस्सा होने के बावजूद ग्रामीण आज भी पीने के स्वच्छ पानी और निर्बाध बिजली जैसी अति-आवश्यक प्राथमिक सुविधाओं के लिए रोजाना संघर्ष कर रहे हैं।

किसानों के आर्थिक शोषण और मुआवजा नीति पर कड़ा ऐतराज जताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में नोएडा प्राधिकरण द्वारा भूमि अधिग्रहण के बदले किसानों को लगभग 5,325 रुपये प्रति वर्ग मीटर का अत्यंत मामूली मुआवजा दिया जा रहा है, जो भूमि अधिग्रहण अधिनियम के स्पष्ट प्रावधानों का उल्लंघन है। नियमसंगत रूप से शहरी क्षेत्र के गांवों के किसानों को सर्किल रेट का कम से कम दोगुना मुआवजा मिलना चाहिए। जब प्राधिकरण अपनी अधिग्रहित जमीनों को ई-ऑक्शन के माध्यम से बड़े पूंजीपतियों को रिकॉर्ड तोड़ दरों पर बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है, तब जमीन के असली मालिक किसानों को उनके न्यायसंगत अधिकार से वंचित रखना पूरी तरह अनुचित और अनैतिक है।

उन्होंने आगे कहा कि गांवों में पिछले कई वर्षों से सर्किल रेट को पूरी तरह फ्रीज कर रखा गया है, जिससे किसानों को चौतरफा आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। जमीनों की बैकलीज का दायरा 450 मीटर से बढ़ाकर 1,000 मीटर करने का लंबित मामला हो या फिर किसानों को उनके हक के 5 प्रतिशत आबादी प्लॉटों का त्वरित आवंटन, ये सभी न्यायसंगत मांगें वर्षों से शासन और प्रशासन की फाइलों में धूल फांक रही हैं।

दिव्य कृष्णात्रेय ने क्षेत्रीय विधायक श्री पंकज सिंह के जुझारू और जनहितैषी नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए उनसे अपील की है कि वे शासन और प्राधिकरण के शीर्ष स्तर पर किसानों की इन जायज मांगों को पूरी मजबूती से उठाएं और इसका स्थाई समाधान कराएं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नोएडा का सच्चा, समावेशी और सर्वांगीण विकास केवल बहुमंजिला इमारतों से संभव नहीं है, बल्कि यह तभी साकार होगा जब इस शहर की आधारशिला रखने वाले अन्नदाताओं को उनका खोया हुआ सम्मान, वाजिब हक और गांवों में बेहतर नागरिक सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

टोल शुल्क माफ कराने पर जेवर विधायक का स्वागत

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे से प्रभावित जेवर के आसपास के गांवों के स्थानीय नागरिकों को टोल शुल्क से मुक्ति मिल गई है। इस फैसले के बाद शुक्रवार को जेवर विधानसभा क्षेत्र में लोगों ने खुशी मनाई। शुक्रवार शाम 3:30 बजे जेवर कस्बे और मॉडलपुर समेत कई जगहों पर ग्रामीणों, किसानों, ग्राम प्रधानों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह का स्वागत किया।

मॉडलपुर में आसपास के दर्जनों गांवों से काफी संख्या में ग्रामीण और ग्राम प्रधान पहुंचे। लोगों ने अपनी वर्षों पुरानी मांग पूरी होने पर खुशी जताई और विधायक का धन्यवाद किया। ग्रामीणों ने कहा कि टोल शुल्क से राहत मिलने से स्थानीय नागरिकों, किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और रोजाना एक्सप्रेसवे से आने-जाने वाले लोगों को आर्थिक फायदा होगा। विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि यह सम्मान उनका नहीं, बल्कि क्षेत्र की जनता, किसानों, ग्राम प्रधानों और उन सभी लोगों का है, जिन्होंने वर्षों तक टोल शुल्क से मुक्ति की मांग उठाई थी। उन्होंने इसे जेवर क्षेत्र की सामूहिक जीत बताया। विधायक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग को समझते हुए जनहित में यह फैसला लिया।

उन्होंने यह भी कहा कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में तेजी से विकास हो रहा है। ऐसे में स्थानीय नागरिकों और किसानों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता है। स्वागत कार्यक्रमों के दौरान ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों और जयघोष के साथ अपनी खुशी जाहिर की।

तृतीय श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव की धूम, खाटूश्याम के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

ग्रेटर नोएडा। श्री श्याम सेवा परिवार ग्रेटर नोएडा की ओर से आनंद किमाया ग्रैंड बैंक्वेट हॉल में तृतीय श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस संकीर्तन महोत्सव में खाटूश्याम बाबा के भजनों की ऐसी धूम रही कि पूरा बैंक्वेट हॉल भक्ति के माहौल में डूब गया। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने देर तक खाटूश्याम के भजनों पर झूमकर अपनी आस्था प्रकट की। प्रसिद्ध भजन गायकों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान हॉल में उपस्थित श्रद्धालु श्याम बाबा के जयकारे लगाते रहे।

तृतीय श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव के दौरान देश के अलग-अलग शहरों से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। कानपुर से आई प्रसिद्ध भजन गायिका शर्मा सिस्टर ने अपने भजनों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। इसके साथ ही इंदौर के कलाकार शिवम रावल ने भी खाटूश्याम बाबा की महिमा का बखान करते हुए मनमोहक भजन पेश किए। वहीं जयपुर से आए गायक आयुष सोमानी ने भी एक से बढ़कर एक भजनों की संगीतमय प्रस्तुति दी। भजनों की मधुर धुनों पर श्रद्धालु भक्ति भाव में डूब गए और बाबा के जयकारों से हॉल गूंज उठा।

कार्यक्रम के दौरान जब भजन गायकों ने श्याम बाबा का गुणगान शुरू किया, तो श्रद्धालु अपने स्थान पर खड़े होकर झूमने लगे। लोग हाथ उठाकर और तालियां बजाकर अपनी भक्ति व्यक्त करते रहे। पूरे आयोजन में श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा। संकीर्तन के दौरान भक्ति भाव को व्यक्त करती पंक्तियां 'श्याम नाम की ज्योति जले, मन में प्रेम अपार, तेरे दर पर जो भी आए, मिले उसे आधार' गूंजीं, जिन्हें सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। इन पंक्तियों के साथ श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा का स्मरण किया और तालियों के साथ भजनों का आनंद लिया।

ग्रेटर नोएडा में आयोजित इस भव्य संकीर्तन महोत्सव में संस्था के पदाधिकारियों के साथ-साथ कई सामाजिक लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में श्री श्याम सेवा परिवार के अध्यक्ष मुकुल गोयल विशेष रूप से मौजूद रहे। उनके साथ आदित्य अग्रवाल, सुरेश गर्ग, अंकित अग्रवाल, विनय गुप्ता और विनय अग्रवाल ने व्यवस्था संभाली। महोत्सव में शुभम अग्रवाल, वैभव बंसल, शुभम मांगलिक, विकास गर्ग, कपिल गर्ग और चेतन शर्मा उपस्थित रहे।

नोएडा में 14 सितंबर से बड़ा किसान आंदोलन, राकेश टिकैत के नेतृत्व में तीनों प्राधिकरणों के खिलाफ मोर्चा

नोएडा। गौतमबुद्धनगर के तीनों बड़े विकास प्राधिकरणों के खिलाफ किसानों और मजदूरों ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत के नेतृत्व में आगामी 14 सितंबर से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के खिलाफ एक बड़ा किसान-मजदूर आंदोलन और धरना-प्रदर्शन शुरू होने जा रहा है। इस आंदोलन में चौधरी राकेश टिकैत खुद मौजूद रहेंगे और किसानों व मजदूरों की मांगों को लेकर आवाज बुलंद करेंगे।

भारतीय किसान यूनियन की तरफ से इस आंदोलन को लेकर कार्यक्रम की आधिकारिक जानकारी दी गई है। संगठन के अनुसार, इस बड़े आंदोलन को शुरू करने का फैसला मथुरा में आयोजित किए गए प्रदेश और राष्ट्रीय समन्वय समिति के शिविर में लिया गया है। यह आंदोलन नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण से जुड़े किसानों और मजदूरों की सभी मांगों को लेकर किया जाएगा। संगठन का साफ कहना है कि इस बार का यह आंदोलन संघर्ष से शुरू होकर समाधान मिलने तक लगातार जारी रहेगा।

आंदोलन के लिए बनाई गई विशेष समन्वय समिति: इस आंदोलन को सुचारू रूप से चलाने के लिए भारतीय किसान यूनियन ने अपनी टीम को जिम्मेदारी सौंप दी है। गौतमबुद्धनगर के जिला मीडिया प्रभारी सुनील प्रधान ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि आंदोलन के दौरान तीनों प्राधिकरणों के जोनल अध्यक्षों के साथ समन्वय समिति के जिलाध्यक्ष एवं कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर राजीव मलिक समन्वय का काम संभालेंगे। वह सभी जोनल अध्यक्षों के साथ मिलकर आंदोलन की गतिविधियों को आगे बढ़ाएंगे।

इस आंदोलन में तीनों प्राधिकरण क्षेत्रों के जोनल अध्यक्ष भी पूरी तरह शामिल रहेंगे। नोएडा प्राधिकरण के जोनल अध्यक्ष अशोक भाटी इस आंदोलन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उनके साथ ही ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जोनल अध्यक्ष मनोज मावी और यमुना प्राधिकरण के जोनल अध्यक्ष रोबिन नागर भी इस आंदोलन में शामिल होंगे। ये सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों और मजदूरों को एकजुट करने का काम करेंगे।

किसानों और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा की लड़ाई: भारतीय किसान यूनियन के अनुसार, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र के किसानों और मजदूरों की विभिन्न मांगों को लेकर यह धरना-प्रदर्शन किया जा रहा है। संगठन का कहना है कि आंदोलन का मुख्य उद्देश्य किसानों और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा करना है। इसके साथ ही उनकी मांगों के समाधान के लिए प्राधिकरणों पर दबाव बनाना भी इस प्रदर्शन का एक बड़ा लक्ष्य है ताकि उनकी समस्याओं का हल निकाला जा सके।

चौधरी राकेश टिकैत के नेतृत्व में होने वाले इस बड़े प्रदर्शन को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। 14 सितंबर से शुरू होने वाला यह आंदोलन तीनों प्राधिकरण क्षेत्रों में किसानों और मजदूरों की मांगों को बेहद प्रमुखता के साथ उठाएगा। संगठन के कार्यकर्ता और पदाधिकारी इस आंदोलन को सफल बनाने की तैयारियों में जुट गए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address :
royalnoida@gmail.com

वरिष्ठ पत्रकार जेपी सिंह के जन्मदिन पर उमड़ा शुभकामनाओं का सैलाब

नोएडा। पत्रकारिता जगत से जुड़े एक महत्वपूर्ण और यादगार अवसर पर शुक्रवार को नोएडा मीडिया क्लब के महासचिव एवं वरिष्ठ पत्रकार जयप्रकाश सिंह 'जेपी' का जन्मदिन हर्षोल्लास और आत्मीय माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर नोएडा मीडिया क्लब के सम्मानित पत्रकार साथियों,वरिष्ठ अधिकारीगण,शहर के गणमान्य नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर जेपी सिंह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी और उनके स्वस्थ, सुखद, समृद्ध एवं सफल जीवन की मंगलकामना की,जन्मदिन समारोह के दौरान उपस्थित लोगों ने जेपी सिंह को पटका पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान समारोह में मौजूद लोगों ने उनके दीर्घायु होने तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में इसी प्रकार निरंतर सक्रिय रहते हुए समाज और पत्रकार हितों के लिए कार्य करते रहने की कामना की। आत्मीय माहौल में आयोजित समारोह में बधाई देने वालों का उत्साह देखते ही बनता था।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जेपी सिंह लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी सक्रिय और प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने पत्रकारिता को केवल पेशे के रूप में नहीं, बल्कि समाज की आवाज को जिम्मेदारी के साथ उठाने के माध्यम के रूप में अपनाया है। जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से सामने लाने और पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखने में उनका योगदान सराहनीय रहा है।

वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता के साथ-साथ नोएडा मीडिया क्लब के महासचिव के रूप में भी जेपी सिंह पत्रकारों के हितों और उनकी समस्याओं को मजबूती से उठाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहते हैं। पत्रकारों की एकता, सम्मान और अधिकारों से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से संबंधित मंचों तक पहुंचाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

समारोह में मौजूद पत्रकारों और गणमान्य लोगों ने कहा कि जेपी सिंह का सहज व्यवहार, सक्रियता और पत्रकारिता के प्रति समर्पण उन्हें साथी पत्रकारों के बीच एक अलग पहचान दिलाता है। सभी ने उनके जन्मदिन को विशेष अवसर बताते हुए उन्हें भविष्य में और अधिक सफलता हासिल करने तथा पत्रकारिता एवं समाजहित में नए आयाम स्थापित करने की शुभकामनाएं दीं।

जन्माष्टमी पर गाजियाबाद में स्वच्छता और गौसेवा का संदेश ! मंदिरों के बाहर महासफाई, निगम अधिकारियों ने किया गौ पूजन

गाजियाबाद। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पर्व को लेकर गाजियाबाद नगर निगम ने शहर के सभी जोन में विशेष सफाई अभियान चलाया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर मंदिरों और जन्माष्टमी समारोह स्थलों के आसपास विशेष सफाई कराई गई। मंदिरों के बाहर रंगोली बनाई गई, जबकि प्रकाश विभाग ने लाइटिंग की व्यवस्था को दुरुस्त कर परिसर और आसपास के क्षेत्रों का सौंदर्यीकरण किया।

जन्माष्टमी के अवसर पर नगर निगम अधिकारियों ने नंदी पार्क गौशाला पहुंचकर गौ पूजन किया। अधिकारियों ने गोवंशों को हरा चारा और गुड़ खिलाकर गौ सेवा की तथा उन्हें माला पहनाकर पूजन किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भी गौशाला पहुंचकर गोवंशों की सेवा की। मौके पर अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, उपमुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अनुज तथा पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. आशीष त्रिपाठी मौजूद रहे।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी जन्माष्टमी को देखते हुए नगर निगम सीमा के सभी जोन में मंदिरों के आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं ने भी पर्व को स्वच्छता के साथ मनाते हुए अपने घरों और मंदिरों को सजाया तथा स्वच्छता का संदेश दिया।

नंदी पार्क में 1900 से अधिक गोवंश: पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ. अनुज ने बताया कि नंदी पार्क गौशाला में 1900 से अधिक गोवंश हैं। नगर निगम की टीम लगातार निराश्रित गोवंशों को यहां ला रही है। उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी समेत अन्य अवसरों पर भी शहरवासी गौशाला पहुंचकर गोवंशों की सेवा करते हैं। इस बार जन्माष्टमी पर निगम अधिकारियों और श्रद्धालुओं ने मिलकर गौ पूजन और गौ सेवा की।

नगर निगम की ओर से जन्माष्टमी समारोहों को देखते हुए मंदिरों के बाहर सफाई और प्रकाश व्यवस्था के साथ-साथ पार्कों की लाइटिंग को भी दुरुस्त कराया गया। अधिकारियों ने मंदिरों में पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं के साथ पर्व मनाया।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार जन्माष्टमी के दौरान श्रद्धालुओं ने सफाई व्यवस्था में भी सहयोग किया और स्वच्छता का संदेश दिया। महापौर और नगर आयुक्त ने शहरवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं।

नोएडा में बिजली कनेक्शन कटने का विरोध

नोएडा। नोएडा के चोटपुर कॉलोनी में करीब एक हफ्ते से बिजली की समस्या बनी हुई है। बिजली कटौती से हजारों परिवार परेशान हैं। शुक्रवार को सपा जिलाध्यक्ष आश्रय गुप्ता कार्यकर्ताओं के साथ चोटपुर पहुंचे और लोगों से उनकी समस्याएं सुनीं।

आश्रय गुप्ता ने कहा कि कॉलोनी में करीब 13 हजार बिजली कनेक्शन अवैध बताए जा रहे हैं। इन्हें काटने की कार्रवाई की जा रही है। अब तक करीब 4 हजार कनेक्शन काटे जा चुके हैं। इसके बाद बड़ी संख्या में परिवार बिजली के बिना रह रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर ये कनेक्शन अवैध थे तो इतने सालों तक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा कि कार्रवाई का असर आम लोगों पर नहीं पड़ना चाहिए।

बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित: सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि बिजली नहीं होने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। महिलाएं और बुजुर्ग भी परेशान हैं। उन्होंने सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों पर लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया।

पहले भी कर चुके हैं प्रदर्शन: स्थानीय लोग बिजली की समस्या को लेकर विधायक कार्यालय का घेराव कर चुके हैं। लोगों ने कैंडल मार्च भी निकाला था। इसके बाद भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ।

जन्माष्टमी के बाद आंदोलन की चेतावनी: आश्रय गुप्ता ने कहा कि जन्माष्टमी के बाद भी बिजली आपूर्ति ठीक नहीं हुई तो सपा स्थानीय लोगों के साथ डीएम कार्यालय का घेराव करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी चोटपुर के लोगों के साथ खड़ी है। प्रशासन को जल्द बिजली व्यवस्था ठीक करनी चाहिए और पात्र लोगों को नियमानुसार कनेक्शन देना चाहिए।

सुखदेव शर्मा को हिंदू युवा वाहिनी के मेरठ मंडल अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

नोएडा। हिंदू युवा वाहिनी द्वारा संगठन को मंडल एवं जिला स्तर पर और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए सुखदेव शर्मा को मेरठ मंडल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। मेरठ मंडल के अंतर्गत गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद, बुलंदशहर, हापुड़, मेरठ एवं बागपत सहित कुल छह जिले शामिल हैं। सुखदेव शर्मा पिछले 15 वर्षों से रजत विहार, सेक्टर-62, नोएडा के आर डब्ल्यू ए अध्यक्ष के रूप में क्षेत्र के निवासियों के हितों के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही वे फोनरवा में सचिव पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

फोनरवा में रहते हुए सुखदेव शर्मा ने नोएडा शहर की विभिन्न जनसमस्याओं एवं नागरिक समस्याओं को प्रमुखता से उठाया तथा संबंधित विभागों एवं अधिकारियों के समक्ष समस्याओं को रखकर उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास किए। स्थानीय स्तर पर नागरिक सुविधाओं, सुरक्षा, विकास कार्यों एवं जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों को लेकर उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई है। हिंदू युवा वाहिनी द्वारा सौंपी गई इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पर सुखदेव शर्मा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सिंह राठौड़ एवं पश्चिम उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अमित त्यागी का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

सुखदेव शर्मा ने कहा कि संगठन नेतृत्व द्वारा उन पर जो विश्वास व्यक्त करते हुए यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है, उसका वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। मेरठ मंडल के अंतर्गत आने वाले सभी छह जिलों में संगठन को मजबूत करने तथा कार्यकर्ताओं को सक्रिय करते हुए संगठन का विस्तार किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व एवं पश्चिम उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री अमित त्यागी जी के मार्गदर्शन में सभी छह जिलों की कार्यकारिणियों के साथ समन्वय स्थापित कर संगठन को मजबूत आधार प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक जिले में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और नई कार्यकारिणियों के गठन एवं विस्तार के माध्यम से हिंदू युवा वाहिनी को और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उनका पूर्व का ऋड्ढ एवं फोनरवा में कार्य करने का अनुभव भी इस जिम्मेदारी के निर्वहन में उपयोगी साबित होगा। जिस प्रकार उन्होंने लंबे समय से स्थानीय नागरिकों की समस्याओं को उठाकर उनके समाधान के लिए प्रयास किया है, उसी भावना के साथ संगठन के माध्यम से भी समाज एवं जनहित से जुड़े विषयों पर सक्रिय भूमिका निभाई जाएगी।

उन्होंने सभी छह जिलों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन के विस्तार एवं मजबूती के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

ग्रेटर नोएडा से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे तक बनेगी डबल डेकर सड़क

ग्रेटरनोएडा। ग्रेटर नोएडा में 130 मीटर चौड़ी सड़क को दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे (नेशनल हाईवे-24) से जोड़ने की तैयारी तेज हो गई है। गुरुवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड के सामने यह प्रस्ताव रखा गया, जिस पर सहमति बन गई है। अब नोएडा और यीडा की सहमति लेकर परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की जिम्मेदारी एनएचएआई को सौंपी थी। एनएचएआई के सर्वे में दो विकल्प सामने आए। पहले विकल्प में एक मूर्ति से नाले तक डबल डेकर सड़क बनाने का प्रस्ताव था। दूसरे विकल्प में शाहबेरी से नाले के साथ लिंक रोड जोड़ने का सुझाव दिया गया। इस सड़क को बनाने के लिए बनी समिति ने पहले चरण में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से एक मूर्ति तक डबल डेकर सड़क बनाने का फैसला किया है। इसकी लागत 756.01 करोड़ रुपये होगी। दूसरे चरण में बची हुई सड़क का निर्माण पूरा किया जाएगा। इस परियोजना की लागत यमुना एक्सप्रेसवे, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद प्राधिकरण मिलकर उठाएंगे। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बोर्ड ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से 130 मीटर चौड़ी सड़क से दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे तक ग्रेटर नोएडा और ग्रेटर नोएडा वेस्ट की कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी।

परिवार बेटी का इलाज कराने अस्पताल गया, चोरों ने घर खंगाला

नोएडा। सेक्टर म्यू दो में एक घर से चोर सोने-चांदी के जेवरात और नगदी चोरी करके ले गए। घर का ताला बंद कर परिवार के सदस्य अस्पताल में बेटी का इलाज करवाने के लिए गए थे। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सेक्टर म्यू दो में कुलदीप कुमार परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 19 अगस्त को वह अपनी बेटी को सेक्टर डेल्टा दो स्थित एक अस्पताल लेकर गए थे। अस्पताल में बेटी का इलाज चल रहा था। करीब एक सप्ताह बाद वह वापस घर लौटे तो देखा कि घर का ताला लगा हुआ था, लेकिन अंदर सारा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था। चोर खिड़की के रास्ते अंदर घुसे और अलमारी में रखे सोने- चांदी के जेवरात और दस हजार रुपये चोरी कर लिए गए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। दादरी कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है। चोरों का पता लगाकर घटना का खुलासा किया जाएगा।

तालाब में कूदी महिला की मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में सूरजपुर थाना क्षेत्र के तिलपता गांव में शुक्रवार सुबह एक मानसिक रूप से परेशान महिला की तालाब में डूबने से मौत हो गई। महिला अचानक पानी से भरे तालाब में कूद गई। आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने के लिए काफी प्रयास किया, लेकिन उसे बाहर नहीं निकाल सके।

जानकारी के मुताबिक, तिलपता गांव में स्थित तालाब में इन दिनों सौंदर्यीकरण का काम चल रहा है। शुक्रवार सुबह तालाब में पानी भरा हुआ था। इसी दौरान मानसिक रूप से परेशान बताई जा रही महिला वहां पहुंची और अचानक तालाब में छलांग लगा दी।महिला के तालाब में डूबने की जानकारी मिलते ही आसपास काम कर रहे लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों ने उसे बचाने के लिए तालाब में उतरकर काफी प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली।

पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा: घटना की सूचना मिलते ही सूरजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से महिला को तालाब से बाहर निकलवाया। जांच के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक, महिला की पहचान अभी नहीं हो सकी है। उसकी पहचान के साथ ही घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

प्राधिकरण की बेवसाइट पर छह साल से बैलेंस सीट की जानकारी नहीं

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण की वेबसाइट पर वर्ष 2019-20 के बाद से बैलेंस सीट से संबंधित कोई जानकारी अपडेट नहीं है। एनुअल रिपोर्ट तो वर्ष 2007-08 के बाद भी अपडेट नहीं है। लोगों ने सिस्टम पर सवाल उठाते हुए सीईओ को पत्र लिखकर जानकारी देने की मांग की है। प्राधिकरण के सीईओ को भेजे पत्र में सेक्टर-77 प्रतीक विस्टीरिया निवासी अमित गुप्ता ने कहा है कि प्राधिकरण एक सरकारी संस्था है। इसके बावजूद वेबसाइट पर ज्यादातर चीजें अपडेट नहीं हैं। यह पारदर्शिता के नियमों के बिल्कुल विपरीत है। इसकी वजह यह है कि प्राधिकरण की जो आय है वह जनता के दिए गए टैक्स या अन्य साधनों से है। पूरी जानकारी वेबसाइट पर अपडेट होनी चाहिए ताकि आम लोग भी देख सकें। अमित गुप्ता ने कहा कि वैसे भी प्राधिकरण घोटालों के लिए बदनाम रहा है। ऐसे में आम लोगों का विश्वास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर बन सके, इसके लिए आय-खर्चों से जुड़ी पूरी जानकारी वेसबाइट पर अपडेट होनी चाहिए।

कुल्हाड़ी से हमला, गंभीर रूप से घायल

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के अट्टा फतेहपुर गांव में एक युवक पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल करने का आरोप है। पीड़ित परिवार का कहना है कि दनकौर कोतवाली पुलिस ने शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की। इसके बाद उन्होंने कोर्ट का रुख किया। कोर्ट के आदेश पर शुक्रवार शाम 4:30 बजे 5 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

पीड़ित अनवर ने बताया कि इसी साल मई में गांव के असरफ, फरजाना, परवीन, इजराइल और शाहनमाज उनके घर के सामने कूड़ा डाल रहे थे। उनके बेटे साहिल और परिवार के अन्य सदस्यों ने इसका विरोध किया। आरोप है कि इस बात पर सभी आरोपी एकजुट होकर मारपीट करने लगे। इसी दौरान असरफ ने साहिल पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। साहिल के कान में गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी वहां से भाग गए।

ग्रेटर नोएडा में 25 विकास परियोजनाओं को मिली हरी झंडी, 18 सितंबर तक मांगे आवेदन

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण शहर के विकास और रखरखाव से जुड़े 25 महत्वपूर्ण छोटी-बड़ी परियोजनाओं को हरी झंडी दी है। इसके लिए प्राधिकरण ने 18 सितंबर तक निर्माण कराने के इच्छुक एजेंसियों से आवेदन मांगा है और 21 सितंबर को प्री-क्वालिफिकेशन बैठक होगी।

इसके बाद कार्यों का वितरण कर काम शुरू करा दिया जाएगा। सीईओ एनजी रवि कुमार का कहना है कि शहर के विकास को नई उड़ान की कोशिश की जा रही है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के मुताबिक, सेक्टर-3 में बाउंड्रीवाल निर्माण और मरम्मत कार्य पर करीब 80.61 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। इसी तरह से सेक्टर पी-3 में ओपन जिम और बच्चों के उपकरण और (हट) झोपड़ी बनाने पर 94.76 लाख रुपये, सेक्टर पी-3 बिल्डर्स एरिया में 24 मी. चौड़ी सड़क के दोनों तरफ ग्रास पेवर ब्लाक 1.05.करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। सेक्टर-एक और केपी-5 में 80 मीटर सड़क व सेक्टर-एक में ग्रीन बेल्ट पर प्री-स्ट्रेस्ड हाली आरसीसी नाली 1.57 करोड़ रुपये से अधिक का बजट रखा गया है। सेक्टर ईकोटेक-6 में 60 मीटर सड़क पर आरसीसी ड्रेन कवर्ड पर 1.68 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सेक्टर-3 की आंतरिक सड़कों की रिसर्फेसिंग 1.89 करोड़ और दनकौर-सिकंदराबाद रोड से ग्राम दनकौर मार्ग की रिसर्फेसिंग पर 1.79 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में आरसीसी प्रीकास्ट बाउंड्रीवाल बनाने पर भी 1.41 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

वार्षिक अनुरक्षण के लिए तीन कार्य को प्राथमिकता: ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर-कासना (एसके) रोड पर एलजी गोलचक्कर से सेक्टर स्वर्ण नगरी तक तीन वर्ष के लिए नाली सफाई, पटरी दुरुस्ती और पेंटिंग के वार्षिक अनुरक्षण कार्य पर 1.59 करोड़ रुपये खर्च किया जाएगा।

सेक्टर-12 में तीन वर्ष तक नाली सफाई व्यवस्था पर 1.64 करोड़ रुपये और सेक्टर अल्फा-एक में नाली सफाई, रंगाई पुताई, पटरी ड्रेसिंग,जंगल की सफाई पर 1.61 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

विद्युत व्यवस्था के सुधार पर भी ध्यान: प्राधिकरण ने शहर में विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ करने की तरफ ध्यान देना शुरू किया है। मलकपुर प्राइमरी स्कूल के आंतरिक विद्युत कार्य और बोडाकी, पाली अंडरपास में एलईडी लाइट लगाने के कार्य पर 17.05 लाख रुपये प्राधिकरण खर्च करेगा।

जलपुरा स्थित 220 केवी सब स्टेशन के सामने 45 मीटर रोड पर 26.35 लाख रुपये से स्ट्रीट लाइट लगाए जाएंगे। पल्ला गांव में छह प्रतिशत आबादी में विद्युतीकरण के कार्य पर 1.08 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। शहर में पूर्व से स्थापित एलईडी स्ट्रीट लाइट और हाई मास्ट के तीन वर्षों तक बेहतर रखरखाव और संचालन पर प्राधिकरण करीब 1.06 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा के विभिन्न गांवों में एलईडी हाईमास्ट लाइट लगाने पर भी 1.75 करोड़ रुपये खर्च किया जाएगा। सेक्टर ओमिक्रान-3, म्यू एक, सेक्टर जीटा और इन सेक्टरों के पार्कों में हाई मास्ट पर 1.92 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सेक्टर सिग्मा-2,3,4 सेक्टर-31,32,36 में सर्विस रोड पर स्ट्रीट लाइट लगाने के काम पर 1.59 करोड़ और सेक्टर ईटा-2 में 60 मीटर सड़क पर लाइट लगाने पर करीब 1.29 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

उद्यान और स्वास्थ्य विभाग के छह परियोजना भी शामिल: प्राधिकरण ने विकास व अनुरक्षण कार्य के लिए उद्यान और स्वास्थ्य विभाग के छह परियोजनाओं को भी हरी झंडी दी है।

लिव-इन पार्टनर की हैवानियत, बीवी की तरह किया प्यार, फिर शराब पिलाकर पीटा; वीडियो वायरल

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा स्थित बीटा-2 कोतवाली क्षेत्र में एक युवती को सहमति संबंध पार्टनर द्वारा वर्षों तक प्रताड़ित करने और उसके निजी वीडियो-फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने गुरुवार को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है।

पीड़िता ने मुख्यमंत्री कार्यालय को दी शिकायत में बताया कि वह 26 जून 2022 से आरोपी आकाश के साथ सहमति संबंध में पति-पत्नी की तरह रह रही थी। शुरुआत में सब कुछ ठीक रहा, लेकिन कुछ समय बाद आकाश शराब पीकर उसके साथ मारपीट करने लगा और नौकरी कर पैसे लाने का दबाव बनाने लगा। एक दिन आकाश ने उसे कोल्डड्रिंक में शराब मिलाकर जबरन पिलाई और मौका पाकर उसके निजी फोटो व वीडियो बना लिए। इसके बाद वह इन्हीं वीडियो-फोटो के जरिए पीड़िता को ब्लैकमेल करने लगा और पैसे न देने पर उन्हें इंटरनेट पर वायरल करने की धमकी देने लगा।

'बदनामी के डर से चुप रही': पीड़िता ने बताया कि उसने कई बार आरोपी से पीछा छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन हर बार उसकी बुरी तरह पिटाई की गई, जिसमें उसे गंभीर चोटें भी आईं। समाज में बदनामी के डर से वह लंबे समय तक चुप रही। आरोपी ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर भी उसकी निजी तस्वीरें डाल दीं।

निजी वीडियो किए सार्वजनिक: 1 जुलाई 2026 को आकाश ने दोबारा व्हाट्सएप स्टेटस और पीड़िता की इंस्टाग्राम आईडी पर उसके निजी वीडियो-फोटो सार्वजनिक कर दिए। इससे पीड़िता की छवि को गहरा नुकसान पहुंचा और वह लगातार मिल रही जान से मारने की धमकियों से भयभीत हो गई। वहीं कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

मृत बुजुर्ग की पुश्तैनी जमीन फर्जी कागजात से बेची

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के गुनपुरा गांव में एक मृत बुजुर्ग की पुरानी जमीन फर्जी कागजात बनाकर बेचने का मामला सामने आया है। पीड़ित बेटे की शिकायत पर कोर्ट के आदेश के बाद शुक्रवार शाम 4 बजे दनकौर कोतवाली पुलिस ने एक महिला सहित पांच लोगों पर धोखाधड़ी और अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित वीरेंद्र ने अपनी शिकायत में बताया कि वह कई सालों से दिल्ली में रहते हैं। उनके पिता फूली सिंह (83) की बीमारी के कारण अक्टूबर 2023 में दिल्ली में ही मौत हो गई थी। उनका अंतिम संस्कार भी वहीं किया गया था। गांव में उनके पिता के नाम 0.567 हेक्टेयर पुरानी जमीन दर्ज थी। आरोप है कि गांव के पंकज नागर और अभिषेक ने जुलाई 2026 में वीरेंद्र के पिता के नाम से फर्जी आधार कार्ड और डेथ सर्टिफिकेट बनवाया। इसके बाद पिता की जगह किसी और व्यक्ति की फोटो लगाकर नकली दस्तावेज तैयार किए गए। फिर यह जमीन खुशी नाम की महिला को बेच दी गई।

साइबर ठगी करने वाले दो युवक गिरफ्तार

नोएडा। पर्सनल लोन दिलाने के नाम पर लोगों को फर्जी लोन स्वीकृति पत्र भेजकर ठगी करने वाले गिरोह के दो साइबर अपराधियों को नोएडा साइबर क्राइम पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों को बुधवार को गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी से पकड़ा गया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी लोन की जरूरत वाले लोगों का डाटा जुटाते थे। इसके बाद उन्हें फोन कर पर्सनल लोन दिलाने का झांसा दिया जाता था। भरोसा जीतने के लिए आरोपियों की ओर से फर्जी लोन स्वीकृति पत्र भी भेजे जाते थे। लोन पास कराने के नाम पर पीड़ितों से प्रोसेसिंग फीस जमा कराई जाती थी। रकम खाते में पहुंचते ही आरोपी संपर्क बंद कर देते थे। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी अपने बैंक खाते साइबर ठगों को 10 प्रतिशत कमीशन पर उपलब्ध कराते थे। ठगी की रकम खाते में आने के बाद आरोपी अपना कमीशन काटकर

बाकी रकम साइबर अपराधियों को दे देते थे। जांच में तुषार के खाते में 1.20 लाख रुपए और सुमित के खाते में 2.20 लाख रुपए आने की जानकारी मिली है। दोनों खातों में कुल 3.40 लाख रुपए का लेनदेन सामने आया है।

महाराष्ट्र और तमिलनाडु से भी शिकायत: पुलिस के मुताबिक, दोनों बैंक खातों के खिलाफ राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर महाराष्ट्र और तमिलनाडु से दो शिकायतें दर्ज हैं। पुलिस अब इन खातों से जुड़े दूसरे लेनदेन और अन्य संदिग्ध खातों की भी जांच कर रही है। यह कार्रवाई साइबर क्राइम थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 145/2025 से जुड़ी है। इसी मामले में पुलिस पहले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 15 दिसंबर 2025 को जेल भेज चुकी है।

वेबसाइट और डिजिटल नेटवर्क भी जांच के घेरे में: पुलिस अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों, बैंक खातों, वेबसाइट और डिजिटल नेटवर्क की जांच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक, जांच में जिन लोगों की भूमिका सामने आएगी, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अनजान व्यक्ति के कहने पर बैंक खाता, आधार, पैन या दूसरे दस्तावेज साझा न करें। किसी भी लोन ऑफर पर भरोसा करने से पहले संबंधित बैंक या वित्तीय संस्था से उसकी पुष्टि जरूर करें।

सड़क पार कर रही महिला बस की टक्कर से घायल

नोएडा। बोटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास सड़क पार करते समय डीटीसी बस की चपेट में आई महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। उनके सिर, हाथ और पैर में चोटें आई हैं। निजी अस्पताल के आईसीयू में उनका उपचार चल रहा है। महिला के बेटे ने सेक्टर-39 थाने में बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। दिल्ली के मदनपुर खादर स्थित दुलीचक कॉलोनी निवासी नवीन प्रजापति के अनुसार उनकी मां मालती देवी बीते गुरुवार सुबह नोएडा आई थीं। करीब सवा आठ बजे वह बोटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान तेज गति से आई डीटीसी बस ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिर गईं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और घायल महिला को उपचार के लिए नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों का कहना है कि मालती की स्थिति चिंताजनक है और डॉक्टर उन्हें आईसीयू में रखकर उपचार कर रहे हैं।नवीन ने घटना की शिकायत सेक्टर-39 पुलिस से की।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल बाढ़ः भारत की फोरेंसिक लैब में मिलेगी लापता लोगों की फ्री डीएनए प्रोफाइलिंग की सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के पीड़ितों की पहचान प्रक्रिया को तेज और सुगम बनाने के लिए भारत ने बड़ी पहल की है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस आपदा में लापता हुए लोगों के परिजनों के लिए भारत की केंद्रीय और राज्य स्तरीय फोरेंसिक लैब में डीएनए प्रोफाइलिंग की सेवाएं मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी।

भारत सरकार का यह कदम आपदा की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों को अपनों की तलाश और पहचान करने में बेहद मददगार साबित होगा।

करीबी रिश्तेदार करवा सकेंगे डीएनए जांच

इस विशेष सुविधा का लाभ भारत में रहने वाले लापता लोगों के करीबी रिश्तेदार उठा सकते हैं। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, लापता व्यक्ति के माता-पिता, बेटा-बेटी या भाई-बहन अपने बायोलॉजिकल नमूने देकर डीएनए प्रोफाइल तैयार करवा सकते हैं।

यह जांच प्रक्रिया केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं, राज्य फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं, राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय और डीएनए प्रोफाइलिंग की क्षमता रखने वाली मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में पूरी की जाएगी। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास बर्फ और चट्टानों के खिसकने के कारण आई इस आकस्मिक बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल के गांवों और कस्बों को बुरी तरह तबाह कर दिया है। नेपाली अधिकारियों की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, प्रभावित इलाकों से अब तक कम से कम 1290 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं।

राहत और बचाव दल लगातार मोर्चे पर डटे हुए हैं, अब तक 12000 से अधिक लोगों को सुरक्षित बचाया जा चुका है। हालांकि, स्थिति अभी भी गंभीर है क्योंकि लगभग 5000 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश लगातार जारी है। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने 26 अगस्त को आई इस बाढ़ के पीड़ितों की पहचान से जुड़ी आवश्यक प्रक्रिया और जानकारी पहले ही साझा कर दी थी। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भारत में मौजूद फोरेंसिक लैब की सेवाएं देने का फैसला किया है।

नेपाल पुलिस के अनुसार, शवों की शिनाख्त के लिए 'ऑटोसोमल एसटीआर डीएनए प्रोफाइलिंग' की तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह पूरी प्रक्रिया नेपाली अधिकारियों द्वारा बताई गई तकनीकी आवश्यकताओं और तय मानकों के आधार पर ही की जाएगी।

इंस्टाग्राम पर अश्लील सामग्री मामला एनएचआरसी सख्त, मंत्रालय और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंस्टाग्राम पर बच्चों से जुड़ी यौन शोषण सामग्री के विज्ञापन और प्रसार के गंभीर मामले में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को नोटिस भेजकर दो सप्ताह के अंदर जवाब मांगा है। आयोग ने खास तौर पर मिनिस्ट्री से पूछा है कि क्या मेटा रूल्स, 2021 के तहत ऑनलाइन क्यूरेटेड कंटेंट के पब्लिशर या पब्लिशर के तौर पर उसके रेगुलेटरी दायरे में आता है, जहां भी कंपनी के सिस्टम कंटेंट बनाते, बदलते, क्यूरेट करते, रिकमेंड करते, पब्लिश करते या बढ़ाते हैं। मानव अधिकार आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह मामला केवल अश्लील सामग्री अपलोड करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी जांच का विषय है कि क्या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (मेटा) के अपने एल्गोरिदम, सिफारिश प्रणाली और विज्ञापन तंत्र ऐसे आपत्तिजनक कंटेंट को बढ़ावा देने या इससे कमाई (मॉनेटाइजेशन) करने में शामिल हैं। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने स्पष्ट किया कि इस मामले में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने मेटा को नोटिस जारी किया है।

एनडीएमसी की 99 परियोजनाओं की हर सप्ताह समीक्षा तय

अब दिल्ली में दोगुनी होगी विकास कार्यों की रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) की 99 नई और चल रही परियोजनाओं की अब हर सप्ताह समीक्षा और निगरानी होगी।

एनडीएमसी चेयरमैन मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए यह नया ढांचा तैयार किया गया है। इसका उद्देश्य नियमित निगरानी के साथ त्वरित निर्णय लेना, परियोजनाओं की प्राथमिकता तय करना और काम में आने वाली बाधाओं को दूर करना है।

99 परियोजनाओं की सूची तैयार

चेयरमैन मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि 99 परियोजनाओं की सूची तैयार की गई है, जिनकी साप्ताहिक आधार पर समीक्षा की जाएगी। इसके लिए गैरेज मीटिंग जैसी कार्यप्रणाली अपनाई जाएगी, ताकि परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के दौरान सामने आने वाली समस्याओं पर तत्काल निर्णय लिया जा सके। इससे विभिन्न स्तरों पर निर्णय लेने में होने वाली देरी को कम किया जाएगा।

सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे

उन्होंने बताया कि सभी परियोजनाओं की निगरानी के लिए एनडीएमसी ने इन-हाउस डैशबोर्ड भी विकसित किया है। इसमें प्रत्येक परियोजना की प्रगति, संबंधित अधिकारी की जवाबदेही, काम में आ रही बाधाएं और तय समय से पीछे चल रही परियोजनाओं की जानकारी दर्ज होगी।

इससे परियोजनाओं में देरी के कारणों की पहचान कर समय रहते सुधारात्मक कदम उठाए जा सकेंगे। द्विवेदी ने कहा कि डैशबोर्ड के माध्यम से परियोजनाओं के परिणामों पर भी नजर रखी जाएगी। लक्ष्य केवल परियोजनाओं को पूरा करना नहीं, बल्कि बेहतर गुणवत्ता और अपेक्षित परिणाम हासिल करना है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि नियमित निगरानी, स्पष्ट जवाबदेही और त्वरित निर्णय लेने की इस व्यवस्था से परियोजनाओं के क्रियान्वयन की गति को करीब दोगुना किया जा सकेगा।

पश्चिमी दिल्ली को जल्द मिलेगी जाम से मुक्ति

अंतिम चरण में नवादा मेट्रो स्टेशन के पास सीवर लाइन से जुड़ा काम

नईदिल्ली, एजेंसी। नजफगढ़-उत्तम नगर मुख्य सड़क का इस्तेमाल करने वाले लाखों लोगों के लिए एक राहत भरी खबर है। नवादा मेट्रो स्टेशन के नीचे धंसी सीवर लाइन को ठीक करने का मरम्मत कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है और इस सड़क को जल्द ही आम यातायात के लिए पूरी तरह खोलने की उम्मीद जताई जा रही है। उत्तम नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पवन शर्मा का कहना है कि आगामी 15 दिनों के भीतर इस सड़क को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा।

20 मई से बंद पड़ी इस बेहद महत्वपूर्ण सड़क पर दिल्ली जल बोर्ड द्वारा डीप सीवर लाइन से जुड़ा मुख्य कार्य पूरा कर लिया गया है। वर्तमान में खोदे गए हिस्से को मिट्टी से भरकर समतल किया जा रहा है, जिसके बाद सड़क निर्माण (पक्की सड़क बनाने) का अंतिम कार्य तेजी से जारी है।

डीप सीवर का काम पूरा, अब सड़क बनाने की प्रक्रिया जारीः नवादा मेट्रो स्टेशन के नीचे धंसी सीवर लाइन की मरम्मत के लिए जल बोर्ड द्वारा ट्रेंचलेस टेक्नोलाजी का इस्तेमाल किया गया था। जहां पहले गहरा गड्ढा खोदा गया था, अब वहां अधिकांश सीवर संबंधी कार्य समाप्त हो चुका है। फिलहाल केवल एक बेहद छोटे हिस्से में अंतिम फिनिशिंग का काम बचा है। मिट्टी भराई के बाद रोलर चलाकर ज़मीन को समतल किया जा रहा है ताकि जल बोर्ड जल्द से जल्द सड़क निर्माण का काम पूरा कर इसे ट्रैफिक के लिए सौंप सके।

डेढ़ महीने की परेशानी के बाद मिलेगी बड़ी राहतः नजफगढ़-उत्तम नगर मार्ग को पूरे पश्चिमी दिल्ली इलाके की लाइफलाइन माना जाता है। यह सड़क नजफगढ़ क्षेत्र के दर्जनों गांवों और अर्ध-शहरी आबादी को दिल्ली के मुख्य शहरी व व्यावसायिक क्षेत्रों से जोड़ती है। मरम्मत कार्य के चलते पिछले डेढ़ महीने से लाखों दैनिक यात्रियों, स्कूली बच्चों और व्यापारिक वाहनों को भारी ट्रैफिक और जाम का सामना करना पड़ रहा था।

फिलहाल धीमी गति से गुजर रहे हैं हल्के वाहनः यातायात को नियंत्रित रखने के लिए पुलिस और प्रशासन ने उत्तम नगर से द्वारका मोड़ की ओर जाने वाले लगभग 100 मीटर के हिस्से को दो लेन में बदल दिया था। वर्तमान में यहां से कार, आटो और बाइक जैसे हल्के वाहन धीमी गति से निकल रहे हैं। सड़क का निर्माण कार्य पूरा होते ही इस मुख्य मार्ग पर यातायात पूरी तरह से सामान्य हो जाएगा, जिससे नवादा, उत्तम नगर, नजफगढ़ और द्वारका के निवासियों को जाम से स्थायी निजात मिलेगी।

जल्द रास्ता खुले तो बेहतरः पिछले डेढ़ महीने से नवादा मेट्रो स्टेशन के पास रोज घंटों जाम में फंसना पड़ता था। गाड़ियों का ईंधन भी बर्बाद होता था और समय पर पहुंचना मुश्किल था। अब जमीन को भर दिया गया है और काम लगभग पूरा दिख रहा है। अगर अगले कुछ दिनों में सड़क बनाकर रास्ता पूरी तरह खोल दिया जाए, तो हम यात्रियो के लिए यह बहुत बड़ी राहत होगी। - नीरज, यात्री

रोज की परेशानी खत्म होने की उम्मीद जगीः नजफगढ़ से उत्तम नगर के बीच बस से सफर करना बेहद थकाऊ हो गया था। 100 मीटर के इस पैच को पार करने में ही आधा घंटा लग जाता था। लेकिन अब मिट्टी भराई का काम देखकर लग रहा है कि जल्द ही बसें अपने पुराने और सामान्य रूट पर रफ्तार से चल सकेंगी।

लॉरेंस बिश्नोई के वकील दीपक खत्री की पुलिस हिरासत बढ़ी

गैंगों के बीच संपर्क कराने की भूमिका भी जांच के घेरे में

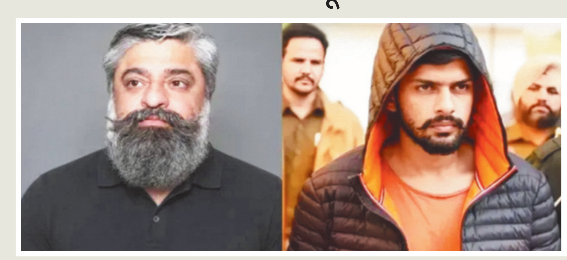

नई दिल्ली, एजेंसी। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की कानूनी टीम से जुड़े अधिवक्ता दीपक खत्री की पुलिस हिरासत कोर्ट ने दो दिन के लिए बढ़ा दी। खत्री को अवैध हथियार आपूर्ति नेटवर्क से जुड़े यूएपीए मामले में गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने उसे पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था, जिसकी अवधि पूरी होने पर उसे बृहस्पतिवार को अदालत में पेश किया गया।

हथियार तस्करी के मामले में की जा रही जांचः दिल्ली पुलिस ने मामले की जांच के लिए खत्री की पांच दिन की अतिरिक्त हिरासत मांगी थी। हालांकि, अदालत ने मांग के अनुरूप रिमांड न देते हुए उसकी हिरासत शनिवार तक, यानी दो दिन के लिए बढ़ाई है। पुलिस के मुताबिक, खत्री को दिल्ली पुलिस ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया था और वह दुबई से दिल्ली पहुंचा था। इसके बाद क्राइम ब्रांच की ओर से हथियार तस्करी के एक मामले में की जा रही जांच में उसकी भूमिका की पड़ताल शुरू की गई।

हथियार आपूर्ति नेटवर्क से कनेक्शन की जांचः जांच एजेंसी को आशंका है कि खत्री के अवैध हथियार आपूर्ति नेटवर्क से संबंध हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या उसने अलग-अलग आपराधिक गिरोहों के सदस्यों के बीच संपर्क स्थापित करने में कोई भूमिका निभाई थी।

सीजेपी में पहली बगावतः सीजेपी-डी का हुआ गठन, कार्यकर्ताओं ने क्यों लिया ये बड़ा फैसला?

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी में पहली बगावत सामने आई है। सीजेपी के पूर्व स्वयंसेवक और आंदोलन से जुड़े मनीष ब्रह्मभट्ट ने जंतर-मंतर के आंदोलन के दौरान जमीनी व पुराने कार्यकर्ताओं को तरजीह न देने पर काकरोच जनता पार्टी-लोकतांत्रिक (सीजेपी-डी) बनाने की घोषणा की। दिल्ली के प्रेस क्लब में प्रेसवार्ता के दौरान मनीष ब्रह्मभट्ट ने कहा कि सीजेपी का आंदोलन युवाओं और छात्रों के मुद्दों को लेकर शुरू हुआ था। इसमें देशभर के लोगों और स्वयंसेवकों ने योगदान दिया।

आंदोलन की सफलता के बाद संगठन की राष्ट्रीय टीम बनाते समय जमीनी कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों से उनकी राय नहीं ली गई। उन्होंने आरोप लगाया कि 12 सदस्यीय टीम का गठन लोकतांत्रिक तरीके से नहीं किया गया।

कई लोगों के पूर्व में आप से संबंध रहे

उन्होंने सीजेपी नेतृत्व पर आम आदमी पार्टी के करीब जाने का भी आरोप लगाया। ब्रह्मभट्ट के मुताबिक, नई टीम में शामिल कई लोगों के पूर्व में आप से संबंध रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सीजेपी को किसी राजनीतिक दल की टीम बनने के बजाय युवाओं और स्वयंसेवकों का लोकतांत्रिक मंच बने रहना चाहिए। इन आरोपों पर सीजेपी की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई थी।

गुजरात के रहने वाले हैं ब्रह्मभट्ट : उल्लेखनीय है कि ब्रह्मभट्ट मूल रूप से गुजरात के रहने वाले हैं। वह वर्ष 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में पालनपुर सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ चुके हैं। उन्हें 964 वोट मिले थे और वह पांचवें स्थान पर रहे थे। इसके बाद वह सी जेपी के आंदोलन से जुड़े और खुद को स्वयंसेवक व समन्वयक के तौर पर प्रस्तुत करते रहे हैं।

अगले साल खत्म हो जाएगा दिल्ली नगर निगम का कार्यकाल, अब गठित हुई एससी समिति

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीडी के गठन के बाद उसके चुनाव पंचवर्षीय कार्यकाल अगले साल दिसंबर में खत्म हो जाएगा। लेकिन जिस कमेटी को 2023 में ही बन जाना चाहिए था वह अब जाकर गठित हुई है। बृहस्पतिवार को एमसीडी की 20 तदर्थ, विशेष और वैद्यानिक कमेटियों के गठन की प्रक्रिया पूरी हो गई। पिछले वर्ष हंगामे के कारण खेल और अनुसूचित जाति कल्याण समिति का गठन नहीं हो पाया था।

बृहस्पतिवार को 10 समितियों के चुनाव की प्रक्रिया पूरी हुई। इसमें अनुसूचित जाति कल्याण मामलों की समिति के चेयरमैन के तौर पर विकास टांक तो ममता डिप्टी चेयरमैन निर्वाचित हुई। इसी प्रकार खेल समिति में इंद्रजीत सहरावत चेयरमैन बुधवार को ही निर्वाचित हो चुके थे। पिछले वर्ष भी अनुसूचित जाति कल्याण मामलों की समिति व खेल समिति के चुनाव की प्रक्रिया कराई गई थी लेकिन आप के पार्षदों के हंगामे के कारण पिछले साल चुनाव स्थगित हो गए थे। जबकि इससे पूर्व स्थायी समिति का गठन न होने की वजह से इन समितियों का गठन नहीं हो सका था। बृहस्पतिवार को अनुसूचित जाति कल्याण मामलों की समिति का चुनाव तीन बजे तय था जिसमें भाजपा पार्षद और अधिकारी तय समय पहुंच गए थे। चुनाव की प्रक्रिया ठीक तीन बजे शुरू कर दी गई चूंकि निर्विरोध निर्वाचन होना था तो पीठासीन अधिकारी तीन मिनट के भीतर ही चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन को निर्वाचित घोषित कर दिया। इसके बाद बैठक स्थगित कर दी गई तब ही आप पार्षद बैठक में पहुंचे और चुनाव में धांधली का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे।

पति-पत्नी का अलग, बच्चों का दूसरे बूथ पर नाम.. वोटर लिस्ट देख टेंशन में लोग

कैसे एक ही बूथ पर लाएं परिवार के नाम?

नई दिल्ली, एजेंसी। एसआईआर की ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी होने के बाद दिल्ली के मतदाताओं की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सोमवार को जारी सूची में करीब 47 लाख मतदाताओं के नाम शामिल नहीं हो पाए हैं। इनमें ऐसे मतदाता भी हैं, जिन्होंने पिछले चुनाव में मतदान किया था और एसआईआर फार्म भरकर जमा भी कराया था। लेकिन, ड्राफ्ट सूची से उनका नाम गायब है। ऐसे में जरूरी दस्तावेज लेकर मतदान केंद्रों पर पहुंच रहे किसी मतदाता को नाम कटने की चिंता है तो कोई परिवार के सदस्यों का नाम अलग- अलग बूथों पर चले जाने से असमंजस की स्थिति में है।

बीएलओ भी सहायता नहीं कर पा रहेः चाणक्य प्लेस पार्ट-2 निवासी कुलदीप ने बताया कि उन्होंने पिछले चुनाव में मतदान किया था। एसआईआर फार्म भी भरकर जमा कराया था, लेकिन इसके बावजूद ड्राफ्ट सूची में उनका नाम दिखाई नहीं दे रहा है। अब नाम दोबारा जुड़वाने के लिए उन्होंने बीएलओ से संपर्क किया, लेकिन बीएलओ भी उनकी सहायता नहीं कर पा रहे हैं।

नाम दोबारा एक ही बूथ पर कैसे दर्ज हो?: महावीर एन्क्लेव निवासी कुलदीप और नूरजहां ने बताया कि ड्राफ्ट सूची में उनके परिवार के सभी सदस्यों के नाम मौजूद हैं, लेकिन पहले की तरह एक ही बूथ पर दर्ज नहीं हैं। परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग बूथों में बिखर गया हैं। इससे यह समझना मुश्किल हो रहा है कि सभी सदस्यों का नाम दोबारा एक ही बूथ पर कैसे दर्ज कराया जाए। उनका कहना है कि इस संबंध में बीएलओ से भी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है। पुरानी दिल्ली के मटियामहल विधानसभा क्षेत्र निवासी शाहिद ने बताया कि उनकी पत्नी का नाम वर्ष 2025 तक दिल्ली की मतदाता सूची में दर्ज था, लेकिन एसआईआर की 2026 की ड्राफ्ट सूची में नाम दिखाई नहीं दे रहा है। वहीं विनायक कुमार ने बताया कि उन्होंने एसआईआर फार्म में अपना नाम और जन्मतिथि सही दर्ज की थी, लेकिन ड्राफ्ट सूची में उनका नाम और उम्र दोनों गलत दर्ज हैं। इससे उनके सामने अलग तरह की परेशानी खड़ी हो गई है।

नाम जुड़वाने को फार्म-6, बूथ बदलने के लिए फार्म-8

वहीं, दिल्ली चुनाव कार्यालय के उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी का कहना है कि ड्राफ्ट सूची में नाम नहीं होने पर मतदाता फार्म-6 भरकर नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ निर्धारित पते और पहचान संबंधी दस्तावेज तथा आवश्यक हलफनामा जमा करना होगा।

बीएलओ के माध्यम से भी आवेदन किया

वहीं, नाम, उम्र या अन्य विवरण में सुधार के लिए फार्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग बूथों में चले जाने पर एक समान पते पर नाम स्थानांतरित कराने के लिए फार्म-8 में संबंधित विकल्प चुनकर आवेदन कर सकते हैं। मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950, निर्वाचन आयोग के पोर्टल या संबंधित बीएलओ के माध्यम से भी आवेदन किया कर सकते है।

दिल्ली में ब्रेन डेड युवक के अंगदान से सेना के दो जवानों को मिली नई जिंदगी, लिवर और किडनी का हुआ सफल ट्रांसप्लांट

नई दिल्ली, एजेंसी। एक परिवार के साहसिक निर्णय ने सड़क हादसे में ब्रेन डेड 27 वर्षीय युवक की मौत को दो सैनिकों के लिए जिंदगी की उम्मीद में बदल दिया। हादसे के बाद युवक को ब्रेन डेड घोषित किया गया था। इसके बाद स्वजन ने अंगदान की सहमति दी।

युवक का लिवर और एक किडनी सेना के दो जवानों में प्रत्यारोपित की गई। अब दोनों जवान स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। यह अंगदान जेपीएन एपेक्स ट्रामा सेंटर में हुआ। परिवार की सहमति के बाद सिविल और सैन्य चिकित्सा टीमों ने समन्वय किया। लिवर और किडनी को जेपीएन एपेक्स ट्रामा सेंटर से सेना के अस्पताल (आरएंडआर) पहुंचाया गया, जहां दोनों अंगों का जवानों में सफल प्रत्यारोपण किया गया। सेना के अधिकारियों का कहना है कि युवक के परिवार के निर्णय और चिकित्सा टीमों के बीच तेज समन्वय से दो सैनिकों की जान बचाने में मदद मिली है। एक परिवार ने अपने सबसे कठिन समय में अंगदान का फैसला लेकर अपने दुख को दो परिवारों की उम्मीद में बदल दिया।

एडिन जेको का इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

इंस्टाग्राम पर लिखा भावुक पोस्ट

नई दिल्ली । बोस्निया और हर्जेगोविना के दिग्गज खिलाड़ी और मैनचेस्टर सिटी के पूर्व स्टार एडिन जेको ने इंटरनेशनल फुटबॉल से रिटायरमेंट का ऐलान किया है। बोस्निया का यह स्टार खिलाड़ी नेशनल टीम के लिए अपना आखिरी मैच 2 अक्टूबर को खेलेगा, जब उनकी टीम नेशंस लीग में स्वीडन का सामना करेगी। एडिन जेको ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर एक भावुक पोस्ट करते हुए कहा कि नेशनल टीम के लिए खेलना फुटबॉल से मिला सबसे कीमती तोहफा रहा है। 40 साल के इस खिलाड़ी ने अपने 20 साल के सफर के यादगार पलों को भी याद किया। जेको ने पोस्ट में लिखा, 'कभी-कभी मैं सोचता था कि यह पल कब

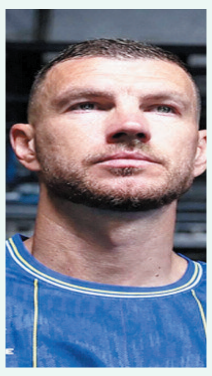

आएगा, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये शब्द लिखते समय मैं इतना भावुक हो जाऊंगा। 2 अक्टूबर को मैं स्वीडन के खिलाफ अपनी नेशनल टीम के लिए अपना अगला और आखिरी मैच खेलूंगा। मेरे करियर में किसी भी चीज की तुलना उस गर्व से नहीं की जा सकती, जो मुझे हर बार उस जर्सी को पहनकर महसूस हुआ। कुछ भी नहीं। यह मेरा बचपन का सपना था। फुटबॉल के मैदान पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान पाने वाले उन सभी 151 मैचों में मैं उस सपने को अपने साथ लेकर चला।'

जेको ने 20 साल पहले तुर्की के खिलाफ बोस्निया की जर्सी में खेले गए अपने पहले मैच को भी याद किया और कहा, 'तुर्की के खिलाफ खेले गए उस मैच को लगभग 20 साल बीत चुके हैं। उस दिन के बाद से बहुत कुछ बदल गया है, और मैं भी बदल गया हूं, लेकिन इस जर्सी के लिए मेरा प्यार कभी नहीं बदला।' 40 साल के इस खिलाड़ी ने 151 मुकाबलों में कुल 73 गोल किए, जो बोस्निया और हर्जेगोविना के लिए रिकॉर्ड हैं। अपने शानदार करियर के दौरान उन्होंने टीम को दो वर्ल्ड कप तक पहुंचने में मदद की। 2014 में उन्होंने पहली बार अपने देश को वर्ल्ड कप में पहुंचाया, तो 2026 में टीम ने अंतिम 32 तक का सफर तय किया था। टीम में अनगिनत योगदान देने के बाद, जेको का मानना ??है कि अब पीछे हटने का सही समय है।

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि अब पीछे हटने का समय आ गया है। अगर मैं 40 साल की उम्र तक नेशनल टीम में बना रह सका, तो इसकी वजह यह है कि मैंने सचमुच अपना सब कुछ दिया। हर बार। अपना सब कुछ।' इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के बावजूद, जेको बुंडेसलिगा में अपने क्लब शाल्के का प्रतिनिधित्व करना जारी रखेंगे।

पार्टी और मौज-मस्ती के सवाल को लेकर पत्रकार पर भड़कीं सबालेंका

प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाई फटकार

न्यूयॉर्क । दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन में दूसरे राउंड की जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में टूर्नामेंट से पहले की अपनी गतिविधियों के बारे में पूछे गए सवाल पर एक पत्रकार को जमकर खरी-खोटी सुनाई। बेलारूस की स्टार टेनिस खिलाड़ी सबालेंका ने न्यूयॉर्क में अपना खिताब बचाने की कोशिश में दूसरे राउंड के मैच में पोलिना इत्त्वेंको को 6-1, 6-1 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। 22 साल की इत्त्वेंको पर शानदार जीत के बाद दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी से यूएस ओपन से पहले उनके स्पॉन्सरशिप के कामों के बारे में पूछा गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के

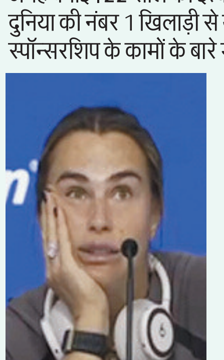

दौरान एक रिपोर्टर ने पूछा, 'टूर्नामेंट शुरू होने के बाद अब आपका मूड कैसा है? जाहिर है कि पिछले हफ्ते बहुत सारी पार्टियां और मौज-मस्ती वगैरह हुई थी।' सबालेंका ने रिपोर्टर को फटकार लगाते हुए कहा, 'यह कैसा सवाल पूछा है आपने?' उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'आप लोग तो मजाक जैसे हैं। पार्टियां? मौज-मस्ती? आप ऐसा क्यों कहेंगे? आप ऐसा सोचेंगे ही क्यों? मतलब, यह कैसा सवाल है? सिर्फ इसलिए कि मैंने ब्रांड्स के साथ कुछ गतिविधियां पोस्ट कीं, तो आपको लगता है कि मैं पार्टी कर रही थी?'

सबालेंका ने दूसरे राउंड में अपनी प्रतिद्वंद्वी को आसानी से हराया। उन्होंने इत्त्वेंको को हराने में सिर्फ 54 मिनट लिए और न्यूयॉर्क में अपनी जीत का सिलसिला 15 मैचों तक बढ़ाया। मैच के बारे में बात करते हुए सबालेंका ने कहा, 'मैं अपने खेल के स्तर से खुश हूं। मैं बहुत मेहनत कर रही हूं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं कोर्ट पर परफेक्ट बनने की कोशिश से थोड़ा दूर हो रही हूं। मुझे पता है कि आप परफेक्ट नहीं हो सकते, और मैं बस अभी जो मेरे पास है, उसी के साथ काम करने की कोशिश कर रही हूं। मैं अपने खेल के स्तर से काफी खुश हूं। मैं अपने फोकस से खुश हूं। मुझे खुशी है कि चाहे कुछ भी हो जाए, मैं खुद पर ध्यान केंद्रित कर पा रही हूं और अपने फोकस पर लगातार बनी हुई हूं।' शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अब तीसरे राउंड में उज्बेकिस्तान की कामिला राखिमोवा से भिड़ेगी।

भारत ने हांगकांग चीन को 137 रन से हराया

सेमीफाइनल में भी बनाई जगह

नई दिल्ली। भारत ने महिला एशिया कप 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में हांगकांग चीन को 137 रनों से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत का अब अगला और ग्रुप स्टेज का तीसरा व आखिरी मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ 5 सितंबर को होगा। इस मैच में जीत के साथ भारत ग्रुप ए में आखिरी तक नंबर 1 रह सकता है।

इस मैच में भारत ने 194 रन का लक्ष्य रखा था और स्मृति मंधाना ने 64 गेंद पर 124 रन की पारी खेली थी। जवाब में हांगकांग की पूरी टीम 16.2 ओवर में 56 रन पर ढेर हो गई। भारत के लिए गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा ने 3 विकेट झटके। वहीं नंदनी शर्मा, प्रेमा रावत और श्री चरणी को 2-2 विकेट मिले।

भारत ने बनाए 5 विकेट पर 193 रन

भारतीय टीम इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले खेलने उतरी। भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 193 रन बनाए। इसमें से अकेले 124 रन स्मृति मंधाना के थे। उनके अलावा 17 गेंद पर 28 रन शेफाली वर्मा ने बनाए। उनके और स्मृति के बीच पहले विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी हुई। हांगकांग चीन को जीत के लिए 194 रन का लक्ष्य मिला।

एशियन गेम्स 2026: वीवीएस लक्ष्मण होंगे भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच, खेल मंत्रालय ने पुष्टि की

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण आगामी आइची-नागोया एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच की भूमिका निभाएंगे। इसकी पुष्टि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने भारतीय दल की घोषणा के साथ की। मंत्रालय की तरफ से घोषित 768 सदस्यीय भारतीय दल में 503 एथलीट, 246 टीम अधिकारी और सहयोगी स्टाफ तथा 19 स्टाफ दल के सदस्य शामिल हैं। नियमित हेड कोच गौतम गंभीर को वेस्टइंडीज के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज से पहले आराम दिया गया है। ऐसे में वीवीएस लक्ष्मण एशियन गेम्स में पुरुष टीम की देखरेख करेंगे। मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, सुनील जोशी, ऋषिकेश कानितकर और सुभादीप घोष लक्ष्मण के साथ जुड़ेंगे, जबकि अमोल मजूमदार एशियन गेम्स में महिला टीम की कमान संभालेंगे। लक्ष्मण ने हाल ही में जुलाई में जिम्बाब्वे के विरुद्ध टी20 सीरीज के दौरान भारतीय टीम की देखरेख की थी। ऐसा तब हुआ था जब इंग्लैंड के विरुद्ध व्हाइट-बॉल सीरीज के बाद गंभीर को आराम दिया गया था। भारतीय पुरुष और महिला टीमें एशियन गेम्स में मौजूदा चैंपियन के तौर पर उतरेंगी, क्योंकि उन्होंने 2022 हांग्जो खेलों में खिताब जीता था।

स्मृति मंधाना ने शतक ठोक रचा इतिहास

मिताली राज का वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 के दूसरे मुकाबले में भारतीय उपकप्तान और स्टार बैटर स्मृति मंधाना ने बेहतरीन शतक जड़ा। उनका टी20 इंटरनेशनल में यह दूसरा शतक था। इसी के साथ उन्होंने मिताली राज के एक वर्ल्ड रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है। उनके नाम अब महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन दर्ज हो गए हैं। उन्होंने मिताली के 10868 रन के रिकॉर्ड को अपने 302वें इंटरनेशनल मैच में तोड़ा।

मिताली राज ने अपने इंटरनेशनल करियर में 333 मैच खेलते हुए 10868 रन बनाए थे। वहीं स्मृति ने अपने करियर के 302वें मैच में यह उपलब्धि हासिल कर ली। अब महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर हैं। इस मामले में तीसरे नंबर पर हैं सूजी बेट्स। महिला एशिया कप में भी स्मृति सबसे ज्यादा 18 शतक लगाने वाले खिलाड़ी बनीं। इस दौरान उन्होंने मिताली राज के महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर की भी बराबरी की। स्मृति मंधाना ने इस मुकाबले में 64 गेंद पर 124 रन बनाए। इस पारी में उनके बल्ले से 14 चौके और 7 छक्के निकले। उन्होंने इस दौरान रिकॉर्ड की झड़ी लगा दी। उन्होंने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। सबसे बड़ा तो वर्ल्ड रिकॉर्ड था जो उन्होंने तोड़ा और मिताली को पीछे छोड़ा। वहीं भारत के लिए महिला टी20 इंटरनेशनल की भी वह टॉप स्कोरर बनीं। एशिया कप में भी सबसे बड़ी पारी खेलनी वाली महिला क्रिकेटर वह बनीं।

महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए बीसीसीआई हमेशा तैयार: देवजीत सैकिया

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा है कि बोर्ड कम समय में आईसीसी महिला चैंपियंस ट्रॉफी के पहले संस्करण की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका से मेजबानी अधिकार वापस लेकर भारत को सौंप दिए हैं। छह टीमों वाला यह टूर्नामेंट अगले साल 14 से 28 फरवरी तक खेला जाएगा। इसमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेंगी। इसके मुकाबले दो मैदानों - मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया के ब्रेबोर्न स्टेडियम और वडोदरा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। बीसीसीआई मुख्यालय में प्रदर्शन समीक्षा बैठक के बाद सैकिया ने संवाददाताओं से कहा, 'आपको बीसीसीआई की सराहना करनी चाहिए कि हम अगले साल फरवरी में महिला चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने जा रहे हैं। हमारे पास दो स्थल हैं, एक सीसीआई ब्रेबोर्न, जो वानखेड़े स्टेडियम के बगल में है। दूसरा बड़ौदा है और हमें सराहना करनी चाहिए और हमें आईसीसी, जिसमें जय शाह भी शामिल हैं, को धन्यवाद देना चाहिए कि उन्होंने सोचा कि बीसीसीआई सही देश है जो इतने कम समय में

टूर्नामेंट की मेजबानी कर सकता है।'

आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) से सरकारी हस्तक्षेप के कारण मेजबानी अधिकार छीन लिए थे। श्रीलंका सरकार ने बोर्ड के संचालन के लिए सरकार समर्थित ट्रांसफॉर्मेशन कमेटी नियुक्त की थी।

भारत को बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका की दावेदारी के बीच मेजबान चुना गया। मेजबानी गंवाने के बावजूद श्रीलंका ने टूर्नामेंट में अपनी जगह बरकरार रखी है, क्योंकि उसने 6 जुलाई की कट-ऑफ तारीख तक वैश्विक टी20आई रैंकिंग के आधार पर स्वतः क्वालिफाई कर लिया था।

सैकिया ने कहा, 'बीसीसीआई हमेशा इस तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के लिए तैयार रहता है और इसके लिए बीसीसीआई को कुछ श्रेय मिलना चाहिए कि हम किसी भी समय किसी भी अंतरराष्ट्रीय आयोजन को समायोजित करने के लिए तैयार हैं। आखिरी क्षण में, 11वें घंटे पर, श्रीलंका इस टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं कर सका। बीसीसीआई ने चार स्थानों की पेशकश की, जिनमें से दो स्थानों का चयन किया गया और हम इसकी बहुत अच्छे तरीके से मेजबानी करने जा रहे हैं।'

ब्रेबोर्न स्टेडियम ने आखिरी बार दिसंबर 2022 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय महिला टी20 सीरीज के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी की थी, हालांकि इसने 2023 और 2025 में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मैचों की मेजबानी की है।

वडोदरा भी एक प्रमुख स्थल के रूप में उभरा है। यहां 2025 और 2026 में डब्ल्यूपीएल मुकाबले और 2024 में भारत-वेस्टइंडीज महिला वनडे सीरीज खेली गई थी।

आर्यना सबालेंका ने पोलिना इयात्सेंको को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क । दुनिया की नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सबालेंका ने रूस की पोलिना इयात्सेंको को 6-1, 6-1 से हराया। लगातार तीसरा यूएस ओपन खिताब जीतने की कोशिश कर रही आर्यना सबालेंका को पोलिना इयात्सेंको पर जीत हासिल करने में कोई खास परेशानी नहीं हुई। सबालेंका ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में 24 विनर लगाए। इस जीत के साथ सबालेंका ने यूएस ओपन में अपनी लगातार जीत का सिलसिला 15 मैचों तक पहुंचाया है। उन्होंने ग्रैंड स्लैम इवेंट्स में लगातार 22 दूसरे राउंड के मैच जीते हैं। सबालेंका अब यूएस ओपन में उन मैचों में 30-2 से आगे हैं जहां वह पहला सेट जीतती हैं। पिछली बार जब वह न्यूयॉर्क में पहला सेट जीतने के बाद कोई मैच हारी थीं, तो वह 2023 का फाइनल था। बेलारूस की खिलाड़ी का अगला मुकाबला कामिला राखिमोवा से है। सबालेंका, राखिमोवा के खिलाफ हेड टू हेड में 3-0 से आगे हैं।

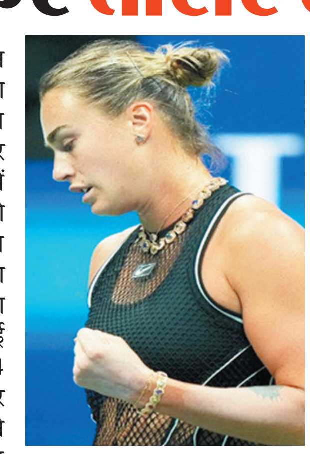

लिंडा नोस्कोवा ने लैनलाना तारारुडी को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई

न्यूयॉर्क । विंबलडन चैंपियन और नंबर 6 सीड लिंडा नोस्कोवा ने लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में थाईलैंड की लैनलाना तारारुडी को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के तीसरे राउंड में जगह बना ली। लिंडा नोस्कोवा इस बार तीसरे राउंड से आगे बढ़ने की

कोशिश करेंगी। पिछले साल तीसरे राउंड में उन्हें कैरोलिना मुचोवा ने हराया था। दोनों खिलाड़ियों ने मैच की शुरुआत सर्विस पर जोरदार तरीके से की, लेकिन नोस्कोवा तारारुडी पर तब तक दबाव बनाती रहीं जब तक वह चेक खिलाड़ी की बेसलाइन से आ रहे हमलों को झेल नहीं पाईं। आखिर में, नोस्कोवा ने सातवें गेम में टारारुडी की सर्विस तोड़ी और पहला सेट जीता। नोस्कोवा ने 15 में से 12 नेट पॉइंट जीते। पहले सेट में शुरुआती मुश्किलों के बाद नोस्कोवा ने मैच पर पूरा नियंत्रण स्थापित कर लिया। दूसरे सेट में भी खेल उनके नियंत्रण में रहा। लिंडा नोस्कोवा ने लैनलाना तारारुडी को 6-4, 6-2 से हराया। यह 2026 में नोस्कोवा की 11वीं ग्रैंड स्लैम मैच जीत थी, जो एक कैलेंडर साल में उनकी सबसे ज्यादा जीत है। उनका पिछला बेस्ट 2024 में छह ग्रैंड स्लैम मेन-ड्रॉ मैच जीतना था। अपने विंबलडन टाइटल के अलावा, वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में तीसरे राउंड में पहुंचीं। रोलैंड गैरोस में पहले राउंड में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।

विमेंस बिग बैश लीग

सिडनी सिक्सर्स ने सोफिया डंकले के साथ एक साल का करार किया

सिडनी । इंग्लैंड की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज सोफिया डंकले ने विमेंस बिग बैश लीग-12 के लिए सिडनी सिक्सर्स के साथ करार किया है। 28 साल की बल्लेबाज 'द हंड्रेड' में ट्रेंट रॉकेट्स के साथ सफलता के बाद ऑस्ट्रेलिया आएंगी। ट्रेंट रॉकेट्स में डंकले के साथ ऑस्ट्रेलियाई स्टार एश्ले गार्डनर भी शामिल थीं। डंकले ने ट्रेंट रॉकेट्स को विमेन 'द हंड्रेड' 2026 का खिताब दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। वह कॉम्पिटिशन की ऑल-टाइम सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी थीं। डंकली ने विमेंस बिग बैश लीग 11 के दौरान सिक्सर्स के लिए खेलते हुए 354 रन बनाए थे। सिक्सर्स द्वारा साझा एक बयान में डंकली ने कहा, 'मुझे पिछले सीजन में सिक्सर्स के साथ अपना समय बहुत पसंद आया और मैं वापस आकर बहुत उत्साहित हूं। मेरा खिलाड़ियों, कोचों और फैन्स ने स्वागत किया है। मुझे पिछले साल क्लब के साथ अपना समय बहुत पसंद आया और मैं नॉर्थ सिडनी में लड़कियों के साथ वापस खेलने का इंतजार नहीं कर सकती।'

2018 में इंग्लैंड में डेब्यू करने के बाद से, डंकली ने खुद को दुनिया की सबसे अच्छी बल्लेबाजों में से एक के तौर पर स्थापित किया है, और सभी फॉर्मेट में एक अहम खिलाड़ी बन गई हैं। सिडनी सिक्सर्स की जनरल मैनेजर रेचल हेन्स ने कहा कि अगले सीजन के लिए डंकले का जुड़ना क्लब के लिए बड़ा बूस्ट था।

हेन्स ने कहा, 'सोफिया ने पिछले सीजन में प्रभावित किया था। हमारी बैटिंग लाइन-अप की क्षमता बढ़ी और जल्दी ही मैदान पर और मैदान के बाहर ग्रुप की एक अहम सदस्य बन गईं।

भारत-पाकिस्तान की राइवलरी पर बोले वसीम अकरम

'लोग क्यों नहीं समझते हैं कि यह सिर्फ एक मैच है'

नई दिल्ली । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने क्रिकेट फैंस से कहा है कि भारत और पाकिस्तान के मुकाबलों को सिर्फ एक खेल की तरह देखें। उन्होंने कहा कि लोगों को इस राइवलरी में पुरानी बातें, राजनीतिक मुद्दे या अधिक भावनाएं नहीं जोड़नी चाहिए। अकरम का मानना है कि भारत-पाकिस्तान मैच हमेशा रोमांचक होते हैं, लेकिन खिलाड़ियों और फैंस को इसे खेल की भावना के साथ देखना चाहिए। उन्होंने भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान के साथ अपने लंबे रिश्ते पर भी बात की। अकरम ने कहा कि दोनों के बीच कई वर्षों से अच्छा संबंध रहा है और वे एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि सोशल मीडिया पर इरफान की कुछ बातों या गतिविधियों से वह हमेशा सहमत नहीं रहे। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि अलग-अलग राय होना सामान्य बात है और इससे आपसी सम्मान कम नहीं होता। अकरम ने '1 मिनट' पॉडकास्ट पर बात करते हुए दोनों पड़ोसी देशों के बीच होने वाले मैचों को लेकर लोगों में बहुत ज्यादा उत्साह और जुनून पर बात की। उन्होंने कहा कि क्रिकेट मैच के नतीजे को समर्थकों के बीच लंबे समय तक दुश्मनी की वजह नहीं बनना चाहिए। लोगों के पास बहुत समय है। वे क्यों नहीं समझते? यह बस एक खेल है। आखिरकार, यह सिर्फ एक मैच है। किसी को जीतना है, किसी को हारना है। फिर अगले मैच की ओर बढ़ना है। मगर नहीं, जो बहुत पहले हुआ था, वह अभी भी लोगों के मन में है। बदला लेने जैसी बातें 1970 के दशक की हैं। यह वही पुरानी कहावत है कि 'खाली दिमाग शैतान का घर होता है'।'

क्रिकेट इतिहास के सबसे मशहूर तेज गेंदबाजों में से एक अकरम ने पठान के साथ अपने रिश्ते पर भी बात की। इंटरनेशनल क्रिकेट में आने के बाद पठान की तुलना अक्सर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान से की जाती थी, क्योंकि दोनों ही बाएं हाथ के तेज गेंदबाज थे और उनके गेंदबाजी एक्शन में भी समानताएं थीं।

दोनों की पहली मुलाकात 2004 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान हुई थी, जब पठान इंटरनेशनल लेवल पर अपनी जगह बना रहे थे। अकरम ने बताया कि यह युवा भारतीय खिलाड़ी पाकिस्तान के महान बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों को देखकर बड़ा हुआ था और तेज गेंदबाजी की कला सीखने के लिए बहुत उत्सुक था।

उन्होंने कहा, 'इरफान 2004 में ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे पर मुझसे मिले थे। मैं कमेंट्री कर रहा था। वह मेरे बहुत बड़े फैन थे। हमें खेलते हुए देखकर ही बड़े हुए थे। मैंने उन्हें कुछ टिप्स दिए थे, लेकिन उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में ही अच्छा प्रदर्शन किया। उनका बॉलिंग एक्शन शुरू से ही मेरे जैसा था। हालांकि, जब खिलाड़ी आपसे कुछ पूछते हैं, तो आप उन्हें ज्यादातर माइंडसेट के बारे में बताते हैं। एक्शन वगैरह तो ठीक है, क्योंकि उस स्टेज पर आप उस लेवल पर पहुंच चुके होते हैं, जहां आप देश का प्रतिनिधित्व कर रहे होते हैं।'

पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज ने बताया कि उभरते हुए खिलाड़ियों को उनकी सलाह पहले से बनी-बनाई तकनीक को बदलने पर कम और सबसे ऊंचे स्तर पर सफल होने के लिए जरूरी रणनीतिक समझ विकसित करने पर ज्यादा केंद्रित होती थी। अकरम ने कहा, 'वेरिएशन का इस्तेमाल कब करना है, कब नहीं। इरफान अच्छा लड़का है। वह अब भी मुझसे मिलता रहता है। यह अलग बात है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ कुछ न कुछ सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहते हैं। हालांकि, हमारे फैन भी तैयार रहते हैं। वे भी नजरअंदाज नहीं करते। उन्हें बस जवाब देना होता है।'

पठान ने 2003 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया और जल्द ही भारत के सबसे होनहार ऑलराउंडरों में से एक बन गए।